शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भाजपा ने कर्नाटक बस किराया वृद्धि का किया विरोध @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 04 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-4

बाइडेन-ओबामा-क्लिंटन-सोरोस का आपराधिक गठजोड़

दक्षिण एशिया को बना रहा नार्को-इस्लामिक टेररिज्म का अड्डा

शुभ-लाभ विमर्श

जो बाइडेन, बराक ओबामा, हिलेरी क्लिंटन और जॉर्ज सोरोस का आपराधिक गठजोड़ दक्षिण एशिया को नार्को-इस्लामिक टेररिज्म का अड्डा बना रहा है। भारत से चिढ़े जो बाइडेन ने पाकिस्तान को षडयंत्र में शामिल किया है। पाकिस्तान पहले से ही बर्बाद और नाकाम देश है। अमेरिकी चांडाल चौकड़ी ने म्यांमार को बर्बाद किया और रोहिंग्याओं को लावारिस बना कर नार्को टेररिज्म से लेकर इस्लामिक टेररिज्म में इस्तेमाल किया। इसके बाद क्रमिक रूप से अमेरिकी गिरोह बांग्लादेश की तरफ बढ़ा और उसे अराजक हिंसा में झोंक कर उस देश को कट्टर इस्लामिक और ड्रग्स आतंकवाद में मुब्तिला कराया। अमेरिकी चौकड़ी का निशाना भारत के मणिपुर भी है, जहां म्यांमार के कूकियों को औजार बना कर अफीम की खेती का साम्राज्य स्थापित करने की बिसात बिछाई। इस षडयंत्र में भारत के प्रमुख विपक्षी दल के नेता भी शामिल हैं। षडयंत्रकारियों ने मणिपुर को जातीय हिंसा की आग में झोंक कर अराजकता पैदा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन भारत सरकार की सतर्कता के कारण मणिपुर में चौकड़ी को मनचाही मुराद नहीं मिल पाई। इससे अमेरिकी षडयंत्रकारियों को और मिर्ची लगी हुई है।

बाइडेन सिंडिकेट ने भारत के पड़ोसी बांग्लादेश को एक अनिश्चित चौराहे पर धकेल दिया है। यह बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन द्वारा संचालित अरब स्प्रिंग की विनाशकारी अराजकता की याद दिलाता है। आपराधिक गठबंधनों और गुप्त एजेंडों के साथ, बाइडेन-ओबामा-क्लिंटन-सोरोस की चौकड़ी ठीक लीबिया और यमन की तरह, इसके प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने, ड्रग्स कारोबार का जाल फैलाने और इस्लामी ताकतों को पैर जमाने

के लिए बांग्लादेश को अस्थिर करना चाहती है। यह भयावह खाका एक डरावना सवाल खड़ा करता है, क्या बांग्लादेश भी पाकिस्तान की तरह ही असफल, अराजक और इस्लामिक-नार्को-आतंकवाद पैदा करने वाले बदनाम देशों की लिस्ट में शुमार हो जाएगा?

2010 के दशक में, राष्ट्रपति बराक ओबामा और विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के कार्यकाल में, अरब जगत के अधिकांश हिस्सों में सरकार विरोधी प्रदर्शनों, विद्रोहों और सशस्त्र विद्रोहों की एक श्रृंखला के रूप में बदनाम अरब-स्प्रिंग की लहर चली। भ्रष्टाचार और आर्थिक मंदी के जवाब में इसकी शुरुआत ट्यूनीशिया में हुई। वहां से, ओबामा और क्लिंटन की देखरेख में अमेरिकी डीप स्टेट द्वारा संचालित अरब स्प्रिंग की लपटें पांच और देशों लीबिया, मिस्र, यमन, सीरिया और बहरीन में फैल गईं। 2011 में, ट्यूनीशिया में जीन एल अबिदीन बेन अली को हटा दिया गया, उसके बाद लीबिया में मुअम्मर अल-गद्दाफ़ी, मिस्र में होस्नी मुबारक और यमन में अली अब्दुल्ला सालेह को हटा दिया गया। ओबामा, क्लिंटन और उनके डीप स्टेट साथियों ने अपने शासन-परिवर्तन एजेंडे के साथ मोरक्को, अल्जीरिया, लेबनान, जॉर्डन, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब को भी निशाना बनाया, जिसका उद्देश्य इस्लामवादी और जेहादी शासन को सत्ता में स्थापित करना था।

यद्यपि प्रभावित देशों के लोग शासन परिवर्तन के नारे से मोहित हो गए थे, लेकिन ओबामा और क्लिंटन का अंतिम लक्ष्य कठपुतली शासन स्थापित करके इन देशों में प्राकृतिक तेल संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करना था, जिससे उनके और डेमोक्रेटिक नेशनल कमेटी के लिए भारी वित्तीय लाभ का मार्ग प्रशस्त हो सके। मिस्र में, मुबारक के निष्कासन के बाद, मुस्लिम ब्रदरहुड के नेता मोहम्मद मुर्सी 2012 में एक हास्यास्पद चुनाव के माध्यम से राष्ट्रपति बने।

▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार पर किया प्रहार

10 वर्षों से बड़ी 'आप-दा' में घिरी हुई है दिल्ली : मोदी

अन्ना का इस्तेमाल कर बेईमानों ने दिल्ली को आप-दा में धकेला

मेरा शीश महल नहीं, मेरा सपना गरीबों के सिर पर छत सजाना है

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विकास की योजनाओं का श्रीगणेश करते हुए दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार पर जोरदार प्रहार किया और इसे दिल्ली के लिए आपदा बताया। प्रधानमंत्री ने कहा, बीते 10 वर्षों से दिल्ली एक बड़ी आप-दा से घिरी है। अन्ना हजारे को सामने करके कुछ कट्टर बेईमान लोगों ने दिल्ली को आप-दा में धकेल दिया। शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला, ये घोटालेबाज लोग दिल्ली के विकास की बात करते थे, लेकिन ये लोग आप-दा बनकर दिल्ली पर टूट पड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आप-दा सरकार दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू नहीं होने दे रही है। मैं तो दिल्ली वालों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली आयुष्मान भारत योजना का लाभ देना चाहता हूं। आप-दा सरकार को दिल्ली वालों से बड़ी दुश्मनी है। पूरे देश में आयुष्मान योजना लागू है, लेकिन इस योजना को आप-दा वाले यहां (दिल्ली) लागू नहीं होने दे रहे। इसका नुकसान दिल्ली वालों को उठाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में फरवरी में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी की कई विकास योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री ने अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबियां सौंपी और इससे पहले उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत भी की। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत बनाने में बहुत बड़ी भूमिका हमारे शहरों की है। जहां दूर-दूर से लोग सपने लेकर आते हैं और बड़ी ईमानदारी से उन सपनों को पूरा करने में जिंदगी खपा देते हैं।

▶10पर

डीयू में बन रहे वीर सावरकर कॉलेज की पीएम ने रखी आधारशिला

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अपने इतिहास में करीब 30 वर्षों के बाद नजफगढ़ में वीर सावरकर कॉलेज की स्थापना के साथ अपने विस्तार की ओर कदम बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इस कॉलेज की आधारशिला रखी। इसे डीयू के छात्रों के लिए एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर बताया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि इससे विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत मिलेगी। ▶10पर

चीन की हरकतों पर भारत ने दर्ज कराया कड़ा विरोध

लद्दाख के कुछ हिस्सों को चीन ने अपना बताया

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

लद्दाख के कुछ हिस्सों को अपनी दो नई काउंटियों में शुमार किए जाने पर भारत सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भारत सरकार ने यह माना है कि चीन ने लद्दाख के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा कर रखा है। इस पर भारत सरकार ने सख्त विरोध जताया और कहा है कि इस मसले को कूटनीतिक स्तर पर भी उठाया जा रहा है।

सीमावर्ती इलाके में चीन के नए काउंटियां बनाने पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने चीन के होटन प्रान्त में दो नए काउंटियों की स्थापना से जुड़ी घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। हमने इस भारतीय क्षेत्र पर अवैध चीनी कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटियों के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और स्थापित स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को कोई वैधता मिल पाएगी। हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के सामने इस मामले पर अपना विरोध दर्ज कराया है।

चीन अपनी विस्तारवादी नीतियों से बाज नहीं आ रहा है। चीन लद्दाख से सटे चीनी इलाके में दो काउंटी बना रहा है, जिसका एक बड़ा हिस्सा लद्दाख में भी आ रहा है। चीन की इन हरकतों पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जाहिर की है। चीन की सरकारी मीडिया एजेंसी शिन्हुआ ने 27 दिसंबर को बताया था कि उत्तर-पश्चिमी चीन के झिंजियांग उइगर क्षेत्र की सरकार ने दो नए काउंटी हेआन और हेकांग बनाने की घोषणा की है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस तरह के किसी भी चीनी कब्जे को स्वीकार नहीं किया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि ▶10पर

शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर भारत ने साधा मौन

एसबीआई रिसर्च : घोर गरीबी अपने निम्नतम स्तर पर

भारतवर्ष में तेजी से घट रही गरीबी

शहरी और ग्रामीण इलाकों में आया बड़ा बदलाव

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

देश में गरीबी कम हो रही है। अधिक गरीबी अपने निम्नतम स्तर पर है। भारतीय स्टेट बैंक के एक शोध अध्ययन में यह दावा किया गया है। एसबीआई रिसर्च की शोध रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 में भारत की गरीबी की दर पांच प्रतिशत से नीचे आने के साथ घोर गरीबी निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है। रिपोर्ट के अनुसार गरीबी के आंकड़ों में 2012 की तुलना में बड़ा बदलाव आया है।

एसबीआई रिसर्च की शोध अध्ययन कहा गया है कि भारत में गरीबी दर अब 4-4.5 प्रतिशत की सीमा में है, जिसमें अत्यधिक गरीबी का अस्तित्व लगभग न्यूनतम है। रिपोर्ट में पिछले कुछ वर्षों में ग्रामीण और शहरी गरीबी के स्तर की भी बात की गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, वित्त वर्ष 24 में ग्रामीण गरीबी 4.86 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो वित्त वर्ष 23 के 7.2 प्रतिशत ▶10पर

गडकरी का प्लान : केजरीवाल की खोखली बात-बहादुरी का जवाब

पांच साल में दिल्ली को प्रदूषण मुक्त कर देंगे: गडकरी

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के प्रदूषण को लेकर अरविंद केजरीवाल की बात-बहादुरी का माकूल जवाब दिया है। गडकरी ने ऐसी योजना प्रस्तुत की है, जिससे पांच साल के अंदर दिल्ली प्रदेश प्रदूषण मुक्त हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अगले पांच सालों में दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करने का वादा किया है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के परिवहन नेटवर्क को विकसित करने और आने वाले दिनों में प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए 12,500 करोड़ रुपए के निवेश का ऐलान किया है। दिल्ली में नवंबर से ही प्रदूषण का स्तर काफी ऊंचा बना हुआ है और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी से ऊपर बना हुआ है। प्रदूषण को कम करने के

प्रदूषण नियंत्रण के लिए 12,500 करोड़ के निवेश का ऐलान

लिए, अन्य उपायों के अलावा, पिछले दो महीनों में दिल्ली में बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल कारों पर दो बार प्रतिबंध लगाया गया।

दिल्ली में एक बार फिर प्रदूषण का स्तर बहुत ज्यादा है और एक्यूआई 350 पॉइंट के आसपास है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अपने ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान स्टेज 3 के तहत प्रतिबंधों को वापस ला सकता है। इसका मतलब होगा बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों पर फिर से प्रतिबंध लग जाएगा। दिल्ली में प्रदूषण के सबसे बड़े कारणों में से एक वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन माना जाता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के परिवहन नेटवर्क को बेहतर बनाने और शहर में प्रदूषण तथा भीड़भाड़ को कम करने के लिए 12500 करोड़ रुपए की घोषणा की।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,700/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 89,750/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0
न्यूनतम : 18^0

स्विट्जरलैंड में लगा बुर्का पर बैन, भारत में मुल्लों के तिरछे हुए नैन

यूरोपीय देश स्विट्जरलैंड में बुर्का बैन कानून पूरी तरह से प्रभावी हो गया है। लेकिन इससे भारत के मुल्ले-मौलवी चिढ़े हुए हैं और अपनी तीखी प्रतिक्रियाएं जाहिर कर रहे हैं। स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का पहनने पर 1000 स्विस फ्रैंक का जुर्माना ठोका जाएगा। स्विट्जरलैंड के बुर्का बैन का असर भारत में भी देखा जा रहा है। यहां खुद को सेकुलर बताने वाले मुस्लिम मौलाना तिलमिला उठे हैं। ये हिजाब और बुर्का बैन का विरोध कर रहे हैं। साथ ही इस्लाम और शरिया की दुहाई दे रहे हैं।

स्विट्जरलैंड के बुर्का बैन का विरोध करने वाले मौलानाओं में से एक देवबंदी उलेमा मुफ्ती असद कासमी ने कहा कि प्रत्येक को अपने मजहब में जीने की आजादी है।

विश्व के कई देशों में हिजाब पर लागू है प्रतिबंध

स्विट्जरलैंड में रहने वाले मुस्लिमों को दीन और शरीयत का पालन करने की आजादी देनी होगी। मौलाना कासमी ने इस कानून का विरोध करते हुए सरकार से इस कानून को तुरंत वापस लेने की मांग की। इसी तरह से एक और मुस्लिम मौलाना हैं अमीर हमजा। हमजा भी स्विट्जरलैंड के बुर्का बैन कानून का विरोध करते हुए तिलमिला उठे। मौलाना ने बुर्का बैन को पूरी तरह से नाजायज और इस्लाम के खिलाफ बताया और कहा कि बुर्का इस्लामिक संस्कृति का हिस्सा है। हर धर्म उसके अनुयायियों को उसके हिसाब से जिंदगी जीने की आजादी देता है। स्विट्जरलैंड में बुर्का बैन की खबर बुरी है। ऐसा कानून मत बनाओ कि किसी को परेशानी हो।

शिया धर्म गुरु मौलाना यासूब अब्बास ने स्विट्जरलैंड के बुर्का बैन कानून के बहाने भारतीय महिलाओं पर भी टिप्पणी कर दी। यासूब ने कहा कि हर धर्म में औरतों को पर्दे में ही रहने को कहा गया है। आप उन हिंदू औरतों को ही देख लो जो घूंघट काढ़े रहती हैं। मजहब ए इस्लाम ने बुर्के का हुक्म दिया है। मैं स्विट्जरलैंड के लोगों से उसकी सरकार के इस कानून का विरोध करने की मांग करता हूं। नए साल के खास मौके पर स्विट्जरलैंड में बुर्का पहनने या चेहरे ढंकने पर बैन लगा दिया गया है। एक जनवरी के बाद अगर कोई भी बुर्के, नकाब या किसी भी अन्य तरीकों से चेहरा ढक कर सार्वजनिक जगहों पर नजर आया तो उन पर 1000 स्विस फ्रैंक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

▶10पर

शुभ-लाभ सरोकार

स्विट्जरलैंड ही नहीं, इन देशों में भी है बुर्का बैन

स्विट्जरलैंड पहला ऐसा देश नहीं है जहां बुर्का पहनने या नकाब पर प्रतिबंध लगाया गया है। दुनियाभर में 16 ऐसे देश हैं जहां चेहरा ढंकने पर प्रतिबंध लगा हुआ है। यूरोप में सबसे पहले फ्रांस में बुर्का या किसी भी तरह का नकाब पहनने पर बैन लगाया गया था। 2011 में संसद में इस कानून को लागू कर दिया गया। इसके बाद 2014 में यूरोप की मानवाधिकार अदालत से भी इस कानून को मंजूरी दे दी गई। बुल्गारिया में 2016 में यह कानून लागू कर दिया गया कि चेहरे को ढंकना गैरकानूनी माना जाएगा। ऑस्ट्रिया में 2017 में हिजाब पर प्रतिबंध का कानून लागू हुआ था। ऑस्ट्रिया में स्कूल, कॉलेज और अदालतों जैसी सार्वजनिक जगहों पर बुर्का पहनना या नकाब लगाना गैरकानूनी है।डेनमार्क में वर्ष 2018 में चेहरा ढंकने पर बैन लगा दिया गया था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जीतो बेंगलूरु साउथ ग्लोरियस गुजरात यात्रा शुरू

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु साउथ के 40 सदस्यों का एक समूह ग्लोरियस गुजरात की रोमांचक यात्रा के लिए रवाना हुआ, जो 5 दिनों का एक अविस्मरणीय अनुभव होगा। जीतो बेंगलूरु साउथ द्वारा तैयार की गई इस यात्रा का उद्देश्य सदस्यों के बीच नेटवर्किंग और परिवार सदस्यों के बीच आपसी रिश्तों को मजबूत बनाना है। सदस्य राज्य के प्रतिष्ठित स्थलों का अन्वेषण करेंगे, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेंगे और ऐसे अनुभवों में भाग लेंगे जो उन्हें आजीवन याद रहेंगे। इस यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रंजीत सोलंकी ने कहा हम अपने सदस्यों के साथ ग्लोरियस गुजरात की इस अविश्वसनीय यात्रा पर निकलने को लेकर उत्साहित हैं। यह यात्रा हमारे सदस्यों के बीच सामाजिक संबंध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। शुक्रवार

से शुरू हुई यह यात्रा 7 जनवरी तक आयोजित की जाएगी और इसमें गुजरात के प्रमुख गंतव्य स्थलों का समावेश होगा, जिनमें मणिलक्ष्मी जैन तीर्थ, लक्ष्मी विलास पैलेस-वरोदरा, केवडिया में यूनिटी की प्रतिमा, बीएपीएस, सूरत और धार्मपुर शामिल हैं। इस यात्रा में जीतो बेंगलूरु साउथ उप चेयरमैन महेंद्र जिनाई, राजेंद्र दांतेवाडिया, राजकुमारी कोठारी, मुख्य सचिव नितिन लूनिया, सह कोषाध्यक्ष महावीर दांतेवाडिया, सचिव प्रतीक गांधी, कोमल भंडारी, प्रबंध समिति सदस्य महावीर भंसाली और जीतो के सदस्य भी शामिल हैं। इस यात्रा के संयोजक तेजपाल जैन और सह-संयोजक चेतन लढ़ानी हैं। जीतो बेंगलूरु साउथ की एक अध्याय है, जो एक वैश्विक संगठन है जिसका उद्देश्य जैन समुदाय के बीच आर्थिक सशक्तिकरण, सामाजिक कल्याण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

महासभा आपके द्वार का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी समाज की संस्था शिरोमणि श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा महासभा आपके द्वार के अंतर्गत संगठन यात्रा करते हुए श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा ट्रस्ट, राजाजीनगर की गतिविधि, कार्यप्रणाली एवं सार-संभाल का आयोजन किया गया। नमस्कार महामंत्र के दिव्य मंत्रोच्चारण के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। महासभा के आंचलिक प्रभारी प्रकाशचंद लोढ़ा ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया। अध्यक्ष अशोक चौधरी ने पधारे हुए पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए महासभा के प्रति धन्यवाद संप्रेषित किया।

मंत्री चंद्रेश मांडोत ने सत्र 2024-26 में अभी तक संपादित गतिविधि एवं कार्यों के बारे में बताया। महासभा से राजाजीनगर सभा के प्रभारी संजय बांठिया ने अपने उद्बोधन में सभा के सभी दस्तावेज व्यवस्थित रखने, महासभा की विभिन्न आयामों एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुए उन योजनाओं को श्रावक समाज तक पहुंचाकर

उसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। आंचलिक प्रभारी प्रकाशचंद लोढ़ा ने अपने वक्तव्य में भारत वर्ष के 625 सभाओं में से राजाजीनगर सभा को विशिष्ट सभा का सम्मान मिलने के लिए बधाई संप्रेषित की। इसी जागरूकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपने धर्म संघ के प्रति समर्पित रहने, महासभा के आयामों को श्रावक समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। साथ ही मार्गदर्शन देते हुए सभा आपके द्वार को अति शीघ्र संपादित करने, उपासक-उपासिका श्रेणी में श्रावकों की बढ़ोतरी करने, तेरापंथ कार्ड एवं जैन माइनॉरिटी की उपयोगिता एवं लाभ की जानकारी समाज तक पहुंचाने, संस्कार निर्माण कार्यशाला में बालक-बालिकाओं की सहभागिता बढ़ाने, तेरापंथ विज्ञप्ति को घर घर तक पहुंचाने एवं अन्य योजनाओं को श्रावक समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। सेवा साधक महेन्द्र दक ने सेवा साधक श्रेणी की जानकारी दी, जिसमें साधक अपनी-अपनी प्रतिभाओं को श्रावक समाज तक पहुंचाने में योगदान दे सकें। उपाध्यक्ष विमल पितलिया एवं मदनलाल बोराणा, सहमंत्री सतीश पोरवाड़, परामर्शक उत्तमचंद गन्ना ने अपने सुझाव एवं चिंतन व्यक्त किए। जिनका समाधान प्रकाशचंद लोढ़ा ने सटीकता पूर्वक किया। कुशल संचालन मंत्री चंद्रेश मांडोत ने किया। सहमंत्री सतीश पोरवाड़ ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

नूतन मोक्ष वाहिनी गाड़ी देने का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थान संघ कर्नाटका ट्रस्ट द्वारा दान दाताओं के सहयोग से वर्तमान में 1 मोक्ष रथ व 4 मोक्ष वाहिनी निःशुल्क अंतिम यात्रा हेतु सेवाएं प्रदान कर रही हैं। इसी क्रम में श्री मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संघ बेंगलूरु ने नूतन मोक्ष वाहिनी गाड़ी देने का लाभ लिया। ट्रस्ट द्वारा संघ के अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, मंत्री पुखराज आंचलिया, निवर्तमान अध्यक्ष रतनलाल सुराणा, कोषाध्यक्ष पुखराज बाफना, युवा अध्यक्ष राकेश संचेती, युवा मंत्री प्रकाश बाबेला, महिला संयोजिका लाड बड़ोला, सहसंयोजिका गरिमा हिंगड़ एवं सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट करते हुए उनका बहुमान किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, मंत्री कमल पुनमिया, पूर्व अध्यक्ष अनिल संकलेचा, रतनीबाई मेहता, कोषाध्यक्ष अमित मेहता, सहमंत्री महावीर मेहता, मोक्षवाहिनी चेयरमैन रमेश भंडारी, कोचेयरमैन जिनेश मेहता, मेट्रीमोनियल चेयरमैन मनोज बाफना, रूपचंद कुमट एवं पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे।

सत्संग जीवन को बनाता है निर्मल और पावन: साध्वी विजयप्रभा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी सुधाकंवर के सानिध्य में साध्वी विजयप्रभा ने कहा कि ज्ञानियों ने सत्संग को एक प्रकार की पावन गंगा बताया है। सत्संग जीवन को निर्मल और पवित्र बनाता है और हमें सद्मार्ग की ओर ले जाता है। जिससे हमारा यह अनमोल जीवन सार्थक और सफल बन सकता है। सत्संग हमें हमारी आत्मा से जोड़ता है और हमें अपने जीवन को शुद्ध और पवित्र बनाने की प्रेरणा देता है। सत्संग दो प्रकार के बताये गये है।

एक सत्संग और दूसरा कुसंग। कुसंग हमे पतन और नरक की ओर ले जाता है। सत्संग हमें धर्म से जोड़ता है और स्वर्ग की ओर ले जाता है। सत्संग से पापी व्यक्ति भी पावन पवित्र बन जाता है।

पुण्य से मिले इस जीवन को सत्संग से ही सार्थक किया जा सकता है। इसके पूर्व साध्वी सुयशा ने अपने उद्बोधन में कहा कि संसार में जो भी सुख हमें मिल रहा है वह संसार की वजह से नहीं संसार के तत्वों की वजह से मिल रहा है। संसार के यह तत्व हमें पुण्य की बदौलत मिल रहे है। हम सालों से संसार में रह कर संसार की परेशानियों को झेल रहे है, धर्म क्रियाए कर रहे है फिर भी हमारे जीवन में वैराग्य आता नहीं है और आता है तो टिकता नहीं है। हमारे पुण्य के प्रभाव से जो तत्व हमारे जीवन में है उसी की वजह से हमारा जीवन सुखमय है। जो तीन तत्व हमारे जीवन को सुखमय बनाते है वे तत्व स्वास्थ्य, संपत्ति और तीसरा हमारे स्वजन हैं। हमारा स्वास्थ्य हमें सुखी बनाता है। हमारा शरीर आज स्वस्थ है लेकिन किसी भी क्षण रोग आ सकता है। जिसके आधार पर हम संसार में रह रहे है उसकी कोई गारंटी नहीं है। तो हम कैसे कहे कि स्वस्थ शरीर हमें सुखी बनाता है। दूसरा तत्व है संपत्ति - जीवन में पैसों से सुख सुविधा प्राप्त होती है और सुविधा से आराम मिलता है। लेकिन इस तत्व की भी कोई गारंटी नहीं है। पैसा आज है कल नहीं भी हो सकता है। तीसरा तत्व है स्वजन - जो लोग हमारे आसपास है हमसे घिरे है हम सोचते है उनसे हमारे जीवन में सुख है। जीवन में स्वजनों की भी कोई गारंटी नहीं है। हमें जीवन में सब कुछ व्यवस्थित लगता है लेकिन सब कुछ व्यवस्थित होता नहीं है। आज हमारा स्वास्थ्य अच्छा है किंतु कल क्या होगा पता नहीं। आज हमारे पास संपत्ति है लेकिन कल रहेगी इसकी गारंटी नहीं है। आज हमारे पास हमारे अपने स्वजन है कल होंगे या नहीं पता नहीं। तो कैसे हम कहे कि हम सुखी है। जिस स्वास्थ्य और संपत्ति के बल पर हम अभिमान करते है एक झटके में सब कुछ हम खो सकते है। संसार के इस सत्य को हमारी दृष्टि के समक्ष रख कर जीना ही वैराग्य है। हम अपनी संपत्ति का अंदाजा लगा सकते है लेकिन हमारी बैलेंस शीट में हमारा पुण्य कितना बचा है इसका हम कतई पता नहीं लगा सकते। इस मौके पर महावीरचंद धोका, मिश्रीमल कटारिया, ज्ञानचंद लोढ़ा, महेंद्रकुमार धोका, मीठालाल लोढ़ा, उगमराज लुणावत, किरणराज पूनमिया, जसवंत छाजेड, बिमल काँकरिया, धीरज नाहर, रेखा पोखरना, सायरबाई लोढ़ा व अन्य की उपस्थिति रही। संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

धर्म की परिभाषा है व्यापक : आचार्य

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुशील धाम में चल रहे उपधान तप में प्रवचन के दौरान आचार्य श्री अरिहंत सागरसूरीश्वरजी ने कहा कि आध्यात्म जगत का प्रवेश द्वार तत्व की श्रद्धा है। आज तथाकथित धर्मावलंबियों को भी यदि धर्म की परिभाषा पूछी जाएं तो भी कई गलत अवधारणाएँ और भिन्न भिन्न मत सुने जाते है। इसका कारण आज का धर्म विरोधी शिक्षण भी है। क्योंकि नास्तिकता को प्रोत्साहित करने वाली आज की शिक्षण पद्धति में पले बढ़े लोगों के मुँह से धर्म की परिभाषा के बारे में नैतिकता ही धर्म, कर्तव्य पालन ही धर्म, मानवता ही धर्म जैसे अनेक खोखले एवं अधूरे सूत्र सुनाई देते हैं। धर्म तो नीति व कर्तव्य से कई गुना बढ़कर है। रही बात मानवता की तो तीर्थकरों ने न सिर्फ मानव जाति के बल्कि संपूर्ण जीवसृष्टि के मूलभूत अधिकारों की रक्षा व

हित का उपदेश दिया है। मात्र मानव जाति के बारे में सोचना तो एक प्रकार का स्वार्थ होगा और यह एक संकुचित अवधारणा है, जबकि धर्म की परिभाषा काफी व्यापक और गहरी है। यह बात न सिर्फ जैन धर्म करता है, बल्कि सभी भारतीय धर्म इसके पक्ष में है। जिस तरह किसी भी धर्म के अपने सिद्धांत, शास्त्र या प्रणेता होते हैं उसी प्रकार मानवता भी यदि धर्म हो तो उसके भी कोई प्रणेता, दर्शन शास्त्र या सिद्धांत होने चाहिए। सर्व धर्मो के अभ्यास के दौरान भी मानवता धर्म का उल्लेख कहीं नहीं देखा। वास्तव में तो यह आज के युग के नास्तिकों की देन है और वेबुनियादी अवधारणा है। उपधान तप व्यवस्थापक कल्याण मित्र परिवार के राजेंद्र सोमावत ने बताया कि उपधान स्थल सुशील धाम में आगंतुकों के लिए ज्ञानवर्धक चित्र प्रदर्शनी के आयोजन के अलावा हर रविवार को नवकार भवन के मिनी थियेटर में ज्ञानवर्धक वीडियो और लघु फिल्मों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

दो दिवसीय चरण पादुका महोत्सव आज से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दादी सेना के तत्वावधान में दादी धाम प्रचार समिति द्वारा शनिवार और रविवार को जे.पी. नगर स्थित शुभ कन्वेंशन हॉल में राणी सती दादी के चरण पादुका महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर कोलकाता के कारीगरों द्वारा भव्य दरबार सजाया गया है। अध्यक्ष शिवकुमार टेकड़ीवाल व समिति सदस्यों द्वारा प्रातः 9 बजे विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी। तत्पश्चात प्रियंका अग्रवाल व रिया शर्मा नृत्य नाटिका पर संगीतमय मंगलपाठ का वाचन करेंगी। शाम को भजन संध्या का कार्यक्रम होगा। इस महोत्सव के लिए तैयारियां पूरे जोरशोर से की गयी हैं। 5 जनवरी को सुबह चरण पादुका अभिषेक होगा एवं शाम में गायक प्रवेश शर्मा बीकानेर व अभिषेक शर्मा भागलपुर भजनों की प्रस्तुति देंगे ।

मंदिर संस्कृति की रक्षा के लिए कर्नाटक राज्य का दूसरा मंदिर सम्मेलन आज से

प्रसिद्ध कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर करेंगे उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक मंदिर महासंघ और हिंदू जनजागृति समिति कर्नाटक राज्य का दूसरा मंदिर सम्मेलन शनिवार और रविवार को बेंगलूरु में आयोजित करेगी। इस सम्मेलन का उद्देश्य कर्नाटक के विभिन्न मंदिरों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देना और उसकी रक्षा करना है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में 1 हजार से अधिक मंदिर ट्रस्टी, प्रतिनिधि, पुजारी और मंदिर संरक्षण के पक्षधर अधिवक्ता भाग लेंगे।

सम्मेलन का उद्घाटन प्रतिष्ठित कथावाचक और विश्व शांति सेवा ट्रस्ट के संस्थापक पूज्य देवकी नंदन ठाकुर जी करेंगे। मंदिरों को

सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने के उनके प्रयासों के लिए प्रसिद्ध, पूज्य देवकी नंदन ठाकुर जी ने दिल्ली में धर्म संसद के बाद सनातन बोर्ड की स्थापना की थी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या,

युवा ब्रिगेड संगठन के संस्थापक चक्रवर्ती सुलीबेल, स्वामी स्वयंप्रकाश सत्यनंद सरस्वती स्वामीजी हरिहरपुर मठ, नंदकुमार आईएएस, पूर्व आयुक्त, धार्मिक धरोहर विभाग, वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण श्याम और प्रमिला नेसारगी, स्वामी अभिनव शंकर भारती, कुदाली श्रीनगरी महासंस्थान शामिल होंगे। यह सम्मेलन, जो केवल आमंत्रित व्यक्तियों के लिए होगा, मंदिर प्रबंधन, संरक्षण और सांस्कृतिक पुनरुत्थान से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा करेगा। इसका उद्देश्य मंदिर धरोहर की सुरक्षा को लेकर संवाद और कार्यवाही को बढ़ावा देना है। कर्नाटक मंदिर महासंघ के राज्य संयोजक मोहन गौड़ा ने यह जानकारी दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रॉयल टाइगर श्री चामुंडेश्वरी गेलेयारा रामचंद्रपुरम द्वारा आयोजित अन्नामा देवी पूजा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

नेहा चौधरी अध्यक्ष व बिंदु मेहता मुख्य सचिव नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा, आपदा प्रबंधन, मेट्रिमोनी एवं समाज विकास जैसे बहुउपयोगी कार्य करने वाली संस्था भारतीय जैन संगठना के कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष किशोर रूणवाल ने महिला विंग पदाधिकारियों की नियुक्ति की। बीजेएस की बेंगलूरु इकाई की महिला विंग के अध्यक्ष की जिम्मेदारी नेहा चौधरी एवं मुख्य सचिव की जिम्मेदारी बिंदु मेहता को सौंपी गई। साथ ही अन्य पदाधिकारियों की भी नियुक्ति की गई। समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये 2005 में यूनेस्को द्वारा सर्वश्रेष्ठ एनजीओ का पुरस्कार प्राप्त बीजेएस बेंगलूरु की नवनियुक्त अध्यक्ष नेहा चौधरी ने अपनी नियुक्ति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय

स्तर पर गतिशील इस संस्था के कार्यों को नई ऊंचाई पर पहुंचाने के लिये प्रतिदिन प्रयासरत रहेंगी। मुख्य सचिव बिंदु मेहता ने राज्य स्तर पर सेवा के इस अवसर को भुनाने व समाज के विकास हेतु समर्पित भाव से कार्य करने की आशा व्यक्त की। कर्नाटक प्रान्त के अध्यक्ष किशोर रूणवाल ने नव नियुक्त पदाधिकारियों से कहा कि बीजेएस एक संगठन मात्र न होकर समाज में बदलाव लाने का एक संकल्प है, हमें इस संगठन के स्थापना के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु तत्पर रहना होगा। अन्य पदाधिकारियों में नीलम सांड व अनिता पिरगल को परामर्श समिति, श्वेता भंडारी व वीना कोठारी को कोषाध्यक्ष, संगीता रूणवाल, मिटू जैन, आशा सालेचा, निशा टुकलिया, सविता पोरवाल, अस्मिता चौहान को डिविजनल प्रमुख तथा विभा जैन व संगीता मालानी को सह सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गयी।

भाजपा ने कर्नाटक बस किराया वृद्धि का किया विरोध

महिलाओं के लिए मुफ्त, पुरुषों के लिए दोगुना

कार्यकर्ता, नेता हिरासत में लिए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को सरकारी बस किराया वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन किया। कर्नाटक कैबिनेट ने गुरुवार को सभी श्रेणियों में सरकारी बस किराया 15 प्रतिशत बढ़ाने का फैसला किया। यह रविवार से लागू होगा। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मैजेस्टिक स्थित केम्पेगौड़ा बस स्टैंड पर आंदोलन का नेतृत्व किया। पार्टी नेताओं ने यात्रियों को फूल देकर कहा कि वे उन पर पड़े अतिरिक्त बोझ से उन्हें सांत्वना दे रहे हैं।

संवाददाताओं से बात करते हुए अशोक ने कहा कि राज्य में महंगाई के कारण लोग परेशान हैं। अशोक ने कहा उन्होंने महिलाओं के लिए बस यात्रा मुफ्त कर दी है, लेकिन पुरुषों के लिए इसे दोगुना कर दिया है। सिद्धरामैया कर्नाटक के इतिहास में सबसे खराब सीएम हैं। 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी बहुत ज्यादा है, लोग कैसे भुगतान करेंगे। निजी टैक्सियाँ केएसआरटीसी बसों से सस्ती हैं।

राज्य सरकार ने विकास के मामले में शून्य प्रगति की है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कीमतों में बढ़ोतरी लगातार जारी है। चलवाडी नारायणस्वामी ने आपत्ति जताई कि एक ऐसी सरकार है जो महिलाओं को मुफ्त देकर पुरुषों से अधिक वसूल कर रही है। गारंटी कारणों से आज लोगों को ऊंची कीमत चुकानी पड़ रही है। आपने दूध के दाम बढ़ा दिए। आपने बिजली के दाम बढ़ा दिये। उन्होंने निंदा करते हुए कहा कि न केवल स्टांप शुल्क, निबंधन शुल्क बल्कि विभिन्न करों में भी बढ़ोतरी की गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह ऐसी सरकार है जो विकास को छोड़कर अपना सिर मुड़ाने का काम कर रही है। कांग्रेस सरकार का खजाना पूरी तरह से खाली है। प्रदर्शन में विधानसभा सदस्य एन. रविकुमार, गणमान्य व्यक्तियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कुछ कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री का मुखौटा पहन रखा था। पुरुष यात्रियों को गुलाब के फूल दिये गये। आंदोलनकारी भाजपा नेताओं को एहतियातन हिरासत में ले लिया गया।

कर्नाटक सरकार ने बस किराए में 15 प्रतिशत बढ़ोतरी की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने सड़क परिवहन निगम (आरटीसी) के बस किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि की है और नया किराया 5 जनवरी से लागू होगा। कानून मंत्री एच.के. पाटिल ने कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए इस संबंध में घोषणा की। मंत्री पाटिल ने गुरुवार को बेंगलूरु में विधान सौधा में कहा कि कैबिनेट ने इस संबंध में निर्णय लिया है और सभी चार परिवहन निगमों के बस किराए में संशोधन किया गया है। टिकट किराए में वृद्धि से कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) को हर दिन 7.84 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। 10 जनवरी, 2015 को, बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) की कीमतों में आखिरी बार संशोधन किया गया था। 10 वर्षों में पहली बार संशोधन किया गया था। उस समय, कर्नाटक के चार परिवहन निगमों के लिए दैनिक डीजल खर्च 9.16 करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 13.21 करोड़ रुपये हो गया है। इन परिवहन निगमों के लिए दैनिक स्टाफ खर्च, जो 12.85 करोड़ रुपये था, भी बढ़कर 18.36 करोड़ रुपये हो गया है, जिससे प्रतिदिन 9.56 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। मंत्री पाटिल ने कहा कि इन कारकों को ध्यान में रखते हुए, किराया संशोधन लागू किया गया था। शहरी बसों और लग्जरी बसों सहित सभी परिवहन निगमों के किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

उन्होंने कहा कि इससे 74.85 करोड़ रुपये का अतिरिक्त मासिक राजस्व उत्पन्न होने की उम्मीद है। महिलाओं के लिए शक्ति मुफ्त यात्रा योजना के लिए, चालू वित्त वर्ष में 5,015 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें 250 रुपये का मासिक अनुदान शामिल है। मंत्री पाटिल ने कहा कि चारों निगमों को 417.92 करोड़ रुपये जारी किए जा रहे हैं। मंत्री ने आगे स्पष्ट किया कि इससे राज्य के खजाने पर बोझ नहीं पड़ेगा और इस बात पर जोर दिया कि कर्नाटक उत्कृष्ट वित्तीय जिम्मेदारी लागू कर रहा है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कैबिनेट की बैठक में बस किराया बढ़ाने का सर्वसम्मति से फैसला लिया गया है। मंत्री रेड्डी ने कहा इससे पहले 2020 में बस टिकट की कीमत बढ़ाई गई थी। पांच साल में डीजल किराया और खर्च बढ़ गया है। इस अवधि में कर्मचारियों का खर्च 18 फीसदी बढ़ गया है। केएसआरटीसी को वेतन देने और जीवित रहने की जरूरत है। हालांकि लाभ बढ़ा है, लेकिन साथ ही खर्च भी बढ़ा है। राज्य भर में आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए शक्ति मुफ्त यात्रा योजना से लाभ हुआ है। पिछली भाजपा सरकार ने हजारों करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ा है। हमारे कार्यकाल में वेतन वितरण के मामले में कोई संकट नहीं है। कर्मचारियों के वेतन को लेकर पिछली भाजपा सरकार के साथ एक मुद्दा था। रेड्डी ने कहा कि अन्य राज्यों की तुलना में राज्य में टिकट की कीमत कम है। हमारी सरकार पर पिछले शासन के दौरान लिए गए ऋणों का भुगतान करने की जिम्मेदारी है। लाभ लगभग 1,000 करोड़ रुपये तक बढ़ गया है। यह कोई नया साल नहीं है। बढ़ोतरी आसन्न थी और हमने इसे अब किया है। यह निर्णय संगठन को बचाने के लिए लिया गया है।

कुमारस्वामी ने बस किराया वृद्धि का किया विरोध

लोगों पर बोझ डालना कांग्रेस की गारंटी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने बस किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि करने के कांग्रेस सरकार के फैसले का कड़ा विरोध किया। इस कदम की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा सत्ता में आने के बाद से इस सरकार ने जनता पर बोझ डालना अपना काम बना लिया है और जनता इसे सहने को मजबूर है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री ने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा क्या इस राज्य में कोई सरकार है भी? क्या इसे वाकई सरकार कहा जा सकता है? जब से वे सत्ता में आए हैं, उन्होंने सिर्फ कीमतें बढ़ाई हैं। उन्होंने दुख जताते हुए कहा सरकार ने बस किराए में 15 प्रतिशत की वृद्धि कर लोगों पर भारी बोझ डाल दिया है। जबकि जनता आक्रोश व्यक्त कर रही है, वे इसके आदी भी हो गए हैं। वे दो दिन तक विरोध करते हैं और फिर बढ़े हुए किराए के हिसाब से खुद को ढाल लेते हैं। यही सच्चाई है। सरकार की आलोचना करते हुए कुमारस्वामी ने कहा इसी कांग्रेस सरकार ने डीजल और पेट्रोल पर उपकर लगाया था। क्या लोगों ने इसका विरोध किया? नहीं, उन्होंने इसके साथ तालमेल बिठा लिया। उन्होंने स्टांप ड्यूटी, मार्गदर्शन मूल्य, शराब की कीमतें बढ़ा दीं और अब दूध की कीमतें भी बढ़ाने की तैयारी है, अब पानी के टैरिफ में भी बढ़ोतरी की बात चल रही है। सरकार हर जगह कीमतें बढ़ा रही है, फिर भी लोग विरोध नहीं कर रहे हैं, क्योंकि वे उनसे किए गए वादे गारंटी में व्यस्त हैं। सरकार को लगता है कि लोगों ने इन बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मंत्री ने मजाक उड़ाते हुए कहा नई विकास पहलों का अनावरण करने के बजाय, सरकार ने कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। ऐसा लगता है कि वे लोगों से कह रहे हैं कि वे कीमतों में बढ़ोतरी से भरे एक साल के लिए तैयार रहें। पिछली सरकारों में, कीमतों में बढ़ोतरी केवल तभी की जाती थी जब बहुत जरूरी होता था। जब संभव होता था, तो कीमतों को कम करने के लिए समायोजन भी किए जाते थे। लेकिन इस सरकार के कुप्रबंधन ने पूरा बोझ लोगों पर डाल दिया है। इसने हर समस्या को अपने ऊपर ले लिया है और जनता को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। सरकार के कुप्रबंधन पर प्रकाश डालते हुए जेडीएस नेता ने कहा जहां भी संभव हो, सरकार कीमतों में बढ़ोतरी कर रही है। देखते हैं कि आगे बिजली विभाग का क्या होता है। सरकार के खराब प्रशासन के कारण विभाग पहले से ही गड़बड़ है। उन्होंने अपनी गारंटी के तहत युवनिधि जैसी योजनाएं शुरू की हैं, लेकिन वास्तव में युवाओं तक कितना पैसा पहुंचा है? यह सरकार जनता के पैसे को बेतहाशा खर्च कर रही है और करदाताओं के पैसे का दुरुपयोग कर रही है। लोगों को यह समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा एक तरफ सरकार गारंटी दे रही है और दूसरी तरफ लोगों से और अधिक वापस ले रही है। सत्ता में आने के दिन से ही यही कहानी है।

पडिल में नए डीसी कार्यालय की प्रगति का आकलन

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्पीकर यूटी खादर ने शुक्रवार को पडिल में नए डिप्टी कमिश्नर (डीसी) कार्यालय का दौरा किया और इसकी प्रगति का आकलन किया। डीसी मुल्लई मुहिलान के साथ खादर ने लगभग पूरी हो चुकी परियोजना की समीक्षा की, जिसका जल्द ही उद्घाटन होने वाला है। इस अवसर पर बोलते हुए खादर ने कहा पडिल में नए डीसी कार्यालय की मांग लंबे समय से की जा रही थी। हम्पनकट्टा में मौजूदा कार्यालय में यातायात की भारी भीड़ रहती है, और पडिल में नए स्थान पर यातायात की समस्या काफी हद तक कम हो जाएगी। यह इमारत 75 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक मॉडल डीसी कार्यालय के रूप में काम करेगी। उन्होंने आगे कहा शेष कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के प्रयास चल रहे हैं, जिसका उद्देश्य 17 जनवरी को राज्य ओलंपिक के लिए मुख्यमंत्री की मेंगलूरु यात्रा के दौरान कार्यालय का उद्घाटन करना है। हम समय पर काम पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय करेंगे, अन्यथा हमें अपनी योजनाओं में बदलाव करना पड़ सकता है। खादर ने नए डीसी कार्यालय में विभिन्न विभागों को केंद्रीकृत करने के लाभों पर जोर देते हुए कहा हमारा लक्ष्य सभी विभागों को एक छत के नीचे लाना है, जिससे जनता के लिए सेवाओं तक पहुँचना और अपना समय प्रबंधित करना अधिक सुविधाजनक हो सके। इसके अतिरिक्त, अधिकांश बैठकें डीसी कार्यालय में आयोजित करने की योजना है, जब सभी विभाग एक ही स्थान पर होंगे तो यह अधिकारियों के लिए संचालन को सुव्यवस्थित करेगा।

सीएम ने 35 कांग्रेस विधायकों के साथ की रात्रि भोज

क्या उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार सिर्फ नाम के नेता हैं: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार की अनुपस्थिति में सरकार द्वारा लिए गए कुछ बड़े फैसलों पर उनका मजाक उड़ाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सहित सात कैबिनेट मंत्रियों और 34 विधायकों की डिनर मीटिंग का जिक्र करते हुए भाजपा ने सवाल किया कि क्या उपमुख्यमंत्री शिवकुमार सिर्फ नाम के नेता हैं। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने शुक्रवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के विदेश दौरे पर जाने का इंतजार कर रहे थे, उन्होंने अपना प्रभाव दिखाने के लिए मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर 35 विधायकों के साथ डिनर मीटिंग की। शिवकुमार को संबोधित करते हुए अशोक ने कहा आपकी अनुप-स्थिति में कैबिनेट की बैठकें हो रही हैं और बस टिकट किराए में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण फैसले लिए जा रहे हैं। जब उपमुख्यमंत्री और पार्टी

के प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी के बिना ऐसे फैसले लिए जाते हैं तो इसका क्या मतलब है? उन्होंने कहा डी.के. शिवकुमार, विधानसभा में आपके द्वारा की गई इस साहसिक घोषणा पर अमल करने का समय आ गया है कि आप सत्ता छीन लेंगे। शिवकुमार ने पहले सदन में मजाकिया अंदाज में कहा था कि उनके ज्योतिषी ने उन्हें सत्ता हथियाने की सलाह दी है। अशोक ने कहा क्या इसका मतलब यह है कि कांग्रेस पार्टी में आप (शिवकुमार) केवल नाम के लिए मौजूद हैं, लेकिन वास्तविक प्रभाव नहीं है? या आपकी मुखरता केवल मीडिया में आने तक सीमित है? अशोक ने शिवकुमार की मुख्यमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा अगर चीजें इसी तरह चलती रहीं, तो आपका सपना बस एक सपना ही रह जाएगा। इतना तो तय है। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार रात को पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में शिवकुमार की जगह लेने और राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन पर जोर देने के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया। इस कदम को शिवकुमार को कमजोर करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है, जो खुद को सिद्धरामैया के बराबर पार्टी में एक प्रमुख नेता के रूप में स्थापित कर रहे हैं। हालांकि डिनर पार्टी में शामिल नेताओं ने दावा किया कि यह महज नए साल का जश्न था, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह है। मुख्यमंत्री का खेमा लंबे समय से उपमुख्यमंत्री के और पदों के सृजन की वकालत कर रहा है। सिद्धरामैया और शिवकुमार ने 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को निर्णायक जीत दिलाने के लिए मिलकर काम किया, लेकिन अंदरूनी प्रतिद्वंद्विता बढ़ती दिख रही है। सिद्धरामैया ने दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों से वोट हासिल करने में अहम भूमिका निभाई, जबकि शिवकुमार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में प्रभावशाली वोक्कालिगा वोटों को पार्टी में लाने में अहम भूमिका निभाई। राहुल गांधी ने पहले घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री का चयन विधायकों के बहुमत के आधार पर किया जाएगा। शिवकुमार द्वारा सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करने के बावजूद सिद्धरामैया ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए पद हासिल कर लिया। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला, जिसमें सीएम सिद्धरामैया जांच का सामना कर रहे हैं, को शिवकुमार ने मुख्यमंत्री का मुकाबला करने की रणनीति के रूप में उजागर किया।

जाति जनगणना लागू करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध: महादेवप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा ने कहा कि मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने मंत्री सतीश जारकीहोली के घर पर रात्रिभोज किया, जो पहले से तय नहीं था। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल एक औपचारिक दौरा था। मंत्री सतीश जारकीहोली ने सभी को रात्रि भोज में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उनके आमंत्रण के बाद हम सभी शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि इसकी वजह कुछ और नहीं है। गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि वह मलेशिया जायेंगे। उन्होंने खाना खाया और चले गये। यह बैठक न तो पहले से तय थी और न ही किसी छुपे एजेंडे पर कोई गुप्त चर्चा थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि

हमने सामान्य तौर पर वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। विपक्षी दलों के नेता हर बात पर इस्तीफा मांगते हैं। इससे लोगों के मन में एक अलग ही भावना पैदा हो रही है। हमने चर्चा की कि इसका जवाब कैसे दिया जाए। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने पुनर्गठन पर चर्चा नहीं की है। केपीसीसी अध्यक्ष का बदलाव हमारे हाथ में नहीं है। महादेवप्पा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि सब कुछ हाईकमान को तय करना है। कैबिनेट बैठक में जातीय जनगणना के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। लेकिन पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से 150 करोड़ रुपये की लागत से सर्वे कराया गया है। क्या इसे लागू किये बिना छोड़ा जा सकता है? अहिंदा समुदाय हमारी पार्टी की रीढ़ हैं। उनके साथ अन्याय नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि सर्वे रिपोर्ट पर अमल किया जायेगा। बीदर के सचिन आत्महत्या मामले में मंत्री प्रियांक खड़गे की कोई भूमिका नहीं है। उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं है। राज्य में अस्सी वर्षों से बस किराये में कोई संशोधन नहीं हुआ। अब हमने वह कर लिया है। अन्य राज्यों की तुलना में हमारे राज्य में किराया कम है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दूध के दाम बढ़ने से किसानों को फायदा होगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा सीएम बदलना एआईसीसी पर निर्भर है। अब सिद्धरामैया मुख्यमंत्री हैं। वह अगले साढ़े तीन साल तक सत्ता में बने रहेंगे। पांच साल बाद सिद्धरामैया फिर से मुख्यमंत्री बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस मुद्दे पर बार-बार सवाल क्यों उठते हैं। महाद-वेप्पा ने बताया कि कैबिनेट की बैठक 13 जनवरी को चामराजनगर में होगी।

मुडा जांच के बीच क्या केआरएस रोड का नाम सीएम के नाम पर रखना उचित है? सांसद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद यदुवीर वॉडियार ने कहा कि सीएम सिद्धरामैया का नाम मुडा और वाल्मीकि घोटाले में शामिल है और इसकी जांच चल रही है। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस समय मैसूरु में केआरएस रोड का नाम उनके नाम पर रखना उचित है। उन्होंने मैसूरु नगर निगम के आयुक्त असद उर रहमान शरीफ से मुलाकात की और अनुरोध किया कि केआरएस रोड को अतीत से प्रिंसेस रोड के रूप में जाना जाता है और दस्तावेजों के साथ एक अनुरोध पत्र भी सौंपा है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए वॉडियार ने कहा कि

आयुक्त ने कहा कि केआरएस रोड का नाम प्रिंसेस रोड करने को लेकर निगम में कोई दस्तावेज नहीं है। इसके लिए हमने खुद इस बात के दस्तावेज जुटाए हैं कि यहां पहले प्रिंस रोड था। कमिश्नर ने कहा है कि वह इसकी दोबारा जांच करेंगे।

विजयेन्द्र ने जेपी नड्डा से भाजपा के गुटीय टकराव को कम करने की अपील की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने राष्ट्रीय अध्यक्ष से विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और उनकी टीम के दंगों को तुरंत खत्म करने की अपील की है, जो राज्य में पार्टी संगठन के लिए एक अलग गुट बनाकर यात्रा कर रहे हैं। एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल होने शहर पहुंचे केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से अलग से मुलाकात कर चुके विजयेंद्र ने बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के व्यवहार के बारे में विस्तृत शिकायत की।

खास बात यह है कि तीन दिन पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद उन्होंने नड्डा से कर्नाटक के मौजूदा घटनाक्रम पर बातचीत की। बैठक के दौरान नड्डा ने कर्नाटक में पार्टी संगठन के बारे में जानकारी ली और उन्हें उम्मीदों के मुताबिक प्रभावी संगठन और सदस्यता अभियान चलाने और सरकार के खिलाफ लड़ने का निर्देश दिया। उन्होंने बसनगौड़ा पाटिल यतनाल, विधायक रमेश जारकीहोली, बीपी हरीश, पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा, अरविंद लिंबावली, पूर्व सांसद जीएम सिद्धेश्वर, अन्ना साहेब जोले और अन्य के खिलाफ पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि जब हमने सभी को वक्फ के खिलाफ लड़ने के लिए बुलाया, तो यतनाल और उनकी टीम ने अलग-अलग लड़ाई लड़ी और पार्टी के लिए शर्मिंदगी पैदा की। उन्होंने कहा कि उनके व्यवहार से न सिर्फ पार्टी को शर्मिंदगी उठानी पड़ी है, बल्कि कार्यकर्ताओं में भी भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। हालांकि नेताओं का कहना था कि पार्टी चिन्ह के बिना सरकार के खिलाफ लड़ना सही कदम नहीं है, लेकिन यतनाल ने बिना किसी की बात सुने कुछ लोगों को साथ लिया और लड़ाई की। हम सरकार को शर्मिंदा करने के बजाय विपक्षी दलों के लिए चारा बन गए। यदि संभव हो तो उन सभी को दिल्ली बुलाकर बात करें और मामला सुलझाएं। कुछ लोगों के अमर्यादित व्यवहार से हम काफी शर्मिंदा होते हैं। हर मामले में हमारे पिता बीएस येदियुरप्पा और हमारे परिवार को ही निशाना बनाया जाता है। मुझे नहीं पता कि उसके पीछे कौन सी शक्ति है। विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी हित में उन्हें सही रास्ते पर लाने के लिए काम करना होगा। इससे पहले बेंगलूरु पहुंचे जेपी नड्डा का स्वागत करने वाले विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक, विधान परिषद में चलवाडी नारायणस्वामी, विजयेंद्र और अन्य ने कर्नाटक पार्टी की मौजूदा स्थिति और मंत्री प्रियांक खड़गे के मामले के बारे में जानकारी दी, जो ठेकेदार सचिन पंचाल की आत्महत्या मामले में शामिल है। जिसके बाद नड्डा ने सुझाव दिया कि यह लड़ाई तब तक नहीं रुकनी चाहिए जब तक यह मामला तार्किक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच जाता। सूत्रों ने बताया कि नड्डा ने राज्य के नेताओं को भ्रष्टाचार और सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आक्रामक तरीके से लड़ने का निर्देश दिया है। विजयेन्द्र ने जानकारी दी है कि मुद्दों को सामने रखकर वे सरकार के खिलाफ जनमत संग्रह कराने में सफल रहे हैं। उन्होंने असंतुष्ट गतिविधियों पर रोक लगाने का भी अनुरोध किया है। इस दौरान उन्होंने राज्य में पार्टी को कैसे आगे बढ़ाया जाए और असंतुष्ट गतिविधियों से आगे कैसे बढ़ा जाए, इसे लेकर कुछ सुझाव और निर्देश दिए हैं।

नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न और धोखाधड़ी के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कडाबा पुलिस ने कोडिम्बाला गांव के ओमकाल निवासी प्रवीण पुजारी को एक नाबालिग लड़की, जो एक कॉलेज छात्रा है, को प्रेम संबंध की आड़ में यौन उत्पीड़न करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। शिकायत के अनुसार, प्रवीण ने कथित तौर पर लड़की का विश्वास जीता और किराए के कमरे में शारीरिक संबंध बनाकर उसका शोषण किया।

उसने चुपके से उनकी बातचीत का वीडियो रिकॉर्ड किया और उसका इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने के लिए किया। उस पर उसे कई बार पुत्तूर के पास किराए के मकान में ले जाने, शोषण जारी रखने और गर्भधारण रोकने के लिए गोलियां देने का आरोप है। इसी बीच सोमवार को, प्रवीण कथित तौर पर लड़की को कुम्ब्रा में एक किराए के कमरे में ले गया, रात भर वहीं रहा।

अगले दिन, झगड़ा हुआ, जिसके बाद उसने उसके साथ शारीरिक रूप से मारपीट की और उसे फरंगीपेट के पास छोड़ दिया। बाद में लड़की ने अपने परिवार को इस बारे में बताया, जिन्होंने फिर मामले की सूचना दी। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि प्रवीण ने किसी अन्य महिला से अपनी सगाई को छुपाया और शादी का झूठा वादा करके उसे धोखा दिया। कडाबा पुलिस ने तुरंत प्रवीण को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम और नाबालिगों के खिलाफ अपराध से संबंधित अन्य कानूनों के तहत मामला दर्ज कर लिया।

मंत्री रामलिंगारेड्डी ने परिवहन किराये में बढ़ोतरी का किया बचाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि हमने बस किराया किसी भी अन्य चीज से कम बढ़ाया है। उन्होंने बस किराए में बढ़ोतरी का पुरजोर बचाव किया, क्योंकि अच्छी परिवहन व्यवस्था के मामले में कर्नाटक पूरे देश में नंबर 1 है। महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रही भाजपा पर पलटवार करते हुए रामलिंगारेड्डी ने कहा कि भाजपा के कुप्रबंधन के कारण अब उन्होंने हमारे सिर पर 5900 करोड़ का कर्ज लाद दिया है। भाजपा लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है। जब वे सत्ता में थे तो जनता का विकास भूल गये।

भले ही केंद्र सरकार में भाजपा ने डॉलर की कीमत कम कर दी हो, लेकिन पेट्रोल-डीजल की कीमत पिछले 9 साल से कम नहीं हुई है। इसी भाजपा ने 2020 में सत्ता में रहते हुए बस किराया बढ़ाया। क्या तब उन्हें लोगों की समस्या का पता नहीं था? डॉलर की कीमत घटने के बावजूद पेट्रोल-डीजल की कीमत कम नहीं हुई। क्या तब भाजपा को लोगों की तकलीफ समझ में नहीं आई? गरीबों की गैस सब्सिडी बंद कर दी। क्या तब भाजपा को लोगों की तकलीफ समझ में नहीं आई? उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि अगर उन्होंने सत्ता में रहते हुए चारों निगमों को सुशासन देकर विकास करने की कोशिश की होती तो यह समस्या हमारे सामने नहीं आती। उन्होंने कहा कि अगर बस खरीद, वेतन पुनरीक्षण और भर्ती समय पर होती तो यह स्थिति नहीं होती। क्या भाजपा को पहले से ही कुछ पता था? मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने मांग की कि भाजपा को अपनी फर्जी व्हाट्सऐप सोशल मीडिया यूनिवर्सिटी से लोगों को झूठ बोलना और गुमराह करना बंद करना चाहिए।

कांग्रेसी का ऑपरेशन हाथ नहीं आएगा काम: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि सरकार का ऑपरेशन हैंड चल रहा है और कांग्रेस का ऑपरेशन हैंड काम नहीं करेगा। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जेडीएस को खत्म करने के लिए 12 लोगों को लाओ और 13 लोगों को लाओ चल रहा है। मुझे ये सब पता है। उन्होंने कहा कि हमारे किसी भी विधायक के पार्टी छोड़ने की कोई स्थिति नहीं है। हमारे सभी विधायकों ने मुझे बताया है कि राजनीतिक तौर पर क्या चल रहा है। उन्होंने कहा कि जेडीएस को कोई झटका नहीं देना चाहिए और न ही कमजोर करना चाहिए। पता चल गया कि कांग्रेसी क्या कर रहे हैं। कांग्रेस के पाप भरे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि भगवान कांग्रेसियों को सजा देंगे। संक्रांति के बाद राज्य की राजनीति में क्रांति के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा मैं क्रांति की बात नहीं कर रहा हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगा। मैं कांग्रेस विधायकों से अपील करता हूं। यदि आप सभी के पास विवेक है, तो बताएं कि जिस सरकार का आपने समर्थन किया वह किस रास्ते पर चल रही है? सोचिए आपने जनता से क्या वादा किया है। आपकी गारंटी अलग-अलग है, देश में गारंटी देने की होड़ लगी हुई है। उन्होंने सवाल किया कि जिस हिमालयी क्षेत्र को गारंटी योजना दी गई थी, वहां आज क्या हो रहा है। इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री एसएस सुखू द्वारा संपन्न उपभोक्ताओं से बिजली सब्सिडी छोड़ने की अपील के बाद, भाजपा ने गुरुवार को दावा किया कि कर्नाटक सरकार को भी लोगों के लिए अपनी पांच कल्याणकारी गारंटी योजनाओं के साथ जल्द ही ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने गुरुवार को कहा कि अगर कर्नाटक सरकार जल्द ही खुद को हिमाचल प्रदेश सरकार जैसी स्थिति में पाती है तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। विजयेंद्र ने कहा अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार लोगों से किए गए वादों को पूरा करने और गारंटी योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, तो उसे तुरंत राजस्व उत्पन्न करने और गारंटी योजनाओं को बनाए रखने के लिए विकास परियोजनाओं को शुरू करने के लिए राज्य के वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार इस बात का सबूत है कि जब सरकार वित्तीय संसाधनों को संतुलित करने और अपने खोखले वादों के लिए धन उपलब्ध कराने में असमर्थ होती है तो योजनाएं कैसे विफल हो जाती हैं। विजयेंद्र ने दावा किया कर्नाटक में, कांग्रेस सरकार, जो पहले से ही पांच गारंटियों के प्रबंधन में चुनौतियों का सामना कर रही है, शक्ति योजना के तहत भारी घाटे में चल रही है, जो आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए राज्य भर में मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार अब सभी चार सरकारी स्वामित्व वाले परिवहन निगमों को 2,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण देने की योजना बना रही है। गृह ज्योति योजना के तहत हुए घाटे की भरपाई करने के लिए, जो सभी घरों को 200 वाट तक मुफ्त बिजली प्रदान करती है, वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए बिजली की दरों में वृद्धि की गई है, जो अप्रत्यक्ष रूप से आम लोगों पर बोझ डाल रही है। गृह लक्ष्मी योजना के लिए धन आवंटित करने में असमर्थ, जिसके तहत राज्य में परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये मासिक भत्ता देने का वादा किया गया है, सरकार चुनाव के समय लंबित किश्तों का भुगतान कर रही है और इस योजना का उपयोग केवल वोट बैंक बनाने के साधन के रूप में कर रही है।

दो दिवसीय मेगा अग्रवाल ट्रेड फेयर 11 जनवरी से

तैयारियां जोरों पर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अग्रवाल समाज कर्नाटक बेंगलूरु के तत्वावधान में पहली बार बल्लारी रोड स्थित पैलेश ग्राउंड के दी ग्रांड कॉस्टल के हॉल में दो दिवसीय मेगा अग्रवाल ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है।

इस ट्रेड फेयर के लिए अग्रवाल समाज कर्नाटक के अध्यक्ष सुभाष बंसल की अध्यक्षता में शुक्रवार को जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। अध्यक्ष के निर्देश पर अग्रवाल समाज के कार्यकारिणी सदस्य, युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया की टीम व महिला मंडल की टीम भी ट्रेंड फेयर की तैयारी में जुटी हुई है। अध्यक्ष सुभाष बसल ने बताया कि पहली बार शहर में अग्रवाल समाज द्वारा एक ऐसा ट्रेड फेयर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें पूरे दक्षिण भारत से हर वर्ग के छोटे बड़े हर तरह के व्यवसाय करने वाले व्यापारी अपनी स्टॉल बुक करवा कर भाग लेने के लिए बेंगलूरु आ रहे हैं।

समाज के सचिव सतीश गोयल ने बताया कि ट्रेंड फेयर में मार्बल ग्रेनाइट, आयरन स्टील, हार्डवेयर, सेनेटरी वेयर, इलेक्ट्रॉनिक, इलेक्ट्रिक, प्लाईवुड, प्लास्टिक प्रोडक्ट, मेडिकल के अलावा ज्वैलरी, साड़ियां, क्लॉथ, क्रॉकरी, खाने-पीने के स्टालों के साथ करीब 300 स्टॉल लगने की उम्मीद है।

इस ट्रेंड फेयर में बच्चों के लिए विभिन्न तरह के गेम्स व मनोरंजन की भी तैयारियां की जा रही है। 11 जनवरी को प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि कमिश्नर ऑफ सेंट्रल जीएसटी एंड एक्साइज प्रमोद कुमार अग्रवाल इसका उद्घाटन करेंगे। इस ट्रेंड फेयर में निशुल्क प्रवेश रहेगा। आने वाले ग्राहकों को किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो उसके लिए वाहन पार्किंग की विशेष व्यवस्था की जा रही है। ट्रेंड फेयर के लिए हेल्प डेस्क की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। जिससे लोग असुविधा होने पर तुरंत संपर्क कर सुविधा का लाभ ले सकते हैं। इस मौके पर उपाध्यक्ष ललित गुप्ता भी मौजूद रहे।

देश में बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के चुनाव की प्रक्रिया शुरू: जोशी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि राज्य भाजपा अध्यक्ष के रूप में बी वाई विजयेंद्र की नियुक्ति अपरिहार्य थी, लेकिन राज्य में पार्टी के शीर्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पत्रकारों से बातचीत में जोशी ने कहा कि देश में बूथ अध्यक्ष से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और यह आम तौर पर पार्टी का सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद होता है। जोशी ने कहा कि बूथ स्तर के चुनाव पहले ही पूरे हो चुके हैं और मंडल स्तर के चुनाव प्रक्रिया में हैं। उन्होंने कहा कि जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के चुनाव बाद में होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए भी चुनाव होंगे, क्योंकि विजयेंद्र को एक साल पहले ही नियुक्त किया गया था, जोशी ने कहा कि उनकी नियुक्ति अपरिहार्य थी और अब पूरे देश में चुनाव होंगे।

हालांकि, उन्होंने कहा कि विजयेंद्र के भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में वापस आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जोशी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) पर सब्सिडी बढ़ाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को जारी रखने और मौसम आधारित फसल बीमा योजना को 2025-26 तक पुनर्गठित करने को देश के किसानों के लिए नए साल का तोहफा बताया।

सीएम-कैबिनेट सहयोगियों के साथ रात्रि भोज में राजनीति पर नहीं हुई चर्चा: सतीश जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि उनके बेंगलूरु आवास पर रात्रिभोज बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और अन्य कैबिनेट सहयोगियों ने भाग लिया और 2028 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में बनाए रखने के लिए शासन में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा की। बताया जा रहा है कि कैबिनेट फेरबदल और केपीसीसी अध्यक्ष पद जैसे मुद्दों पर चर्चा नहीं हुई क्योंकि उन्हें आलाकमान द्वारा तय किया जाना है। जारकीहोली ने शुक्रवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि गुरुवार शाम को हुई कैबिनेट बैठक के बाद रात्रिभोज बैठक तय की गई थी। मेरे आवास पर इस तरह की रात्रिभोज बैठकें करीब 10 बार हो चुकी हैं और मैं भी मुख्यमंत्री के आवास पर उनमें शामिल हुआ हूं। इसे राजनीतिक महत्व देने की कोई जरूरत नहीं थी क्योंकि कुछ कैबिनेट सहयोगी दौरे पर होने और अन्य कारणों से इसमें शामिल नहीं हो सके। जैसे ही हम नए साल में प्रवेश कर रहे थे, यह तय किया गया कि हम सभी एक साथ मिलकर चर्चा कर सकें। अलग-अलग क्षेत्रों के लोग भी मिलते हैं और हम मंत्रियों ने भी इसे आयोजित किया। उन्होंने कहा कि अटकलों के चलते राजनीति पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन हमने शासन और 2028 के विधानसभा चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के मुद्दे पर बातचीत की। एक व्यक्ति, एक पद के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसकी घोषणा राजस्थान के उदयपुर में आयोजित एआईसीसी सत्र के दौरान की गई थी, लेकिन कई राज्यों में ऐसे लोग हैं जो एक से अधिक पदों पर हैं। कभी-कभी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है और कुछ लोग दोनों पदों की जिम्मेदारी निभाने में सक्षम होते हैं। पार्टी केपीसीसी अध्यक्ष पद पर फैसला करेगी। 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री पद के आकांक्षी होने और अपने दावे को मजबूत करने के लिए केपीसीसी अध्यक्ष पद पर नजर रखने के बारे में पूछे गए एक अन्य सवाल के जवाब में जारकीहोली ने कहा कि राज्य में पार्टी के पुनर्गठन पर आलाकमान फैसला करेगा। केपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार उन विभिन्न स्थलों का दौरा कर रहे थे, जहां महात्मा गांधी द्वारा 1924 में यहां आयोजित कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता करने की शताब्दी मनाने के लिए 'गांधी भारत' के लिए कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल भी आयोजन समिति के अध्यक्ष के तौर पर घूम रहे थे, लेकिन केपीसीसी अध्यक्ष की मौजूदगी महसूस की गई, क्योंकि वे कार्यक्रमों का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुझे और जिले के अन्य नेताओं को अन्य जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, इसलिए शिवकुमार द्वारा कार्यक्रमों को हाईजैक करने का मुद्दा नहीं उठता। मंत्रियों को शामिल करने और मौजूदा मंत्रियों को हटाने के बारे में आलाकमान फैसला करेगा। जरूरत पड़ने पर मुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष आलाकमान के समक्ष इस मुद्दे को उठाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसा कोई घटनाक्रम नहीं हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

मुआवजा दिए बिना जायदाद से बेदखली नहीं हो सकती

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद-142 के तहत पूर्ण न्याय करने के अपने असाधारण अधिकार का प्रयोग करते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट का वह फैसला खारिज कर दिया, जिसमें उच्च न्यायालय ने जमीन मालिकों को बाजार दर से मुआवजा तय करने की मांग खारिज कर दी थी। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने विशेष भूमि अधिकारी को 22 अप्रैल, 2019 के बाजार मूल्य के हिसाब से दो महीने में नया मुआवजा पारित करने का निर्देश दिया है।

अफसरों के सुस्त रवैये के कारण 22 साल से मुआवजे का इंतजार कर रहे भूमि मालिकों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि कल्याणकारी राज्य में सम्पत्ति का अधिकार मानवाधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 300-ए के तहत यह सांविधानिक अधिकार है और किसी व्यक्ति को तत्परता से मुआवजा दिए बिना उसकी सम्पत्ति से बेदखल नहीं किया जा सकता है।

शीर्ष अदालत ने 2003 के इस मामले में भूमि मालिकों को 2019 के बाजार मूल्य के हिसाब से मूल्य निर्धारित करते हुए मुआवजा देने का निर्देश देते हुए कर्नाटक हाईकोर्ट के फैसले को खारिज कर दिया। कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड ने अपीलकर्ताओं की भूमि पर कब्जा 22 नवंबर, 2005 को ही कर लिया था, पर आज तक मुआवजा नहीं दिया।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कर्नाटक सरकार के प्राधिकरण की इस बात पर आलोचना - की कि अधिकारियों की गहरी नींद और सुस्त रवैये के कारण अधिग्रहित जमीन के मालिकों को इतने साल बिना मुआवजे के रहना पड़ा। अपीलकर्ताओं की भूमि पर कब्जा लेने के बाद अथॉरिटी ने इसे नंदी इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर एंटरप्राइजेज और उसकी सहयोगी कंपनी नंदी इकोनॉमिक कॉरिडोर एंटरप्राइजेज लिमिटेड को सौंप दिया, पर ऐसे अधिग्रहणों के लिए तत्काल कोई मुआवजा पारित नहीं किया।

यह जमीन बेंगलुरु-मैसूरू को जोड़ने वाली इन्फ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई थी। इस मामले में अपीलकर्ताओं ने कर्नाटक हाईकोर्ट का रुख किया और तत्कालीन बाजार मूल्य के आधार पर मुआवजा निर्धारित करने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी, तो पीड़ित सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, राज्य 2003 से 2019 तक गहरी नींद में था। अवमानना कार्यवाही में नोटिस जारी होने के बाद पहली बार कार्रवाई की। अधिकार न होने के बावजूद विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी (एसएलएओ) ने बाजार मूल्य के निर्धारण की तारीख बदली, जो सही कदम था। अगर मुआवजा 2003 के बाजार मूल्य पर देने की अनुमति दी जाती है, तो यह न्याय व अनुच्छेद 300-ए के तहत कानून के अधिकार के बिना सम्पत्ति से वंचित करने के हक के सांविधानिक प्रावधानों का मखौल उड़ाने के समान होगा।

इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि पैसा ही वह चीज है, जो पैसा खरीदता है। पैसे का मूल्य इस विचार पर आधारित है कि उसे रिटर्न कमाने के लिए निवेश किया जा सकता है और मुद्रास्फीति के कारण समय के साथ पैसे की क्रय शक्ति कम हो जाती है। पीठ ने कहा, अपीलकर्ता 2003 में मुआवजे से जो कुछ खरीद सकते थे, वह 2025 में नहीं खरीद सकते। इसलिए यह बेहद अहम है कि भूमि अधिग्रहण में मुआवजा निर्धारण और वितरण तत्परता से किया जाना चाहिए।

कश्मीर में होगा भारी बर्फबारी का एक और दौर

जम्मू, 03 जनवरी (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में कल से भारी बर्फबारी का एक और दौर आरंभ होने वाला है जो 3 से चार दिनों तक चलेगा। इससे निपटने की तैयारियों पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना था कि वे इससे निपटने को तैयार हैं। जम्मू कश्मीर में एक बार फिर भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी हुआ है। इधर पहले से ही कश्मीर में चिल्ले कलां का दौर चल रहा है। जिस कारण पहले से ही झील, नाले आदि जम चुके हैं। पूरी वादी सफेद चादर ओढ़े दिख रही है।

मौसम विभाग ने एक बार फिर बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 4 जनवरी से लेकर 6 जनवरी तक कश्मीर में पहाड़ी इलाकों के साथ-साथ मैदानी इलाकों में भीषण बर्फबारी होने की संभावना जताई है, जिसका असर पूरे भारत में देखा जा सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को ऊंचाई वाले कुछ जगहों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। शनिवार को पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जम्मू कश्मीर के ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बर्फबारी के आसार है। सोमवार सुबह तक इसकी संभावना बहुत अधिक रहेगी। कश्मीर के अधिकतर स्थानों पर रात के तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

दूसरी ओर श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन आज दोपहर फिर से शुरू हो गया, शुक्रवार को कश्मीर वादी के कुछ हिस्सों में घने कोहरे के कारण सुबह उड़ानों को देरी का सामना करना पड़ा था।

श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन आज दोपहर फिर से शुरू हो गया। अधिकारियों ने कहा कि इस समय तक कोई रद्दीकरण की सूचना नहीं है, एसएक्सआर के लिए पहले देरी से आने वाले विमान भी क्रम में हैं, परिचालन फिर से शुरू हो गया है।

इस बीच जम्मू कश्मीर में कल से फिर से भारी बर्फबारी की संभावना के मद्देनजर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि सरकार मौसम संबंधी अनिश्चितताओं से निपटने के लिए तैयार है। यहां पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बर्फबारी ने हमें एक अनुभव दिया है। जहां भी काम अच्छा था, उसे दोहराया जाएगा और जहां भी कमी रह गई है, उसे इस बार पूरा किया जाएगा।

बिजली की मौजूदा स्थिति के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उमर ने कहा कि इस साल की स्थिति पिछले सालों से बेहतर है, लेकिन बिजली कटौती होती है, हम तय समय पर बिजली देने की कोशिश कर रहे हैं। जब भी किसी सिस्टम में कोई दिक्कत आती है, तो उसे जल्द से जल्द ठीक करने की पूरी कोशिश की जाती है।

सीबीआई ने सीबीआई के डिप्टी एसपी के खिलाफ की कार्रवाई

55 लाख रुपए बरामद

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

सीबीआई ने सीबीआई के ही डिप्टी एसपी बीएम मीणा के खिलाफ कई लोगों से अनुचित लाभ हासिल करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। ये सभी लोग उसकी जांच के दायरे में थे। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी डिप्टी एसपी खातों और हवाला चैनलों के जरिये रिश्वत की रकम का लेनदेन करने के लिए विभिन्न बिचौलियों की सेवाएं ले रहा था।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई में बैंक सुरक्षा एवं धोखाधड़ी ब्रांच में तैनात उक्त

डिप्टी एसपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी पर उन लोगों से अनुचित लाभ लेने का आरोप है जिनकी उसने जांच की थी। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि सीबीआई ने आरोपी के पास से 55 लाख रुपए नकद बरामद किए। एजेंसी ने डिप्टी एसपी बीएम मीणा के खिलाफ कई लोगों से अनुचित लाभ हासिल करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। ये सभी लोग उसकी जांच के दायरे में थे। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि आरोपी डिप्टी एसपी खातों और हवाला चैनलों के जरिये रिश्वत की रकम का लेनदेन करने के लिए विभिन्न बिचौलियों की सेवाएं ले रहा था। सीबीआई ने हाल ही में जयपुर, कोलकाता, मुंबई और दिल्ली समेत 20 जगहों पर छापा मारा था। छापे के दौरान हवाला से भेजी गई 55 लाख रुपए की नकदी, 1.78 करोड़ रुपए के निवेश वाले सम्पत्ति के कागजात, 1.63 करोड़ रुपए के लेनदेन को दर्शाने वाली बुक एंट्री के अलावा अन्य आपत्तिजनक दस्तावेज मिले। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है।

सीएम उमर और सांसद रुहुल्ला के बीच टकराव बढ़ा

सीएम से ज्यादा ही कद बढ़ाने में लगे सांसद

जम्मू, 03 जनवरी (ब्यूरो)।

पिछले सप्ताह आरक्षण के मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निवास पर प्रदर्शन करने वाले नेकां के सांसद आगा सैयद रुहुल्ला और सीएम उमर अब्दुल्ला के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। इस प्रदर्शन के लिए पूरे विपक्ष ने सांसद का साथ दिया जो मुख्यमंत्री को नागवार लगा।

ऐसे में जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अपनी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्ला से कहा कि उन्हें जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए संसद के सामने विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। इसके कुछ घंटों बाद रुहुल्ला ने कहा कि न केवल राज्य

का दर्जा बल्कि अनुच्छेद 370 की बहाली भी उनकी मांग है और वे इसके लिए भी कम से कम 100 सांसदों का समर्थन प्राप्त कर ऐसा करेंगे। सांसद की बढ़ती लोकप्रियता और ताकत पार्टी में खतरे के तौर पर देखी जा रही है।

सांसद आगा सैयद रुहुल्ला कहते हैं, मुझे दिल्ली में राज्य के दर्जे के लिए विरोध करने की इच्छा और आग्रह के बारे में बताया गया है। मैं इस तरह के विरोध में भाग लेने के लिए तैयार हूं और राज्य के दर्जे को प्राथमिकता देने वालों को इसे आयोजित करने के लिए आमंत्रित करता हूं। मैं कम से कम 100 माननीय सांसदों से समर्थन जुटाने की भी कोशिश करूंगा। मेरा मानना है कि इसे आयोजित करने के लिए जनवरी से बेहतर कोई समय नहीं है, जब भारत के संविधान को अपनाया गया था।

रुहुल्ला कहते हैं, वर्ष 2019 के बाद से मेरा राजनीतिक रुख बिल्कुल साफ है। बडगाम में अपनी पहली सार्वजनिक सभा में और बाद में पूरे कश्मीर में अन्य सभाओं में और निरस्तीकरण के बाद अपने साक्षात्कारों में, मैंने अपने लोगों से कहा कि हमारी लड़ाई अनुच्छेद 370 की बहाली और जम्मू कश्मीर के लोगों के लिए इसके द्वारा निहित सम्मान के लिए होनी चाहिए।

रूहुल्ला ने अपनी पार्टी को अनुच्छेद 370 की बहाली के लिए आवाज उठाते रहने की सलाह भी दी है और आश्वासन दिया कि चाहे उनका कोई साथ दे या नहीं पर वे ऐसा करना जारी रखेंगे। इससे पहले आज जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से आरक्षण के मुद्दे पर अपनी ही पार्टी के सांसद आगा रुहुल्ला के विरोध और सैकड़ों छात्रों के साथ उनके आवास के सामने उनके विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो सीएम उमर ने कहा, यह लोकतंत्र है, कोई भी अपनी आवाज उठा सकता है। मैं राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एमपी साहब के नेतृत्व में संसद के सामने एक अच्छा विरोध प्रदर्शन देखना चाहूंगा।

युद्धाभ्यास के लिए भारत आ रहा फ्रांस का विमानवाहक पोत चार्ल्स डी गॉल

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

मिशन क्लेमेंस्यू 25 के तहत चार्ल्स डी गॉल सीएसजी और भारतीय नौसेना के जहाज 42वें वार्षिक वरुण द्विपक्षीय अभ्यास में भाग लेंगे। फ्रांस का यह विमानवाही पोत चार जनवरी को गोवा और कोच्चि में रुकेगा। मौजूदा समय में चार्ल्स डी गॉल के साथ सीएसजी हिंद महासागर में है। जहां यह भारत समेत क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण कर रहा है।

फ्रांस का परमाणु ऊर्जा से चलने वाला विमान वाहक पोत चार्ल्स डी गॉल और इसका पूरा कैरियर स्ट्राइक (सीएसजी) भारत आ रहा है। यह समूह मिशन क्लेमेंस्यू 25 के तहत शनिवार को गोवा और कोच्चि के बंदरगाह पर पहुंचेगा। इसे भारत-फ्रांस के बीच मजबूत होती रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संबंधों का शक्तिशाली प्रदर्शन माना जा रहा है। मौजूदा समय में चार्ल्स डी गॉल के साथ सीएसजी हिंद महासागर में है। जहां यह भारत समेत क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ संयुक्त प्रशिक्षण कर रहा है। इसके बाद यह ला पेरोस अभ्यास के लिए इंडोनेशियाई क्षेत्र और फिर प्रशांत महासागर में पैसिफिक स्टेलर अभ्यास के लिए जाएगा।

भारत में फ्रांस के दूतावास ने कहा कि मिशन क्लेमेंस्यू 25 के तहत चार्ल्स डी गॉल सीएसजी और भारतीय नौसेना के जहाज 42वें वार्षिक वरुण द्विपक्षीय अभ्यास में भाग लेंगे। यह चार जनवरी को गोवा और कोच्चि में रुकेगा। इस नौसैनिक वायु प्रशिक्षण का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता विकसित करना और वायु, सतह और पनडुब्बी के क्षेत्रों में बहु-परिवेशीय खतरे से निपटने के लिए चालक दल तैयार करना है। फ्रांस का परमाणु ऊर्जा से संचालित विमान वाहक पोत चार्ल्स डी गॉल और इसका पूरा कैरियर स्ट्राइक (सीएसजी) ग्रुप (सीएसजी) एक विशाल नौसैनिक बेड़ा है। इस विमानवाहक पोत में बड़ी संख्या में विध्वंसक, फ्रिगेट और अन्य जहाज होते हैं। फ्रांसीसी दूतावास ने कहा कि भारत 1998 से फ्रांस का सबसे प्रमुख रणनीतिक साझेदार रहा है और उत्कृष्ट भारत-फ्रांस सैन्य सहयोग की विशेषता कई द्विपक्षीय अभ्यास जैसे कि जमीन पर शक्ति, समुद्र में वरुण और हवा में गरुड़ हैं। भारत ने फ्रांसीसी नौसेना के जहाजों द्वारा किए गए कई परिचालन स्टॉप ओवर की मेजबानी भी की है। यह 2022 से 16 बंदरगाह कॉल हैं। हिंद महासागर से जुड़े राष्ट्रों के रूप में फ्रांस और भारत नियमित रूप से समुद्री सुरक्षा में योगदान देने के लिए सहयोग करते हैं।

दूतावस ने यह भी बताया कि 2008 से फ्रांस हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी का सदस्य रहा है। इसकी शुरुआत भारत ने की थी और यह हिंद महासागर के देशों की 25 नौसेनाओं को एक साथ लाता है। इस मंच का उद्देश्य समुद्री मुद्दों की एक श्रृंखला से निपटने में सामूहिक प्रभावशीलता को बढ़ाना है। इसका उद्देश्य अवैध तस्करी, अवैध मछली पकड़ना, समुद्र में खोज और बचाव शामिल है। फ्रांस ने 2021 से 2023 तक फोरम की अध्यक्षता संभाली। वहीं हिंद महासागर में फ्रांस कई मिशनों में सक्रिय रूप से शामिल है। इसमें समुद्री डकैती और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए यूरोपीय अटलांटा ऑपरेशन, अवैध तस्करी से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक गठबंधन संयुक्त टास्क फोर्स 150, और स्वेज से होर्मुज तक समुद्री सुरक्षा और नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ (ईयू) का एस्पाइड्स ऑपरेशन। ऑपरेशन अटलांटा यूरोपीय संघ की साझा सुरक्षा और रक्षा नीति (सीएसडीपी) के तहत एक महत्वपूर्ण समुद्री सुरक्षा अभियान है।

डीएमके सांसद कथिर आनंद के पांच ठिकानों पर ईडी का छापा

चेन्नई, 03 जनवरी (एजेंसियां)। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को डीएमके नेता और सांसद कथिर आनंद के पांच ठिकानों पर छापेमारी की। कथिर आनंद डीएमके के वरिष्ठ नेता और तमिलनाडु मंत्रिमंडल में दूसरे नंबर के नेता एस दुरईमुरुगन के बेटे हैं और वेल्लोर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। छापेमारी को लेकर डीएमके ने कहा कि यह कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध में की जा रही है।

ईडी ने सांसद कथिर आनंद के पिता डीएमके महासचिव और तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री दुरईमुरुगन के आवास पर भी छापेमारी की। छापेमारी आरबीआई के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन और 500 और 1000 रुपए के नोटों को 200 रुपए के नोटों से बदलने में बैंक अधिकारियों की ओर से की गई धोखाधड़ी को लेकर की गई है। 2019 में सांसद कथिर आनंद और उनसे जुड़े ठिकानों से 11 करोड़ रुपए की बेहिसाब नकदी जब्त किए जाने के बाद वेल्लोर में लोकसभा चुनाव रद्द कर दिए गए थे। अगस्त 2019 में दोबारा चुनाव हुए तो कथिर आनंद ने डीएमएके के टिकट पर 8141 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने एआईएडीएमके के एसी षणमुगम को हराया। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से उन्हें हराया।

ईडी ने जुलाई 2023 में तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री के पोनमुडी और उनके बेटे डॉ. पी गौतम सिगामणि के परिसरों पर छापेमारी की थी। इसके बाद उनकी 14 करोड़ की सम्पत्ति जब्त की गई थी। पोनमुडी पर आरोप है कि वे 2007-2010 तक तमिलनाडु सरकार में खान मंत्री थे। इस दौरान उन्होंने अपने बेटे डॉ. पी गौतम सिगामणि, सिगामणि के बहनोई केएस राजमहेंद्रन और जयचंद्रन के नाम पर खनन के पांच लाइसेंस जारी किए। इस दौरान सिगामणि ने पट्टे पर दी गई भूमि से लाल मिट्टी की खुदाई की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके मुखिया एमके स्टालिन ने उनकी सरकार के मंत्री और नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक बदला करार दिया है। उन्होंने कहा था भाजपा राजनीतिक बदले में यह सब करा रही है। यह भाजपा द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने तमिलनाडु में बनी अभिनेता विजय की नई पार्टी पर आरोप लगाया कि वे डीएमके को खत्म करना चाहते हैं। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि जो लोग हमें डांटते हैं, वे अमर रहें।

गुरमीत राम रहीम को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

सीबीआई ने हाईकोर्ट से मिली राहत को दी चुनौती

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

बहुचर्चित रणजीत सिंह हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट के फैसले के बाद बरी किए डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस दिया है। मई 2024 में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने हत्याकांड में राम रहीम को बरी कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले को हत्याकांड की जांच कर रही सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह और चार अन्य को नोटिस जारी किया है।

मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की खंडपीठ ने मामले में बरी किए गए आरोपियों से जवाब मांगा है। 28 मई 2024 को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने सीबीआई की सजा को खारिज करते हुए राम रहीम समेत चार आरोपियों को बरी कर दिया था। 10 जुलाई 2002 की शाम को गोलियां मारकर सिरसा डेरे के प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या कर दी गई थी। 2003 में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई थी। जांच के बाद सीबीआई ने डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने सीबीआई की सजा को खारिज करते हुए राम रहीम को बरी कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि जिस गन से फायर होने की बात कही गई वह घटना के समय शस्त्रागार में जमा थी। अपराध में इस्तेमाल की गई कार को भी बरामद नहीं किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गाड़ी में चार लोग फायर कर रहे थे तो बाकी के तीन हथियार कहां हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि जांच अस्पष्ट थी और पेश किए गए साक्ष्य विश्वसनीय नहीं थे। इन सभी को आधार बनाते हुए हाईकोर्ट ने पांचों आरोपियों की याचिका मंजूर करते हुए उन्हें दोषमुक्त कर दिया।

पुलिस जांच से असंतुष्ट रणजीत सिंह के बेटे जगसीर सिंह ने जनवरी 2003 में हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सीबीआई जांच की मांग की थी। हाईकोर्ट ने बेटे के पक्ष में फैसला सुनाकर केस की जांच सीबीआई को सौंपी थी। मामले की जांच करते हुए सीबीआई ने राम रहीम समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। 2007 में कोर्ट ने आरोपियों पर चार्ज फ्रेम किए थे। हालांकि, शुरुआत में इस मामले में डेरामुखी का नाम नहीं था लेकिन 2003 में जांच सीबीआई को सौंपने के बाद 2006 में राम रहीम के ड्राइवर खट्टा सिंह के बयान के आधार पर डेरा प्रमुख का नाम इस हत्याकांड में शामिल हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट ने बरेली कोर्ट के आदेश को सही ठहराया

बरेली कोर्ट ने कहा था, लव जेहाद सुनियोजित षडयंत्र है

मुस्लिम शख्स की याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 03 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार 2 जनवरी को बरेली कोर्ट की टिप्पणियों को सनसनीखेज बनाने का प्रयास करने के लिए याचिकाकर्ता को कड़ी फटकार लगाई।

बरेली कोर्ट ने मोहम्मद आलिम नामक व्यक्ति को लव जेहाद मामले में दोषी ठहराते हुए पाकिस्तान और बांग्लादेश शैली के धर्मांतरण को लेकर चेतावनी दी थी। बरेली कोर्ट ने लव जेहाद को सुनियोजित साजिश करार दिया था। बरेली कोर्ट की इन टिप्पणियों के खिलाफ मोहम्मद अनस नामक शख्स ने जनहित याचिका दाखिल की थी।

अनस ने अपने वकील पी हमीद के माध्यम से दाखिल अपनी जनहित याचिका में कहा था कि बरेली कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियां मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हैं। जस्टिस हृषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने अनस की याचिका को यह कहते हुए बेसाख्ता खारिज कर दिया कि याचिकाकर्ता संबद्ध मामले में पक्षकार नहीं था और वह अनावश्यक रूप से इस विषय को सनसनीखेज बनाने की कोशिश कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के साथ-साथ वकील को भी फटकार लगाई।

जस्टिस भट्टी ने सवाल उठाया कि अदालत इस तरह के स्वतंत्र मुकदमे से जुड़ी टिप्पणियों को कैसे हटा सकती है। उन्होंने कहा, यह मानते हुए कि सत्र न्यायालय के समक्ष साक्ष्य से एक विशेष

निष्कर्ष की पुष्टि होती है और एक निष्कर्ष दर्ज किया जाता है जो हमारे समक्ष याचिकाकर्ता से नहीं है, क्या इसे इस तरह के स्वतंत्र मामले में हटा दिया जाना चाहिए?

मामले को इस तरह से सनसनीखेज बनाना सही नहीं है। शीर्ष न्यायालय ने स्पष्ट किया कि साक्ष्य के आधार पर की गई टिप्पणियों को अनुच्छेद 32 के तहत दायर याचिका के आधार पर हटाया नहीं जा सकता।

संविधान का अनुच्छेद 32 कहता है कि नागरिक अपने मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता यह दावा नहीं कर सकता कि साक्ष्य के आधार पर की गई टिप्पणियों ने उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया है।

उल्लेखनीय है कि बरेली कोर्ट ने 30 सितंबर 2024 को अपने फैसले में मोहम्मद आलिम को एक हिंदू महिला के साथ लव जेहाद करने के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उस पर 1 लाख रुपए का जुर्माना भी ठोका था। अपने बेटे की करतूत में सहयोगी बने आलिम के अब्बा साबिर को भी 2 साल की कैद की सजा गई है। अदालत ने भारत में पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी हालात पैदा करने की साजिश चलने की आशंका जताई थी।

मोहम्मद आलिम ने आनंद बनकर हिंदू महिला को फांसा था और उसके साथ यौन संबंध बनाकर धर्मांतरण कर निकाह करने के लिए दबाव बनाया था। इसके लिए वह महिला के साथ हिंसा भी करता था।

अपने फैसले में बरेली कोर्ट ने लव जेहाद को भारत में कुछ धर्म विशेष के लोगों द्वारा जनसंख्या वृद्धि का हथियार बताया था। साथ ही इसे धर्मान्तरण की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश करार दिया था।

बरेली जिला के अपर सत्र न्यायाधीश (फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम) रवि कुमार दिवाकर ने अवैध मतांतरण को देश की एकता व सम्प्रभुता के लिए खतरा बताया था। इसके साथ ही उन्होंने इस तरह की गतिविधियों में विदेशी फंडिंग होने की भी आशंका जाहिर की थी। उन्होंने यह भी आशंका जाहिर की थी कि अगर भारत में इस पर अंकुश नहीं लगा तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

बरेली जिले का यह पूरा मामला साल 2022 का है। तब आलिम ने खुद को आनंद बताते हुए हिंदू लड़की से दोस्ती की थी। वह हाथ में कलावा बांधता था और मंदिर भी जाता था। पीड़िता कम्प्यूटर की कोचिंग करने जाती थी जहां उसका पीछा करता था। किसी तरह उसने लड़की को अपने झांसे में ले लिया। उसके बाद शादी का झांसा देते हुए 13 मार्च 2022 को आलिम ने एक मंदिर में पीड़िता की मांग भरी। शादी का दिखावा करने के बाद आलिम ने लड़की से कई बार रेप किया। इसके कारण पीड़िता गर्भवती हो गई। उसने आलिम पर घरवालों के मुताबिक शादी का दबाव बनाया तो आलिम इससे मुकरने लगा। उसने पीड़िता का गर्भपात भी करवा दिया। मई 2023 में पीड़िता आलिम के घर पहुंच गई। यहां पर उसे पता चला कि जिसे वह आनंद समझ रही थी, वह मुस्लिम है और उसका नाम आलिम है।

इसके बाद पीड़िता ने आलिम के परिजनों को इसके बारे बताई तो उन्होंने पीड़िता की ही पिटाई शुरू कर दी। पिटाई के साथ आलिम के अब्बा साबिर ने निकाह के लिए पीड़िता को इस्लाम कबूल करने का विकल्प दिया। लड़की ने ऐसा करने से इनकार कर दिया और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। कुछ ही दिनों में कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी गई थी।

चंदन गुप्ता हत्याकांड

28 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

लखनऊ, 03 जनवरी (एजेंसियां)। कासगंज में चंदन गुप्ता हत्याकांड में दोषी ठहराए गए 28 आरोपियों को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है और 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। बृहस्पतिवार को एनआईए की विशेष अदालत ने 28 आरोपियों को दोषी करार दिया था, जबकि दो को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। कासगंज में 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा के दौरान भड़के दंगे में चंदन गुप्ता की हत्या कर दी गई थी।

एनआईए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने सरकार बनाम सलीम व अन्य के मामले में गुरुवार को यह फैसला सुनाया। अदालत ने दोष सिद्ध हो चुके आरोपी बरकतुल्लाह के खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करने का भी आदेश दिया।

सभी आरोपियों को आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 341, 336, 307, 504, 506 और वसीम, नसीम, मोहसिन, राहत, बबलू और सलमान को राष्ट्रीय ध्वज अपमान निवारण अधिनियम की धारा - 2 और आयुध अधिनियम की धारा 2/25 जबकि अभियुक्त सलीम को आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के अंतर्गत भी दोषी करार दिया गया है। दोषी पाए गए आरोपी सलीम के अदालत में पेश नहीं होने पर उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी किया गया है। कासगंज में विश्व हिंदू परिषद, एबीवीपी और हिंदू वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने 26 जनवरी 2018 को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया था, जिसमें मोटर साइकिलों पर सवार 100 से अधिक लोगों ने तिरंगा लेकर यात्रा निकाली थी। यात्रा कोतवाली इलाके के बड्डूनगर पहुंची, जहां गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम चल रहा था। तिरंगा यात्रा को आगे नहीं बढ़ने देने से दो पक्षों के बीच तनातनी शुरू हो गई, जिसके बाद पथराव होने लगा। चंद मिनटों बाद ही दंगा भड़क गया। दंगाइयों ने चंदन गुप्ता की गोली मार कर हत्या कर दी थी।

पुलिस चौकी, डाकखाना, कोतवाली कल्कि मंदिर सब वक्फ सम्पत्ति बता दी

फर्जी वक्फनामा देने वाले जालसाजों पर चलेगा मुकदमा

संभल, 03 जनवरी (एजेंसियां)। संभल में विवादित जामा मस्जिद के सामने पुलिस चौकी बनने के बाद पूरे शहर को ही वक्फ सम्पत्ति बता दिया गया है। संभल का 4 किलोमीटर का इलाका वक्फ की सम्पति होने का दावा एक फर्जी वक्फनामे में किया गया है। इसको लेकर जिला प्रशासन को कुछ कागज भी कुछ मुस्लिमों ने दिए थे। जिन लोगों ने दावा किया है, उनके खिलाफ अब कार्रवाई की तैयारी हो रही है। संभल के जिला प्रशासन ने अब कई वक्फ सम्पत्तियों की जांच करवाने की बात कही है, मुकदमा भी दर्ज किया जाएगा। संभल में मुस्लिमों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जामा मस्जिद के 4 किलोमीटर चौहद्दी का इलाका ही वक्फ की सम्पत्ति बता दिया है। उन्होंने दावा किया कि 1929 में किसी अब्दुल समद नाम के आदमी ने यह सारी सम्पत्ति मदरसा बनाने के लिए वक्फ को दे दी थी। संभल में विवादित जामा मस्जिद के सामने बनाई गई पुलिस चौकी, शहर की कोतवाली और यहां तक कि कल्कि मंदिर को भी वक्फ की सम्पत्ति बता दिया गया है। इसको लेकर संभल जिले के डीएम राजेन्द्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई को मुस्लिम प्रतिनिधिमंडल ने कुछ कागज सौंपे हैं। दोनों अधिकारियों ने इस संबंध में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इन दावों की सच्चाई बताई है। संभल जिले के डीएम राजेन्द्र पैंसिया ने कहा, संभल जिले के विवादित धर्मस्थल के सामने बन रही सत्यव्रत चौकी को लेकर एक प्रतिनिधि मंडल हमसे मिला था और कुछ कागज सौंपे थे।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क को बड़ा झटका

हाईकोर्ट ने ठुकराई एफआईआर रद्द करने की मांग

प्रयागराज, 03 जनवरी (एजेंसियां)। संभल की शाही जामा मस्जिद में 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हुई हिंसा मामले में समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क को तगड़ा झटका लगा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सपा सांसद के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग ठुकरा दी है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में एफआईआर रद्द नहीं होगी और पुलिस की जांच जारी रहेगी। हालांकि हाईकोर्ट ने पुलिस को फिलहाल सांसद बर्क को गिरफ्तार नहीं करने का आदेश दिया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट में सपा सांसद के मामले पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एफआईआर रद्द करने की मांग को ठुकरा दिया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि जिन धार-ाओं में सांसद बर्क के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें 7 साल से कम की सजा होती है। इस मामले में पुलिस सांसद बर्क को नोटिस जारी करेगी। नोटिस

जारी कर उन्हें पूछताछ के लिए बुला सकती है। सांसद बर्क को पुलिस की जांच में सहयोग करना होगा।

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर पुलिस के नोटिस देने पर बयान दर्ज करने के लिए सांसद बर्क नहीं आएंगे और पुलिस की जांच में सहयोग नहीं करेंगे तभी उनकी गिरफ्तारी होगी। कोर्ट ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने आदेश पर अमल करने को कहा है।

संभल में 24 नवंबर को मस्जिद सर्वे को लेकर भड़की हिंसा मामले में पुलिस ने सपा के स्थानीय सांसद जियाउर्रहमान बर्क को आरोपी नंबर एक बनाया है, उनके खिलाफ कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। जिसके बाद सांसद बर्क ने एफआईआर को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी और एफआईआर रद्द किए जाने की गुहार लगाई थी। इस मामले पर जस्टिस राजीव गुप्ता और जस्टिस अजहर हुसैन इदरीसी की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई। सांसद जियाउर्रहमान बर्क की तरफ से अधिवक्ता इमरान उल्लाह और सैयद इकबाल अहमद ने दलीलें पेश की और बताया कि जिस दिन हिंसा भड़की थी वो शहर में मौजूद नहीं थे। यूपी सरकार की तरफ से शासकीय अधिवक्ता एके संड ने पक्ष रखा।

बुंदेलखंड के कायाकल्प की एक और पहल

झांसी और जालौन को जोड़ेगा एक और लिंक एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, 03 जनवरी (एजेंसियां)। योगी सरकार ने बुंदेलखंड के कायाकल्प की एक और पहल की है। इस पहल के तहत सरकार झांसी एवं जालौन को जोड़ने वाले एक और लिंक एक्सप्रेस-वे बनाएगी। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की पहल सरकार पहले ही कर चुकी है। साल 2024 के जाते झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेस-वे की सौगात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संकल्पना के अनुसार बुंदेलखंड के कायाकल्प का एक और जरिया बनेगी।

झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेस-वे की लंबाई करीब 115 किलोमीटर होगी। इससे डिफेंस कॉरिडोर का औद्योगिक इको सिस्टम और बूस्ट करेगा। साथ ही सरकार द्वारा झांसी और कानपुर के बीच नोएडा से भी बड़ा, झांसी के 33 गांवों को मिलाकर 36 हजार एकड़ में बनने वाले औद्योगिक शहर में भी निवेशकों का आकर्षण बढ़ेगा। इसके लिए सरकार बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण (बीडा) के गठन का काम भी शुरू कर चुकी है। इन सबका लाभ सीधी और स्पीडी कनेक्टिविटी मिलने से लखनऊ, कानपुर, आगरा, चित्रकूट और झांसी के

डिफेंस कॉरिडोर के नोड को मिलेगा।

इसी तरह 15.2 किलोमीटर वाले चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से जुड़ जाने के बाद चित्रकूट के पर्यटन और इस नोड में स्थापित होने वाली डिफेंस कॉरिडोर की इकाइयों को भी खासा फायदा मिलेगा। मालूम हो कि चित्रकूट ही वह क्षेत्र है जहां वनवास के दौरान भगवान श्रीराम ने सीता और लक्ष्मण सहित सर्वाधिक समय गुजारा था। यहीं भरत उनको मनाने भी आए थे। ऐसे में इसका अच्छा खासा धार्मिक महत्व है। भगवान श्रीराम से जुड़े स्थलों को देखने बड़ी संख्या में यहां श्रद्धालु आते हैं। सरकार चित्रकूट के विकास के साथ इसे एयरपोर्ट से भी जोड़ चुकी। अब सड़क कनेक्टिविटी ठीक होने से चित्रकूट में पर्यटकों की आवाजाही और बढ़ेगी। इसका भी लाभ स्थानीय लोगों को मिलेगा।

सुदृढ़ कनेक्टिविटी से ललितपुर में दो चरणों में करीब 1500 एकड़ में बन रहे फार्मा पार्क में भी औद्योगिक माहौल तेजी से बनेगा। इस पर तो तेजी से काम भी शुरू हो चुका है। इस बाबत जिन गांवों की जमीनों को चिन्हित किया गया था उनमें से करीब 70 फीसद का अधिग्रहण हो चुका है। करीब 1300 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला झांसी-जालौन लिंक एक्सप्रेस-वे शुरू में चार लेन का होगा। भविष्य में इसे छह लेन तक विकसित किया जा सकेगा। इसमें जमीन अधिग्रहण की ही अनुमानित लागत 228 करोड़ रुपए है। सरकार इस बाबत दो किश्तों में 220 करोड़ रुपए मंजूर भी कर चुकी है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड और पूर्वांचल विकास की दौड़ में पीछे रह गए थे। इन दोनों क्षेत्रों का विकास योगी सरकार की प्राथमिकता है। इन दोनों क्षेत्रों के औद्योगिक विकास के लिए सरकार ने विशेष औद्योगिक प्रोत्साहन नीति लागू कर रखी है। इसी नाते हर योजना में जरूरत के अनुसार सरकार इन दोनों क्षेत्रों को तरजीह देती है। मसलन खेतीबाड़ी के लिए यूपी एग्रीज योजना में भी बुंदेलखंड एवं पूर्वांचल के जिले ही शामिल हैं। बुंदेलखंड सोलर एनर्जी का भी हब बन रहा है। बांदा में अवाडा इंडा कंपनी द्वारा स्थापित सोलर पार्क में बिजली उत्पादन शुरू हो चुका है। झांसी, ललितपुर, चित्रकूट और जालौन में भी योगी सरकार सोलर पार्क विकसित कर रही है। इससे बिजली तो मिलेगी ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के मौके भी मिलेगा।

उद्योगों के अलावा बुंदेलखंड के पिछड़ेपन और इस वजह से होने वाले पलायन की समस्या की बड़ी वजह रही है पानी की कमी। सरकार लगातार खेतों और लोगोंफ्की प्यास बुझाने के लिए काम कर रही है। अर्जुन सहायक नहर जैसी बड़ी परियोजना पूरी करने के साथ इस सरकार ने करीब 5 से 6 दर्जन छोटी और मझोली परियोजनाओं को पूरा किया। केन बेतवा लिंक, जिसका हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिलान्यास किया, वह भविष्य में बुंदेलखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। सिर्फ यूपी के लिए ही नहीं मध्यप्रदेश के लिए भी।

महाकुंभ में होगा एक राष्ट्र, एक नाम भारत पर जनजागरण

प्रयागराज, 03 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के नाम के साथ लगे इंडिया नाम को हटाने और केवल भारत नाम को अपनाने के लिए पिछले लंबे समय से प्रयास किया जा रहे हैं।

संविधान सभा में भी अनेक सदस्यों ने इंडिया नाम का विरोध किया था। उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी पूर्व में एक सांसद के रूप में यह मामला संसद में एक प्राइवेट बिल के रूप में पेश कर संविधान मैं संशोधन करके देश के नाम से इंडिया हटाने की मांग की थी।

इसके पहले उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने भी उत्तर प्रदेश विधानसभा में इंडिया नाम हटाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किया था।

पूर्व में गोवा से कांग्रेस सांसद ने भी यह मामला संसद में रखते हुए इंडिया नाम हटाने की और केवल भारत नाम अपनाने की मांग की थी।

देहरादून से राज्यसभा सांसद नरेश बंसल द्वारा भी यह मामला संसद में उठाया गया था, जिसके परिणाम स्वरूप जी-20 के समय भारत सरकार ने अंग्रेजी में भी प्रेसिडेंट ऑफ भारत तथा प्राइम मिनिस्टर ऑफ भारत लिखकर इस विषय पर अपनी सहमति प्रस्तुत की थी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी हमेशा से भारत का एक नाम केवल भारत रखे जाने की मांग की जाती रही है।

जनता की आवाज फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुंदरलाल बोथरा ने बताया कि अब प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में शिक्षा, संस्कृति, उत्थान न्यास, जनता की आवाज फाउंडेशन तथा वैश्विक हिंदी सम्मेलन द्वारा बड़ी पैमाने पर इस संबंध में जन जागरण किया जाएगा।

इसके लिए महाकुंभ में होर्डिंग बैनर आदि प्रदर्शित किए जाएंगे और इस मांग के लिए बड़े पैमाने पर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन पर हस्ताक्षर के लिए व्यापक हस्ताक्षर अभियान भी चलाया जाएगा ।

वैश्विक हिंदी सम्मेलन के निदेशक डॉ मोतीलाल गुप्ता आदित्य ने बताया कि इन संस्थाओं द्वारा 01 फरवरी 2025 को महाकुंभ में एक राष्ट्र, एक नाम : भारत विषय पर एक विशाल राष्ट्रीय सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा जिसमें राजनीतिक धर्म और शिक्षा जगत की महत्व-पूर्ण हस्तियां उपस्थिति रहेंगी।

संभल हिंसा में फायरिंग करने वाला शाजिब पिस्तौल समेत गिरफ्तार

संभल, 03 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 24 नवंबर को हुई हिंसा को लेकर पुलिस की कार्रवाई जारी है। घटना के एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कई आरोपी अभी भी फरार हैं। हाल ही में पुलिस ने दिल्ली के बाटला हाउस से एक आरोपी अदनान को गिरफ्तार किया था। अब एक और आरोपी शाजिब उर्फ शाहबाज उर्फ टिल्लन को गिरफ्तार किया गया है, जो कोर्ट में सरेंडर करने के लिए संभल आया था।

गुरुवार को पुलिस को सूचना मिली कि शाजिब कोर्ट में पेश होने के लिए दिल्ली से संभल आया है। नखासा थाना पुलिस ने उसे मोहल्ला हिंदूपुरा खेड़ा और नखासा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्तौल भी बरामद की, जिसे हिंसा के दौरान फायरिंग के लिए इस्तेमाल किया गया था। शाजिब ने पुलिस पूछताछ में स्वीकार किया कि 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के विरोध में उसने पुलिस पर फायरिंग की थी। इस दौरान, उसके साथियों ने नखासा चौराहे पर पुलिस की बाइकों को आग के हवाले कर दिया था। घटना के बाद शाजिब दिल्ली भाग गया और अदनान की गिरफ्तारी के बाद उसने कोर्ट में सरेंडर करने का फैसला किया। लेकिन अदालत में पेश होने से पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

संपादकीय

आक्रांता और लुटेरा ही था गजनवी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने महमूद गजनवी को आक्रमणकारी और डाकू-लुटेरा बताकर खलबली मचा दी है। आसिफ ने समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा है कि "महमूद गजनवी आता था और लूटमार करके वापस चला जाता था। हालांकि, हमारे यहाँ उसे हीरो के तौर पर चित्रित किया जाता है, लेकिन मैं उसे हीरो नहीं मानता"। उनके बयान को पाकिस्तान में 'एंटी पाकिस्तान' कहा जा रहा है। पाकिस्तान के दूसरे बड़े नेता रक्षा मंत्री के बयान को 'भारतीय सोच' बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान महमूद गजनवी को अपना आदर्श मानता है। हालांकि, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना बिल्कुल ठीक है क्योंकि जिस समय महमूद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया और यहाँ लूट-मार की थी, तब पाकिस्तान नाम का अस्तित्व ही नहीं था। भले ही पाकिस्तान इतिहास को झुठलाए लेकिन यह सत्य है कि भारत और पाकिस्तान का साझा इतिहास है। वह इतिहास बताता है कि महमूद गजनवी एक लुटेरा ही था। दुर्भाग्य की बात यह है कि जिस सच को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री आसिफ ने स्वीकार कर लिया है, उसे भारत में बैठे कई लोग स्वीकार नहीं करते हैं। भारत पर हमला करनेवाले महमूद गजनवी, चंगेज खान से लेकर बाबर तक को यदि आक्रांता कहा जाता है तब यहाँ भी अनेक सेकुलर नेता एवं बुद्धिजीवी उनके वकील बनकर खड़े हो जाते हैं। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में अनेक स्थान ऐसे ही बर्बर लुटेरे एवं आक्रांताओं के नाम से पहचाने जाते हैं। जब वर्तमान मोदी सरकार आक्रांताओं के निशानों को मिटाने का प्रयत्न करती है, तब यही सेकुलर ब्रिगेड हो-हल्ला मचाती है। सोचिए, जिस बख्तियार खिलजी ने नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को नष्ट करने का भयंकर अपराध किया, उसके नाम पर हमारे यहाँ रेलवे स्टेशन है। जिस बाबर ने भारत में कत्लोगारत की, उसके नाम से एक समय तक तथाकथित बाबरी ढांचा था, जिसे मस्जिद बताकर एक बड़ा वर्ग उसके साथ खड़ा होता था। आक्रांताओं के संबंध में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की सोच स्पष्ट है लेकिन भारत में कई लोग भ्रम का शिकार हैं। जिस बाबर के नाम पर भारत में छाती पीटी जाती है, उसे तो अफगानिस्तान ने भी अपना नहीं माना। जनसंघ के बड़े नेता रहे बलराज मधोक ने अपनी पुस्तक 'जिन्दगी का सफर-२, स्वतंत्र भारत की राजनीति का संक्रमण काल' में उल्लेख किया है कि वह अगस्त 1964 में काबुल यात्रा पर गए। वहाँ उन्होंने काबुल स्थित बाबर का मकबरा देखा। इतने बड़े बादशाह के मकबरे की हालत खस्ता थी। इसके ईदगिर्द न सुन्दर मैदान था और न फूलों की क्यारियां। यह देख बलराज मधोक ने मकबरा की देखभाल करनेवाले एक अफगान कर्मचारी से पूछा कि इसके रखरखाव पर विशेष ध्यान क्यों नहीं दिया जाता? उसका उत्तर सुनकर वे अवाक रह गए और शायद आप भी सोचने पर मजबूर हो जाएं। उसने मधोक को उत्तर दिया था – "कुत्सित विदेशी के मकबरे का रखरखाव हम क्यों करें?" काबुल में वह वास्तव में विदेशी ही था। उसने फरगना से आकर काबुल पर अधिकार कर लिया था। परन्तु कैसी विडम्बना है कि जिसे काबुल वाले विदेशी मानते हैं उसे हिन्दुस्तान के पथभ्रष्ट बुद्धिजीवी हीरो मानते हैं। इसका मूल कारण उनमें इतिहास-बोध और राष्ट्रभावना का अभाव होना है। जिस दिन लोग निरपेक्ष भाव से इतिहास को देखना शुरू करेंगे, उन्हें भी पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की भाँति महमूद गजनवी से लेकर बाबर तक में आक्रांता और लुटेरा नजर आने लगेगा। जो लोग केवल संप्रदाय के नाम पर इन लुटेरों को अपना हीरो मानते हैं, उन्हें एक बार अपने बारे में विचार करना चाहिए। साथ ही, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री के बयान पर गहरायी से चिंतन करना चाहिए।

आसिफ ने समाचार चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा है कि "महमूद गजनवी आता था और लूटमार करके वापस चला जाता था। हालांकि, हमारे यहाँ उसे हीरो के तौर पर चित्रित किया जाता है, लेकिन मैं उसे हीरो नहीं मानता"। उनके बयान को पाकिस्तान में 'एंटी पाकिस्तान' कहा जा रहा है। पाकिस्तान के दूसरे बड़े नेता रक्षा मंत्री के बयान को 'भारतीय सोच' बता रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान महमूद गजनवी को अपना आदर्श मानता है। हालांकि, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का कहना बिल्कुल ठीक है क्योंकि जिस समय महमूद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया और यहाँ लूट-मार की थी, तब पाकिस्तान नाम का अस्तित्व ही नहीं था। भले ही पाकिस्तान इतिहास को झुठलाए लेकिन यह सत्य है कि भारत और पाकिस्तान का साझा इतिहास है।

भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

स्कूलों में छात्रों की संख्या का घटना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है।

शिक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत शिक्षा के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्कूलों की संख्या बढ़ रही है, पर स्कूली छात्रों की संख्या घट रही है। स्कूली छात्रों की संख्या घटना न केवल चिंताजनक और विचारणीय है बल्कि नये भारत-सशक्त भारत निर्माण की एक बड़ी बाधा भी है। भारत में स्कूलों की संख्या में करीब 5,000 की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में प्राथमिक, माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्तरों सहित 14,89,115 स्कूल हैं। ये स्कूल 26,52,35,830 छात्रों को पढ़ाते हैं। इनमें से कुछ स्कूलों को उनकी प्रतिष्ठा, स्थापना के वर्षों, महत्वपूर्ण स्कूल परिणामों, मार्केटिंग रणनीतियों आदि के कारण उच्च छात्र नामांकन प्राप्त होते हैं लेकिन पर साल 2022-23 व 2023-24 के बीच स्कूली छात्रों के नामांकन में 37 लाख की कमी आई है। यह स्थिति अनेक सवाल खड़े करती है। क्या स्कूली शिक्षा ज्यादातर बच्चों की पहुंच के बाहर है? क्या शिक्षा का आकर्षण पहले की तुलना में घटा है? भारत में शिक्षा प्रणाली लाखों छात्रों के जीवन और भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने समृद्ध इतिहास और विविध संस्कृति के साथ, भारत में एक जटिल और विशाल शैक्षिक परिदृश्य है। भारत में शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न चरण शामिल हैं। महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं। डेटा एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की यह ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है। बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर होने के बावजूद छात्रों की संख्या का घटना गहन विमर्श का विषय है। शिक्षा मानव-जीवन के विकास का आधार स्तंभ है। शिक्षा के अभाव में मानव-जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती। यह मनुष्य को उत्कृष्टता एवं उच्चता के शिखर पर स्थापित करती है। शिक्षा प्रकाश एवं शक्ति का ऐसा स्रोत है जो नये

भारत के विकास का आधार है। जो हमारी शारीरिक, मानसिक, भौतिक और आध्यात्मिक शक्तियों तथा क्षमताओं का निरन्तर सामंजस्यपूर्ण विकास करके नये भारत, सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प को मजबूती देता है। देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन छात्रों के नामांकन में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला छात्रों का नामांकन 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी श्रेणियों यानी लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि में है। जहां तक शिक्षा के बीच में छात्रों के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्तर में होने वाली बढ़ोतरी ज्यादा परेशान करने वाली है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2 प्रतिशत है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9 प्रतिशत हो जाती है। इसके पीछे ओबीसी और एससी-एसटी श्रेणी के छात्रों को दाखिले के दौरान होने वाली जटिल प्रक्रिया, मुश्किलें और किसी अभावग्रस्त छात्र के लिए आर्थिक मदद या छात्रवृत्ति जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है। छात्रों के नामांकन की घटती संख्या को जाति के आधार पर अगर देखें, तो अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों के नामांकन में 25 लाख से अधिक, अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के छात्रों में 12 लाख और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के छात्रों में दो लाख की गिरावट हुई है। नामांकन से वंचित हुए अल्पसंख्यक छात्रों की संख्या तीन लाख है, जबकि इनमें से एक तिहाई मुस्लिम हैं। भारत में नई पीढ़ी को यथोचित शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा से वंचित रहने के जो कारण हैं, उनमें सबसे बड़ा कारण गरीबी है। सरकारी स्तर पर सरकारों ने गरीब छात्रों के लिए अनेक इंतजाम किए हैं, पर इन इंतजामों का सभी छात्रों तक समान रूप से पहुंचना आसान नहीं है। निचले स्तर पर शिक्षकों और शिक्षा कर्मचारियों को जितना सजग होना चाहिए, उतना सजग वे नहीं हो पा रहे हैं। भारत जैसे देश में शिक्षा एक अभियान है, इसके लिए अगर नियोजित एवं उत्साहपूर्ण माहौल न बनाया जाए, तो गरीब व वंचित बच्चों तक शिक्षा को पहुंचाना चुनौतीपूर्ण है। कोई संदेह नहीं कि किसी भी अभियान में अगर समर्पित लोग आपके पास नहीं हैं, तो फिर उस अभियान की सफलता संदिग्ध हो जाती है। भारत में शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की जरूरत है। यदि हमें सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त करना है और सही दिशा में आगे बढ़ना है तो कई पहलुओं एवं मोर्चों पर काम करना आवश्यक है। हमारी आजादी के बाद से ही शिक्षा क्षेत्र में कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन्होंने हमें दुनिया में एक विकसित राष्ट्र बनने से रोक दिया है। भारत में एक सभ्य शिक्षा प्रणाली के महत्व की जरूरत को समझते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नयी शिक्षा प्रणाली के अन्तर्गत अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। देश की शिक्षा प्रणाली को नया आकार दिया जा रहा है और शिक्षा से जुड़े कई बड़े बदलाव किए जा रहे हैं। प्रणाली को आधुनिक बनाने और व्यावसायिक प्रशिक्षण शुरू करने के प्रयास हो रहे हैं। बहरहाल, यह खुशी की बात है कि अब भारत के 91.7 प्रतिशत स्कूलों तक बिजली पहुंच चुकी है। अभियान चलाकर देश के बाकी बचे स्कूलों तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। देश में 98 प्रतिशत से ज्यादा स्कूलों तक पेयजल सुविधा के साथ ही टॉयलेट की सुविधा पहुंच चुकी है। स्कूलों को संसाधन संपन्न बनाने के साथ ही शिक्षकों और पुस्तकों की गुणवत्ता एवं स्कूलों को संसाधन के स्तर पर भी बहुत मजबूत करने की जरूरत है।

दृष्टि कोण

क्या ताइवान पर हमला करने वाला है चीन !

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नए साल के भाषण में एक बार फिर कहा है कि कोई भी ताकत ताइवान को चीन के साथ मिलाने से नहीं रोक सकती है। इससे पहले भी गत वर्ष के अंत में, ताइवान के आसपास चीनी लड़ाकू जहाज और और विमानों की खासी हलचल रही है। चीन के इस आक्रामक रुख ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है और चर्चा चलने लगी है कि क्या चीन और ताइवान में जंग छिड़ने वाली है। ताइवान और चीन के बीच तनातनी की शुरुआत दूसरे विश्व युद्ध के बाद तब शुरू हुई जबकि चीन में राष्ट्रवादी सरकारी सेना और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच गृहयुद्ध शुरू हो गया। 1949 में कम्युनिस्ट जीत गए और उनके नेता माओत्से तुंग ने चीन की राजधानी बीजिंग पर कब्जा कर लिया। हार के बाद राष्ट्रवादी पार्टी कुओमिंतांग के नेता ताइवान भाग गए। तबसे ही कुओमिंतांग ताइवान की सबसे प्रमुख राजनीतिक पार्टी है और ताइवान पर ज्यादातर समय इसी पार्टी का शासन रहा है। हालांकि 1979 में अमेरिका ने भी चीन के साथ एक संधि करते हुए ताइवान को चीन का हिस्सा मानकर 'वन चाइना पॉलिसी' को मंजूरी दे दी थी। इसके बावजूद 1979 में ही अमेरिका ने ताइवान में अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ ताइवान स्थापित किया। यह ताइवान में अमेरिकी दूतावास की तरह काम करता है। अमेरिका ने ताइवान को हथियार सप्लाई किए और आज भी ताइवान को हथियार मुहैय्या करवा रहा है। रूस इस मामले में शुरू से ही चीन के साथ रहा। भारत ने भी ताइवान को मान्यता नहीं दी है। चीन के साथ सीमा विवाद पर समझौते हुए हैं और हमारे रिश्ते सुधरे हैं। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है ओर सरकार ने जनता के दिल में यह बात बैठा दी है कि ताइवान के बिना चीन अधूरा है। इसके अलावा चीन ताइवान पर कब्जा करके गुआम और हवाई जैसे अमेरिकी मिलिट्री बेस वाले पश्चिमी प्रशांत महासागर इलाके में अपना दबदबा भी बनाना चाहता है। ताइवान को लेकर चीन की नीति हमेशा से एक जैसी रही है जिसमें कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले भी जनवरी 1979 में चीन ने ताइवान को मिलाने की बात कही थी। 1980 के दौरान चीन और ताइवान के बीच रिश्ते बेहतर होने लगे तो दोनों देशों के बीच व्यवसाय, निवेश और पर्यटन भी बढ़ने लगा था जो 35 साल जारी रहा। हालांकि चीन ने 2004 में संसद में एक अलगाव विरोधी कानून पास किया था। इसके मुताबिक अगर ताइवान किसी भी तरह से चीन से अलग होने की कोशिश करेगा तो चीन इसे कुचलने के लिए मिलिट्री पावर का इस्तेमाल कर सकता है। 2016 में ताइवान में डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) के त्साई इंग-वेन राष्ट्रपति बने। वेन ताइवान को चीन में मिलाने का विरोध करते रहे हैं। इसके बाद से चीन और ताइवान के बीच विवाद बढ़ता गया। ताइवान की ओर से लगातार चीन के प्रभाव से आजादी की मांग उठने लगी। 2 जनवरी 2019 को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ताइवान के साथ शांतिपूर्वक बातचीत करने का ऐलान किया लेकिन जिनपिंग ने ताइवान की आजादी की मांग को खारिज कर दिया। कोरोना के बाद से चीन की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई है। बढ़ती जनसंख्या और कम होते संसाधनों को नियंत्रित करना चीन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। जनता इन मुद्दों को बखूबी समझ चुकी है। इसलिए जिनपिंग ताइवान के मुद्दे को हवा देकर जनता का ध्यान भटका रहे हैं। इसके अलावा अक्टूबर 2024 में अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने हिंद महासागर में क्वाड ग्रुप का मालाबार युद्धाभ्यास किया था। इसके जरिए क्वाड देशों ने चीन के सामने शक्ति प्रदर्शन किया था और उसे पीछे हटने का मैसेज दिया था। चीन क्वाड इस बढ़ते दबदबे को कम करना चाहता है। ऐसे में दिसंबर 2024 की शुरुआत से चीन ने ताइवान के आसपास के समुद्री इलाकों को घेरना शुरू कर दिया था। दक्षिणी चीन सागर में बड़ी संख्या में नेवी के जवानों और युद्धपोतों को तैनात किया है। इसके साथ ही चीन ने ताइवान के चारों ओर की समुद्री सीमा में दो सैन्य युद्धाभ्यास भी किए। इसमें एक युद्धाभ्यास रूस के साथ किया। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भी ताइवान मुद्दे पर चीन का समर्थन करते हुए कहा कि ताइवान को लेकर रूस हमेशा से चीन का समर्थन करता आया है, ये आगे भी जारी रहेगा। लावरोव ने अमेरिका पर भी आरोप लगाया कि वह ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ाकर नया तनाव पैदा कर रहा है। अभी तक अमेरिका ताइवान की मदद करता आ रहा है लेकिन अब वहां नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आ रहे हैं, जो अपना रुख बदलते रहते हैं। जिनपिंग चाहते हैं कि अब ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद ताइवान को मदद न मिले। शी जिनपिंग ने इस बयान के जरिए ताइवान और उसकी आजादी के समर्थक देशों को चेतावनी दी है कि ताइवान के मुद्दे पर कोई बीच में न आए। इसके अलावा ताइवान अब चीन के लिए राष्ट्रवाद का मुद्दा बन चुका है और चीन ने 2027 तक ताइवान पर कब्जा करने की योजना बनाई है। चीन के पास ताइवान से 12 गुना एक्टिव सैनिक हैं। इसलिए ताइवान पर कब्जा करना चीन के लिए मुश्किल नहीं है लेकिन चीन अपनी स्थिति समझता है और वैश्विक स्तर पर उसे अपना मुकाम पता है। इसलिए चीन युद्ध जैसे हालात नहीं चाहता।

कुछ अलग

अंबेडकर और कांग्रेस

कांग्रेस और अंबेडकर का वैचारिक स्तर पर आपस में क्या संबंध है, इसको लेकर पिछले कुछ दिनों से चर्चा तेज होती जा रही है। दरअसल कुछ दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने कहा था कि कुछ लोग दिन-रात अंबेडकर की माला जपते रहते हैं, यदि वे उतनी माला अपने इष्ट देव की जपते तो शायद तर जाते। तर जाते यानी उनकी वह इच्छा पूरी हो जाती जिसके लिए वह माला जप रहे हैं। भारतीय राजनीति को गहराई से देखने वाले यह समझ ही सकते हैं कि आजकल अंबेडकर की माला जपने में सबसे आगे कांग्रेस पार्टी और आम आदमी पार्टी ही है। लेकिन दोनों का ही अंबेडकर के चिंतन से कुछ लेना-देना नहीं है। सबसे पहले कांग्रेस की ही बात की जाए। जिन दिनों अंग्रेजों की सरकार थी और कांग्रेस आजादी के लिए लड़ रही थी तो अंबेडकर ने कांग्रेस का व्यावहारिक व सैद्धांतिक रूप से अध्ययन करने के बाद कहा था कि मुझे लग रहा है कि कांग्रेस केवल सत्ता प्राप्ति के लिए लड़ रही है। आज एक शताब्दी से भी ज्यादा समय निकल जाने के बाद कांग्रेस किसी वैचारिक अनुष्ठान के लिए नहीं, बल्कि महज सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष करती प्रतीत हो रही है। लेकिन क्या इसे संयोग कहा जाए कि इसके लिए वह उसी अंबेडकर की माला जप रही है, जिसे उसने कभी अंग्रेजों का एजेंट तक कहा था। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पंडित जवाहर लाल नेहरु, जिनके साथ आज का सोनिया गांधी परिवार प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपना संबंध जोड़ रहा है, ने 26 जनवरी 1946 को राजकुमारी अमृत कौर को एक पत्र में लिखा था कि अंबेडकर तो ब्रिटिश सरकार का आदमी था। नेहरु का बस चलता तो शायद अंबेडकर संविधान सभा के सदस्य भी न हो पाते। यह तो पश्चिमी बंगाल के कुछ लोगों का प्रयास था कि अंबेडकर संविधान सभा में पहुंच पाए। सभी जानते हैं कि नेहरु किसी यूरोप के गोरे को भारतीय संविधान लिखने का 'महान दायित्व' देने वाले थे। महात्मा गांधी जी की दखलअंदाजी से अंबेडकर को प्रारूप समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। लोकसभा के पहले चुनाव से पूर्व जो मंत्रिमंडल नेहरु के नेतृत्व में बना था, उसका कारण कांग्रेस की सदाशयता नहीं थी, बल्कि लोकसभा के गठन से पूर्व किसी एक पार्टी का मंत्रिमंडल नहीं होना चाहिए, बल्कि राष्ट्रीय मंत्रिमंडल होना चाहिए, यह सैद्धांतिक निर्णय था। इस मंत्रिमंडल में हिंदु महासभा के अध्यक्ष डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अकाली दल के बलदेव सिंह भी थे। कांग्रेस का सारा जोर इनको किस तरह से मंत्रिमंडल से निकाला जाए, इन षड्यंत्रों में लगा रहता था। कांग्रेस ने अंबेडकर को अपमानित करने में हर तरीका इस्तेमाल किया। अंबेडकर ने नेहरु के व्यवहार एवं समाज विरोधी नीतियों के चलते उनके मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया था, यह भारतीय इतिहास का सामान्य छात्र भी जानता है। लेकिन पंडित नेहरु इसकी सूचना हजारों मील दूर लंदन में लार्ड माऊंटबेटन की पत्नी को एक लंबी चि_ी में लिखते हुए बताते हैं कि मैंने उसे अपने मंत्रिमंडल से निकाल दिया है। कांग्रेस इतना तो जानती है कि 'त्यागपत्र देने' और 'निकालने' में बहुत फर्क होता है। लेकिन इससे एक प्रश्न और पैदा होता है कि नेहरु देश की भीतरी राजनीति की खबरें माऊंटबेटन की पत्नी को क्यों दे रहे थे? अंग्रेजों के आदमी आखिर कौन थे? अंबेडकर ने संस्कृत गंथों का गहन अध्ययन कर हिंदु कोड बिल तैयार किया था। उसको लेकर बहुत विवाद हुआ था। अंबेडकर का कहना था कि इन चार बिलों के सभी प्रावधान भारत के प्राचीन ग्रंथों में से ही लिए गए हैं। वे उन ग्रंथों के उद्धरण भी बता रहे थे। वैचारिक स्तर पर कांग्रेस भी हिंदु कोड बिल से सहमत थी।

देश दुनिया से

मंडी के पड्डल मैदान को बर्बाद मत करो

केंद्रीय खेल मंत्रालय अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के साथ मिलकर हर साल करोड़ों रुपए नए खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर हकीकत में इस धन राशि की खूब बंदरबांट होती है। कहीं पर भी पूरी तरह से खेल मैदान तैयार नहीं हुआ है और जो था, वह भी बर्बाद कर दिया गया। अब मंडी के खूबसूरत पड्डल मैदान में इंडोर स्टेडियम बनाने के लिए सदर के विधायक अनिल शर्मा कह रहे हैं। पड्डल मंडी शहर के सभी शिक्षा संस्थानों के खेल मैदान का दायित्व तो अकेला निभाता ही है, साथ में पूरे शहर के लिए सवेरे की सैर को भी पूर्ण करता है। मंडी के तत्कालीन शासकों ने इसे अपनी सेना की परेड व शिवरात्रि उत्सव के लिए भी बनाया था जो आज भी हर वर्ष जारी है। पड्डल हर दिन सैंकड़ों विद्यार्थियों व अन्य नागरिकों की फिटनेस को कवर करता है। जब यहां कंक्रीट का इंडोर बना देंगे तो वहां अंदर कितने लोग आ पाएंगे? विधायक जी आप इसके लिए और जगह देखें, वहां इंडोर स्टेडियम बनाएं जिसके साथ आपका नाम सकारात्मक व आदर से जुड़े। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सबके लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के

शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बनाकर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया जा रहा है। हिमाचल में ऐसे बहुत क्षेत्र हैं जहां वालीबॉल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-शाम अपने अभिभावकों के साथ कृषि कार्य में हाथ बंटाता था, फिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद है, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है। नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रह कर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलम के माध्यम से सरकार व अभिभावकों को बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढने के लिए कमरे तो हैं, मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे, तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बनाकर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है कि हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी अगामी पीढियां हमें कभी माफ नहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है। इसलिए, उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहां विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिए, वहीं पर प्ले फील्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड का रखरखाव भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए, उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ मैदान चंबा, मंडी, अमतर, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहड़ू, सराहन, सोलन, चैल व नाहन में थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों व उत्सवों से बचे समय में होती रही हैं। सुजानपुर व जयसिंहपुर के बड़े मैदानों पर तो पहले ही बहुत अतिक्रमण हो चुका है। अब मंडी के पड्डल मैदान में तो इंडोर बना कर उसे बर्बाद करने की कसरत शुरू हो गई है। सरकाघाट महाविद्यालय का खेल मैदान अभी तक भी कृषि विभाग का खेत ही नजर आता है। भवन निर्माण उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण कहीं भी बन सकता है, तो फिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद किया जा रहा है। हर शिक्षा संस्थान को अपना खेल मैदान चाहिए, जहां सब विद्यार्थियों की फिटनेस हो सके। अगर शिक्षा संस्थान परिसर में मैदान ही नहीं होगा, तो फिर पहाड़ की संतान को स्वास्थ्य व खेल क्षेत्र में पिछडने का दंश झेलना ही पड़ेगा। इसलिए खेल मैदानों की बर्बादी को अभी से रोकना होगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे।

आप का नजरिया

पर्यटन में हारते गोवा से सीखें

वर्षान्त पर्यटन की मंजिल पर नए साल के हस्ताक्षर और रोमांच के उन्माद तक पहुंचा सैलाब कुछ हर्षित रहा और कुछ चिंताएं दे गया। क्या सेलिब्रेशन का यह उत्साह हमारी उम्मीदें भर गया या जो भीड़ हमने जश्न में उतरी देखी, वह हिमाचली पर्यटन की तकदीर है या नजीर बन गई। हिमाचल कहने को क्रिसमस से नए साल तक इस कद्र चला कि वाहनों के काफिलों ने सडक़ों की चौड़ाई, पर्वत की सफाई और पार्किंग की मुंह दिखाई कमजोर कर दी। क्या ये सारे वाहन और वाहन सवार पर्यटक मान लिए जाएं या इस चढ़ाव के उतार की चेतावनी को पहचानें। यह इसलिए कि हमारे सामने गोवा का उदाहरण है, जहां पर्यटन की अति ने अब ऐसा सबक दिया कि पर्यटक मुंह मोडऩे लगे हैं। पिछले कुछ सालों से जिन वजहों से पर्यटक घटे हैं, वे हिमाचल में भी रेखांकित होने लगे हैं। गोवा में पर्यटन की अति ने इसका चरित्र इतना बिगाड़ दिया कि सैलानी शांति और प्रकृति से रू-ब-रू होने के बजाय, बिगड़ते समाज की मेहमाननवाजी से भी डरने लगे। कमोबेश यह परिदृश्य अब हिमाचल के हर पर्यटन डेस्टिनेशन में उभरने लगा है, जहां पिछले दो दशकों में हमने अपनी दृश्यावलियों को कंक्रीट में बदल दिया। कालका से शिमला तक, पठानकोट से मंडी और भुंतर से मनाली तक हमारे पास कितनी प्रकृति बची, कितनी प्रवृत्ति बची। इतना ही नहीं हमने चर्चित पर्यटक स्थलों की कैरिंग कैपस्टी से कहीं अधिक बोझ उठाते हुए मनाली के पास कई मनाली, मकलोडगंज के पास कई मकलोडगंज और शिमला के पास कई शिमला बनाते-बनाते होटल इंडस्ट्री के ताबूत खड़े कर दिए हैं। इतना ही नहीं, पर्यटक स्थलों के बेतरतीब शहरीकरण ने हिल स्टेशन के चरित्र का बेहद नुकसान ही नहीं किया, बल्कि इसकी सौम्यता छीन ली। हैरानी यह कि हिमाचल अपने होटल उद्योग के लिए पर्यटन को गुम कर रहा है और पर्यटन व्यवसाय के लिए स्थानीय समाज की विनम्रता को भी नष्ट कर रहा है। पर्यटन को सीजन मान कर हमने सामाजिक व्यवहार को तत्कालिक लाभ का किरदार बना दिया। आज जो असली, क्षमतावान या प्रभावशाली पर्यटक है, वह विदेश की फ्लाइट पकड़ रहा है। यह इसलिए कि पर्यटक सीजन की बढ़ती मारा मारी ने सैलानियों का सुकून ही नहीं 'एकांत' भी छीन लिया। इतना ही नहीं नई मंजिलें, नई राहों का नजारा बीड़-बिलिंग जैसे कस्बों को विकसित होने से पूर्व ही अति दोहन के कारण बूढ़ा बना चुका है। बीड़ से बिलिंग, मनाली से अटल टनल, धर्मशाला से मकलोडगंज या बनीखेत से डलहौजी के ट्रैफिक जाम की कहानी में पर्यटन का स्वरूप वीभत्स लगता है। बेशक कश्मीर समस्या ने हिमाचल को पर्यटन के रास्ते पर खड़ा कर दिया, लेकिन क्या हम कश्मीर, उत्तराखंड या राजस्थान पर्यटन का पर्याय बन पाए। कोशिश करें, तो भाखड़ा बांध के साथ कोटधार या साथ लगते ऊना के क्षेत्रों को गोवा की तर्ज पर विकसित कर देते। अगर गोवा के प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है, तो हम हिमाचल में कब तक अटल टनल से हजारों वाहन गुजार कर लाहुल घाटी को बचा लेंगे।

राष्ट्रपति जरदारी, नवाज शरीफ और इमरान खान की मुलाकात संभव

इस्लामाबाद, 03 जनवरी (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख नवाज शरीफ और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान एक साथ बैठक कर सकते हैं। ऐसे संकेत पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता राजा परवेज अशरफ ने दिए हैं। खबर के अनुसार, पीपीपी नेता अशरफ ने कहा कि जरदारी, नवाज शरीफ और इमरान खान मुद्दों को सुलझाना चाहते हैं। वक्त आने पर तीनों एक साथ बैठक कर सकते हैं। अशरफ ने गुरुवार को पीटीआई वार्ता समिति से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में यह संकेत दिए। उन्होंने कहा कि समिति का रुख सकारात्मक है। समिति और हुकूमत के बीच बातचीत अच्छे माहौल में हो रही है। उन्होंने खुलासा किया कि पीटीआई ने अभी तक औपचारिक रूप से अपनी मांगें पेश नहीं की हैं, लेकिन उसने कार्यकर्ताओं की रिहाई और नौ मई और 26 नवंबर की घटनाओं की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग के गठन की मांग की है। उन्होंने कहा कि पीटीआई प्रतिनिधियों ने भी अपने नेतृत्व से परामर्श करने के लिए समय मांगा है। अशरफ ने कहा कि मुल्क को मौजूदा राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक चुनौतियों से उबरने के लिए आम सहमति की आवश्यकता है। स्थिरता के लिए बातचीत जरूरी है। उल्लेखनीय है कि हुकूमत और पूर्व सत्तारूढ़ दल पीटीआई ने गुरुवार को दूसरे दौर की बातचीत की। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष अयाज सादिक ने कहा कि बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

न्यूज ब्रीफ

रेड क्रॉस ने गाजा में तत्काल सहायता पहुंचाने का किया आह्वान

जिनेवा। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज (आईएफआरसी) ने गाजा में हाइपोथर्मिया की वजह से शिशुओं की हुई मौतों को लेकर तत्काल वहां सहायता पहुंचाने का आह्वान किया है। नवजात शिशुओं और शिशुओं की हाइपोथर्मिया से संबंधित मौतों की रिपोर्टों के बीच इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज के प्रमुख ने गाजा में तत्काल मानवीय पहुंच के लिए दबाव डाला। आईएफआरसी के महासचिव एक्स पर पोस्ट कर कहा, गाजा में हाइपोथर्मिया से बच्चों के मरने की संयुक्त राष्ट्र की हालिया रिपोर्टें वहां मानवीय संकट की गंभीर गंभीरता को रेखांकित करती है। मैं मानवतावादियों को सुरक्षित और निर्बाध पहुंच प्रदान करने के लिए तत्काल अपना आह्वान दोहराता हूं ताकि उन्हें जीवन रक्षक सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षित पहुंच के बिना - बच्चे ठंड से ठिठुर कर मर जायेंगे। सुरक्षित पहुंच के बिना - परिवार भूखे मर जायेंगे। सुरक्षित पहुंच के बिना - मानवीय कार्यकर्ता जान नहीं बचा सकते। आईएफआरसी ने दोहराया कि नागरिकों की जान बचाने के लिए सभी कदम उठाए जाने चाहिए और यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उन्हें भोजन, पानी और चिकित्सा देखभाल सहित जीवन की बुनियादी जरूरतें मिल सकें।

पत्नी को टीवी देखते हुए छोड़ा थोड़ी ही देर में हुई गायब

एडिन। यहां की एक बुजुर्ग महिला के रहस्यमय तरीके से गायब होने के मामले ने सबको हैरान कर दिया था। दरअसल, उसके पति ने कुछ समय के लिए उसे अकेला छोड़ा, जिसके तुरंत बाद महिला बिना किसी सुराग के लापता हो गई। हालांकि, अब दो साल बाद यह गुत्थी सुलझ गई है और वो भी गूगल मैप्स की मदद से। मार्सेल टेरेट अपनी 83 वर्षीय पत्नी पॉलिट लैंड्रिएक्स जो अल्जाइमर रोग से पीड़ित थीं, के इकलौते केयरटेकर थे। पॉडकास्टर मिस्टर बैलन ने हाल ही में एक वीडियो में बताया कि यह मार्सेल के लिए एक फुलटाइम जॉब था। उन्होंने कहा, पॉलिट को समय पर खाना याद दिलाना या दवाइयां लेने के लिए याद दिलाना पड़ता था। कभी-कभी वह बिना बताए इधर-उधर भटक जाती थीं और मार्सेल को उन्हें ढूंढकर वापस घर लाना पड़ता था। 2 नवंबर 2020 को, मार्सेल ने पॉलिट को कुछ मिनटों के लिए अकेला छोड़ दिया ताकि वह अपने कपड़े सुखाने की लाइन पर टांग सके। यह आखिरी बार था जब उसने अपनी पत्नी को जीवित देखा। अपना काम करने से पहले, मार्सेल ने अपनी पत्नी को टीवी के सामने एक अच्छा लंच देकर बिठा दिया था। उसने सोचा था कि जब वह वापस आएगा तो उसकी पत्नी अपने पसंदीदा शो को खुशी-खुशी देख रही होंगी, लेकिन उसकी हैरानी की बात यह थी कि वह वहां नहीं थीं। भय से कांपते हुए, मार्सेल कमरे-से-कमरे अपनी पत्नी को ढूंढते रहे। बैलेन ने याद करते हुए कहा, मार्सेल पत्नी को खोजते हुए घर के बाहर गए, लेकिन वह वहां नहीं थीं। उन्होंने कुछ पड़ोसियों के दरवाजे भी खटखटाए, लेकिन किसी ने उन्हें नहीं देखा था। इसके बाद घबराकर उन्होंने पुलिस को फोन किया और एक घंटे से भी कम समय में, राहत की सांस ली जब उन्होंने बेल्जियम के एंडेन में अपने घर के ऊपर एक सर्च एंड रेस्क्यू हेलीकॉप्टर को मंडराते देखा। मार्सेल को यकीन था कि किसी न किसी तरह, वह जल्द ही पता लगा लेंगे कि उनकी पत्नी के साथ क्या हुआ। लेकिन रात हो गई, और पॉलिट का कोई पता नहीं चला। बैलेन ने बताया, अगले कुछ दिनों और हफ्तों में भी पॉलिट नहीं मिली। किसी को भी नहीं पता था कि वह कहां हैं, और हफ्ते महीनों में बदल गए और फिर महीनों ने दो साल पूरे कर दिए, लेकिन किसी ने पॉलिट को नहीं देखा।

बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष ने खालिदा जिया से मुलाकात की

ढाका। बांग्लादेश के सेनाध्यक्ष जनरल वेकर-उज-जमान ने रात को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया से मुलाकात की। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य सायरुल कबीर खान ने कहा, सेना प्रमुख अपनी पत्नी के साथ बीती रात करीब साढ़े आठ बजे बीएनपी प्रमुख के गुलशन निवास फिरोजा पहुंचे। खबर के अनुसार खालिदा जिया के सुरक्षा मामलों के सलाहकार मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) फजले इलाही अकबर ने सेना प्रमुख और उनकी पत्नी का स्वागत किया। सायरुल ने कहा कि 40 मिनट की शिष्टाचार मुलाकात के दौरान चर्चा मुख्य रूप से पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वास्थ्य के इर्द-गिर्द घूमती रही। उन्होंने कहा कि सेना प्रमुख ने खालिदा का हालचाल पूछा और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

अमेरिका के फुलर्टन शहर में विमान गोदाम से टकराया, दो की मौत, 18 झुलसे

वाशिंगटन, 03 जनवरी (एजेंसियां) ।

दक्षिणी कैलिफोर्निया के फुलर्टन शहर में गुरुवार को हुए विमान हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम 18 झुलस गए। बताया गया कि एक छोटा विमान व्यावसायिक गोदाम की छत से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दौरान आग लग गई। गोदाम से 100 लोगों को सुरक्षित निकालकर बचा लिया गया।

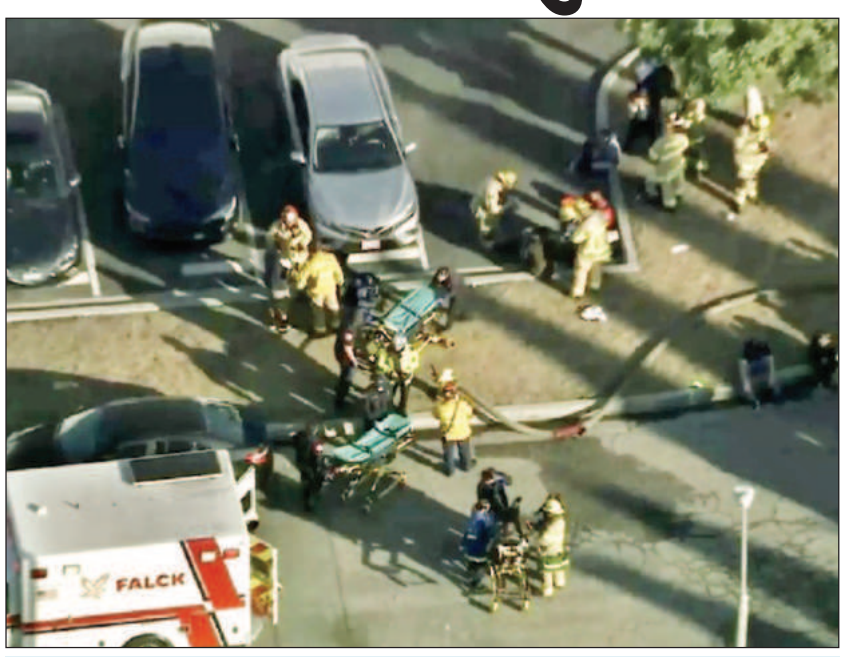

फुलर्टन पुलिस के प्रवक्ता क्रिस्टी वेल्स ने बताया कि पुलिस को गुरुवार दोपहर 2:09 बजे ऑरेंज काउंटी के फुलर्टन शहर में हुए विमान हादसे की सूचना मिली। दमकलकर्मियों और पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर बुझाई और आसपास के भवनों को खाली कराया। आग ने एक गोदाम को नुकसान पहुंचाया। गोदाम में सिलाई मशीनें और कपड़े का स्टॉक रखा हुआ था। यह हादसा फुलर्टन म्यूनिसिपल हवाई अड्डे से लगभग आधा मील दूर हुआ। झुलसे लोगों के इलाज के लिए पास में ही व्यवस्था की गई। दुर्घटनाग्रस्त विमान की पहचान एकल इंजन वैन के आरवी-10 के रूप में की गई है।

फ्लाइट ट्रैकर फ्लाइट अवेयर के डेटा से पता चला कि यह विमान दोपहर 2:07 बजे छोटे हवाई अड्डे से निकल रहा था। हवाई यातायात नियंत्रण टॉवर से प्राप्त ऑडियो के अनुसार विमान ने फुलर्टन हवाई अड्डे से उड़ान भरी ही थी कि पायलट ने घोषणा की कि तत्काल लैंडिंग की आवश्यकता है।

ऑडियो में, पायलट शुरू में कहता है कि वह रन-वे 6 पर उतरने जा रहा है। इस कारण हवाई यातायात नियंत्रक को दूसरे विमान को उस क्षेत्र से दूर जाने के लिए कहना पड़ा। इसके बाद हवाई यातायात नियंत्रक पायलट को बताता है कि लैंडिंग के लिए रन-वे 6 या 24 में से कोई एक खाली है।

फिर पायलट कहता है कि वह रन-वे 24 पर उतरने जा रहा है। एक मिनट से भी कम समय के बाद पायलट कहता है ओह माय गॉड। इसके बाद उसकी आवाज शांत हो जाती है। यह विमान हंटिंगटन बीच निवासी के नाम पर पंजीकृत है। यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि दुर्घटना के समय वह विमान में थे या नहीं। फुलर्टन के मेयर फ्रेड जंग का कहना है कि दुर्घटना के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है।

अमेरिका में आतंक मचाने वाले शमशुद्दीन की थी 1 करोड़ सैलरी, फिर भी था तंगहाल

वॉशिंगटन । न्यू ऑरलियंस में मासूमों का खून बहाने वाले शमशुद्दीन जब्बार की सालाना कमाई ठीक-ठाक थी। वह डेलॉइट कंपनी में काम करता था। उसकी सैलरी सालाना 125000 डॉलर (1 करोड़ रुपये से ज्यादा) थी। कंपनी की ओर से जुलाई 2022 में जारी चेक से उसकी सालाना इनकम के बारे में जानकारी मिली है। एक सम्मानजनक जीवन जीने के लिए यह रकम काफी थी। इसके बावजूद शमशुद्दीन जब्बार संकटों से घिरा रहता था। बता दें कि न्यू ऑरलियंस में जब लोग मस्ती में झूम रहे थे, तब शमशुद्दीन काल बनकर आया और भीड़ पर तेज रफ्तार ट्रक चढ़ाकर 15 लोगों को मौत की नींद सुला दी। इस हमले में कई अन्य घायल हो गए। शमशुद्दीन जब्बार एंटरप्रोन्योर टाइप का इंसान था, लेकिन कट्टरपंथियों के फेर में फंसने के बाद आतंकवाद की राह पर चल दिया। जानकारी के अनुसार, पहली शादी से उसके दो बच्चे थे, जिनके लालन-पालन की जिम्मेवारी उसी पर थी। शमशुद्दीन ने ब्लू मिडो प्रॉपर्टीज के नाम से एक कंपनी खोली थी, जो आर्थिक संकट से गुजर रही थी। शमशुद्दीन की हालत ऐसी हो गई थी कि उसपर क्रेडिट कार्ड का 40,000 अमेरिकी डॉलर (34.32 लाख रुपये) का कर्ज हो गया था। उसका खर्च इनकम से कहीं ज्यादा हो चुकी थी। बच्चों की देखभाल भी मुश्किल हो चुका था। आखिरकार उसने बर्बादी और तबाही का रास्ता चुना।

चीन में फिर शुरु हुई कोरोना जैसी तबाही, रहस्यमयी वायरस ने मचा दी उथल पुथल

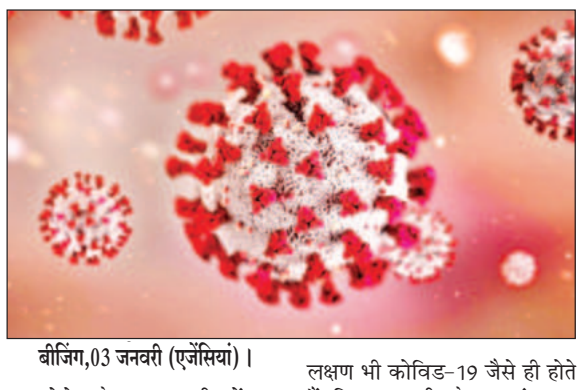

बीजिंग,03 जनवरी (एजेंसियां) ।

कोरोना के बाद अब चीन में एक और वायरस ने तबाही मचा दी है। यहां अस्पतालों में जमकर भीड़ हो रही है और श्मशान घाटों पर लंबी कतारें लगी हुई हैं। जी हां, चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप फैलता जा रहा है। इसकी वजह से चीन में फिर से कोरोना जैसा नजारा दिख रहा है। अस्पतालों में मरीजों की भीड़ है। श्मशान घाट भी भर चुके हैं।

चीन का यह सच सोशल मीडिया पर अब आग की तरफ फैल रहा है। कई रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स में दावा है कि यह नया वायरस एचएमपीवी तेजी से फैल रहा है। चीन पर नजर रखने वाले कुछ लोगों का तो यह भी दावा है कि अस्पताल और श्मशान घाट भी अब भर चुके हैं। लोग इस वायरस की चपेट में तेजी से आ रहे हैं। ऑनलाइन शेयर किए गए वीडियो में अस्पतालों में भीड़ दिखाई दे रही है। कुछ यूजर्स का कहना है कि चीन में एचएमपीवी, इन्फ्लूएंजा ए, माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया और कोविड-19 समेत कई वायरस एक साथ फैल रहे हैं। चीन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। हालांकि, अब भी इस वायरस को लेकर बहुत कुछ सही से बता नहीं रहा।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन अभी ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से पूरी तरह तबाह है। एचएमपीवी में फ्लू जैसे लक्षण दिखते हैं। इसके लक्षण भी कोविड-19 जैसे ही होते हैं। फिलहाल, चीन के हाथ पांव फुल चुके हैं। उसके स्वास्थ्य महकमे को कुछ समझ नहीं आ रहा कि क्या हो रहा। इसलिए, स्वास्थ्य अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं।

एक रिपोर्ट की मानें तो चीन के रोग नियंत्रण प्राधिकरण ने शुक्रवार को कहा कि वह अज्ञात तरीके के निमोनिया के लिए एक निगरानी प्रणाली चला रहा है। सर्दियों में सांस संबंधी रोगों के मामले बढ़ने की आशंका है। एक खास सिस्टम स्थापित करने का मकसद अधिकारियों को अज्ञात रोगजनकों से निपटने के लिए प्रोटोकॉल स्थापित करने में मदद करना है। पांच साल पहले जब कोविड-19 का कारण बनने वाला कोरोना वायरस पहली बार सामने आया था, तब यह तैयारी बहुत कम थी।

दरअसल, ह्यूमन मेटापन्यूमोवायरस एक आरएनए वायरस है। यह न्युमोवायरिडे परिवार के मेटापन्यूमोवायरस क्लास से जुड़ा है। इसे सबसे पहले 2001 में डच शोधकर्ताओं ने खोजा था। यह वायरस तब सामने आया था रिसर्चर जब श्वसन संक्रमण यानी सांस संबंधी बीमारी से पीड़ित बच्चों के नमूनों का अध्ययन कर रहे थे। अध्ययनों से पता चला है कि यह वायरस कम से कम छह दशकों से मौजूद है। यह एक सामान्य श्वसन रोगजनक के रूप में पूरी दुनिया में फैल गया है।

पिरामिड देखने पहुंचे पर्यटक

मिस्र में एक पर्यटक गिजा पिरामिड देखने के लिए पहुंचा।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल के आवास पर पुलिस बल के पहुंचे जांच अधिकारी

सियोल,03 जनवरी (एजेंसियां) ।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल के आधिकारिक आवास पर शुक्रवार सुबह जांच अधिकारियों का बड़ा दल पुलिस बल के साथ पहुंच गया। इस दौरान जांच दल को राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के अधिकारियों के विरोध का सामना करना पड़ा। फिलहाल जांच दल राष्ट्रपति के आवास पर ही है। अगर येओल आवास पर होंगे तो उन्हें हिरासत में लिया जा सकता है।

जांच दल में शामिल अधिकारी राष्ट्रपति येओल के निवास भवन तक पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। हालांकि जांच दल को राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के विरोध का सामना करना पड़ा। जांच दल ने अदालत का वारंट प्रस्तुत किया। राष्ट्रपति के सुरक्षा कार्यालय प्रमुख ने तलाशी की अनुमति देने से इनकार कर दिया। जांच दल में भ्रष्टाचार जांच कार्यालय और पुलिस के लगभग 50 अधिकारी शामिल हैं।

यह लोग सुबह लगभग 8: 03 बजे राष्ट्रपति निवास परिसर में दाखिल हुए।

जांच दल शुक्रवार को यून को हिरासत में लेने में कामयाब होता है, तो उन्हें पूछताछ के लिए 48 घंटे का समय मिलेगा। इसके बाद अगर दल उन्हें गिरफ्तार करता है तो इसकी अनुमति कोर्ट से लेनी होगी। अदालत के नए वारंट जारी करने पर ही येओल की गिरफ्तारी संभव हो पाएगी।

नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति भंडारी और उपराष्ट्रपति किशोर पुनः दलगत राजनीति में सक्रिय

काठमांडू, 03 जनवरी (एजेंसियां) ।

आम तौर पर संवैधानिक भूमिका में रहे राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद पर पहुंचने वाला व्यक्ति पद से हटने के बाद दलगत राजनीति में सक्रिय नहीं होता है। संविधान द्वारा प्रदत्त इस पद की गरिमा का मान रखते हुए जो भी व्यक्ति देश के इन दो सर्वोच्च पदों पर पहुंचता है तो वह अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सक्रिय राजनीति से अघोषित संन्यास ले लेता है।

लेकिन नेपाल में यह विषय अपवाद का बन गया है। देश का संविधान जारी होने के बाद पहली बार राष्ट्रपति चुनी गईं विद्या भण्डारी और उपराष्ट्रपति नन्द किशोर दोनों ही पुनः

एक साथ दलगत राजनीति में सक्रिय होते दिखाई दे रहे हैं । इस पद आने से पहले भंडारी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की उपाध्यक्ष थीं वहीं किशोर माओवादी पार्टी के केंद्रीय सदस्य थे।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद ये दोनों ही पिछले कुछ दिनों से सक्रिय राजनीति में आने का संकेत दे रहे हैं। गुरुवार को हुई माओवादी केंद्रीय सचिवालय की बैठक में शामिल नन्द किशोर पुनः को पार्टी का उपाध्यक्ष बनाए जाने की तैयारी है। माओवादी पार्टी के महासचिव देव गुरूंग ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष प्रचण्ड ने सचिवालय बैठक में पूर्व उपराष्ट्रपति पुनः को उपाध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा है।

उधर पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी ने भी अलग-अलग मीडिया को दिए साक्षात्कार में खुद के दलगत राजनीति में सक्रिय होने का संदेश दे दिया है। उनका तर्क है कि नेपाल के संविधान में कहीं भी ऐसा नहीं लिखा है कि जो व्यक्ति राष्ट्रपति के पर पर पहुंच गया हो वह पुनः सक्रिय राजनीति में नहीं आ सकता है।

यह महज संयोग ही है कि जिस दिन पूर्व उपराष्ट्रपति माओवादी की पार्टी बैठक में सहभागी हुए उसी दिन यानि गुरुवार को ही पार्टी सचिवालय की बैठक के तुरंत बाद प्रधानमंत्री समेत रहे एमाले पार्टी के अध्यक्ष सीधे विद्या भण्डारी के निवास पहुंच कर उनसे ढाई घंटे तक चर्चा की थी। भंडारी को फिर से राजनीति में सक्रिय करने और आने वाले पार्टी महाधिवेशन से उनको अध्यक्ष बनाने के लिए एक बड़ा समूह लगा हुआ है।

एमाले के नेता गोकुल बास्कोटा ने कहा कि विद्या भंडारी पहले भी पार्टी उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुकी है अगर आने वाले महाधिवेशन से उनको पार्टी का अध्यक्ष बनाया जाता है तो निश्चित ही पार्टी और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी। उनका तर्क है कि केपी ओली के बाद पूरी पार्टी में एक वो ही ऐसी नेता हैं जो सर्वसम्मति से नेतृत्व से सकती हैं।

उन्होंने यह भी दावा किया कि यदि विद्या भंडारी को पार्टी का कमान सौंपा जाता है तो पिछले पांच वर्ष में जितने भी बड़े-बड़े नेता पार्टी छोड़ कर गए हैं वो सब वापस पार्टी में वापस आ सकते हैं और उनके नेतृत्व में नेपाल के सभी कम्युनिष्ट दलों को फिर से एक किया जा सकता है।

स्विएटेक ने पोलैंड को यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचाया

सिडनी, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्विएटेक ने तीन सेटों तक चले महिला एकल मैच में केटी बौल्टर को हराकर जीत दर्ज की, जिससे पोलैंड ने गुरुवार को ब्रिटेन को हराकर मिश्रित टीम यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

पोलैंड का सामना अब शनिवार को कजाकिस्तान से होगा, जिसमें स्विएटेक और 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है।

स्विएटेक ने सिडनी में केन रोज़वेल एरिना में लगभग तीन घंटे तक चले मुकाबले में जीत हासिल की और 24वें स्थान पर रहीं बौल्टर के खिलाफ दर्द से उबरते हुए पोलैंड की क्वार्टरफाइनल जीत सुनिश्चित की।

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्विएटेक ने 6-7 (4), 6-1, 6-4 से जीत हासिल करने के बाद अपना रैकेट फेंका और खुशी में अपने दोनों हाथ ऊपर उठाए। प्रतिबंधित पदार्थ ट्राइमेटाज़िडिन के लिए सकारात्मक परीक्षण के बाद एक महीने के निलंबन से वापसी करने वाली स्विएटेक की यह लगातार तीसरी टूर्नामेंट जीत थी।

बौल्टर से अपने करियर की पहली मुलाकात में, स्विएटेक ने पहले सेट में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली, लेकिन बौल्टर ने हिम्मत नहीं हारी और बेसलाइन से स्विएटेक की जबरदस्त ताकत का मुकाबला किया।

बौल्टर ने टाईब्रेक में 74 मिनट का शानदार ओपनिंग सेट जीता, लेकिन वह अपनी तीव्रता बरकरार नहीं रख सकीं, क्योंकि स्विएटेक ने निर्णायक सेट के लिए नियंत्रण हासिल कर लिया।

हालांकि, तीसरे सेट की शुरुआत में ही स्विएटेक की सर्विस टूट गई और उन्हें मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। वह अपने दाहिने पैर के ऊपरी हिस्से में पट्टियाँ बाँधकर लौटीं, लेकिन उनकी दृढ़ता सामने आई और उन्होंने आखिरकार बौल्टर की हिम्मत तोड़ दी।

इससे पहले, 16वीं रैंकिंग वाले ह्यूबर्ट हर्काज़ ने पुरुष एकल में बिली हैरिस पर 7-6 (3), 7-5 से जीत हासिल करके पोलैंड को शानदार शुरुआत दिलाई थी। भले ही वह अपने प्रतिद्वंद्वी से 109 स्थान ऊपर रैंक पर थे, लेकिन हर्काज़ के लिए चिंता का कारण यह था कि वह ग्रुप चरण में अपने दोनों एकल मैच हार गए थे। लेकिन 27 वर्षीय खिलाड़ी ने सर्विस पर दबदबा बनाए रखा और एक घंटे, 45 मिनट के मैच में दोनों सेटों में बड़े मौकों पर आगे बढ़कर जीत हासिल की।

पाक टीम जीतेगी चैंपियंस ट्रॉफी : शोएब अख्तर

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को भरोसा है कि अपनी मेजबानी में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी टीम खिताब जीतेगी। पाक में फरवरी-मार्च में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जा रहा है। ये टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल से खेला जाएगा और इसमें भारतीय टीम के सभी मैच दुबई में खेले जाएंगे।चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी से होगी। जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को होगा। इसमें भी शोएब को अपनी टीम के जीतने की उम्मीदें हैं। अख्तर ने कहा कि, मुझे पूरा भरोसा है कि पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। पाकिस्तान शीर्ष 4 में जगह जरूर बनाएगा। उन्होंने ये भी कहा कि वह चाहते हैं कि फखर जमान को टीम में शामिल किया जाये।

न्यूज ब्रीफ

केकेएफआई ने खो-खो विश्व कप 2025 के लिए किया ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण

नई दिल्ली। भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) ने शुक्रवार को जनपथ स्थित इंपीरियल होटल में 13 से

19 जनवरी, 2025 के बीच होने वाले पहले खो-खो विश्व कप के लिए प्रतिष्ठित ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में छह महाद्वीपों के 24 देशों की 21 पुरुष और 20 महिला टीमें भाग लेंगी। विश्व कप में दो शानदार ट्रॉफी (पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए एक नीली ट्रॉफी और महिलाओं के इवेंट के लिए एक हरी ट्रॉफी) होंगी। दोनों ट्रॉफियाँ अपने समकालीन डिज़ाइन के ज़रिए खो-खो की गतिशील भावना को दर्शाती हैं, जिसमें बहते हुए कर्व और सुनहरे रंग की आकृतियाँ उकेरी गई हैं। नीली ट्रॉफ़ी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफ़ी विकास और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों ही ट्रॉफ़ीज में जटिल क्रिस्टल डिटेलिंग है, जो प्रतियोगिता के उच्चतम स्तर पर अपेक्षित सटीकता और उत्कृष्टता का प्रतीक है। फ़ेडरेशन ने टूर्नामेंट के आधिकारिक मैस्कॉट के रूप में काम करने वाले हिरणों की एक गतिशील जोड़ी तेजस और तारा को भी गर्व से दुनिया के सामने पेश किया। ये मैस्कॉट गति, चपलता और टीम वर्क के खेल के मूल गुणों को दर्शाते हैं। तेजस, जो प्रतिभा और ऊर्जा का प्रतीक है और तारा, जो मार्गदर्शन और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करती है, को पारंपरिक भारतीय रूपांकनों से सजी जीवंत नीले और नारंगी रंग की खेल पोशाक में दर्शाया गया है, जो खेल की विरासत और इसके आधुनिक आकर्षण दोनों का जश्न मनाती है। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कह, हम अपने सभी स्टेकहोल्डर्स के बहुत आभारी हैं जो खो-खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन संस्करण का सपोर्ट करेंगे। विश्व कप को डिज्नी+ हॉटस्टार पर मुफ्त में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा और डीडी स्पोर्ट्स पर भी मुफ्त में प्रसारित किया जाएगा, और इससे भारत के स्वदेशी खेल को बहुत बढ़ावा मिलेगा। यह विश्व कप खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम है, और हमारे सभी भागीदारों की मदद से, हम दुनिया को खो-खो की खूबसूरती दिखाने की उम्मीद करते हैं। हमारे मैस्कॉट- तेजस और तारा खेल की गति, चपलता और टीम वर्क की मुख्य विशेषताओं का प्रतीक हैं। और ट्रॉफी - पुरुषों के टूर्नामेंट के लिए नीला और महिलाओं की ट्रॉफी के लिए हरा-एकता और सद्भाव का प्रतीक है, और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेगा। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव एम.एस. त्यागी ने कहा, यह विश्व कप खो-खो के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो हमारे स्वदेशी खेल को एक ग्लोबल इवेंट में बदल रहा है। 24 देशों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया खो-खो की सार्वभौमिक अपील और खेल के माध्यम से विविध संस्कृतियों को एकजुट करने की इसकी क्षमता को दर्शाती है। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और हमारे सम्मानित स्टेकहोल्डर्स के समर्थन के साथ, हमें एक ऐसा टूर्नामेंट आयोजित करने का भरोसा है जो खेल उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित करेगा और खो-खो को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक गतिशील, आधुनिक खेल के रूप में स्थापित करेगा। यह टूर्नामेंट इस स्वदेशी खेल के इतिहास में एक ऐतिहासिक आयोजन होगा। यह ग्लोबल टैलेंट्स को एक साथ लाएगा और विश्व मंच पर भारत की खेल विरासत को प्रदर्शित करेगा।

शान्तो ने बांग्लादेश की टी-20 कप्तानी छोड़ी

ढ़ाका। बांग्लादेश की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने अपना पद छोड़ दिया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) अध्यक्ष फारूक अहमद ने भी कहा है कि शान्तो ने पद छोड़ने की जानकारी उन्हें दी है। जिसे स्वीकार कर लिया गया। टी20ई से इस्तीफ के बाद भी शान्तो टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में बांग्लादेश की कप्तानी करते रहेंगे। अहमद ने कहा कि शांतो ने हमें जानकारी दी है। साथ ही कहा कि हम अभी नए कप्तान के बारे में नहीं सोचेंगे। शान्तो जब फिट होंगे तो वह टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान बने रहेंगे। टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद सभी प्रारूपों के कप्तान के रूप में शान्तो का कार्यकाल काफी उम्मीदों के साथ शुरू हुआ। हालांकि वह शुरुा से ही सभी प्रारूपों में कप्तानी नहीं करना चाहते थे। अक्टूबर 2024 में भी उनहोंने सभी प्रारुपों को संभालने को लेकर आपत्तियाँ व्यक्त की थीं पर तब बोर्ड ने उन्हें बने रहने के लिए मना लिया था। नवंबर में अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय मैच के दौरान चोट लगने के कारण शान्तो को वेस्टइंडीज दौरे से बाहर होना पड़ा। उनकी अनुपस्थिति के दौरान, कप्तानी की जिम्मेदारियां मेहदी हसन मिराज ने संभाली थीं। टी20 कप्तान के रूप में शान्तो को श्रीलंका और अमेरिका से द्विपक्षीय श्रृंखला हार का सामना करना पड़ा था। 2024 टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में बांग्लादेश बिना जीत के बाहर हो गई थी।

सिडनी टेस्ट पहला दिन : भारत ने पहली पारी में बनाए 185 रन, ऑस्ट्रेलिया ने 9 रन पर खोया 1 विकेट

सिडनी, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां खेले जा रहे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। पहले दिन भारत ने जहां अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए, वहीं, ऑस्ट्रेलिया की भी पहली पारी की शुरुआत खराब रही और ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिन का खेल खत्म होने पर केवल 9 रन पर 1 विकेट खो दिया है। सैम कोंस्टास 7 रन बनाकर नाबाद हैं, जबकि उस्मान ख्वाजा केवल 2 रन बनाकर बुमराह का शिकार बने।

पहली पारी में भारत के लिए ऋषभ पंत ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। पंत के अलावा रवींद्र जडेजा ने 26, कप्तान जसप्रीत बुमराह ने 22 और शुभमन गिल ने 20 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्कॉट बोलैंड ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए।

इस मैच में रोहित शर्मा की जगह कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही और 8वें ओवर तक दोनों सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (04) और यशस्वी जायसवाल (10) पवेलियन लौट गए। रोहुल को मिचेल स्टॉर्क और यशस्वी को स्टॉक बौलैंड ने पवेलियन भेजा। इसके बाद विराट कोहली और शुभमन गिल ने भारत का स्कोर 50 के पार पहुंचाया, हालांकि 57 के कुल स्कोर पर गिल 20 रन बनाकर नाथन लियोन का शिकार बने।

विराट कोहली बल्ले से एक बार फिर असफल रहे और 72 के कुल स्कोर पर केवल 17 रन बनाकर बोलैंड का दूसरा शिकार बने। यहां से पंत और जडेजा ने 44 रनों की साझेदारी कर भारत का स्कोर 120 रनों तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पंत को बोलैंड ने अपना तीसरा शिकार बनाया। पंत ने 40 रन बनाए। इसी ओवर की अगली गेंद पर बोलैंड ने नीतीश रेड्डी (00) को भी पवेलियन भेज मैच में अपना चौथा विकेट लिया। संभलकर खेल रहे जडेजा भी 134 के कुल स्कोर पर 26 रन बनाकर मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। 148 के स्कोर पर वाशइंगटन सुंदर 14 रन बनाकर कमिंस का शिकार बने। प्रसिद्ध कृष्णा (03) बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में स्टॉर्क की गेंद पर सैम कोंस्टास को कैच दे बैठे। आखिरी में जसप्रीत बुमराह ने कुछ अच्छे शॉट खेले और टीम का स्कोर 185 तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर पैट कमिंस ने बुमराह को आउट कर भारतीय पारी का अंत किया। बुमराह ने 22 रन बनाए। मोहम्मद सिराज 3 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टॉक बोलैंड ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने तीन, पैच कमिंस ने 2 और नाथन लियोन ने 1 विकेट लिया।

फीफा के दूसरे फ्रेंडली मैच में भारतीय महिला टीम ने मालदीव को 11-1 से हराया

बेंगलुरू, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम ने गुरुवार को दूसरे मैत्री मैच में मालदीव को 11-1 से हरा दिया है। पदार्पण में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फॉरवर्ड लिंगडेकिम ने चार गोल दागे, जिसकी बदौलत भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को खेले गए दूसरे फीफा मैत्री मैच में मालदीव को 11-1 के अंतर से हराया।

पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में खेले गए इस मैच में लिंगडेकिम ने (12वें, 16वें, 56वें और 59वें मिनट) प्रत्येक हाफ में दो दो गोल किये, जबकि मुकाबले में पदार्पण करने वाली एन. सिबानी देवी ने (45+1वें मिनट) भी एक गोल किया।

मैच में भारत की ओर से किए गए अन्य गोल में काजोल डिसूजा (15वें मिनट), पूजा (41वें मिनट), सिमरन गुरुंग (62वें और 68वें मिनट) और खुमुकचाम भूमिका देवी (71वें मिनट) ने भूमिका निभाई। मालदीव के लिए एकमात्र गोल मरियम रिफा ने 27वें मिनट में किया। जबकि मालदीव की कप्तान हवा हनीफा ने 17वें मिनट में एक आत्मघाती गोल किया, जिससे भारत की गोल संख्या में और इजाफा हुआ।

एटीपी हांगकांग ओपनः शीर्ष वरीयता प्राप्त रूबलेव दूसरे दौर में हारकर बाहर

हांगकांग। शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत चैंपियन रूस के आंद्रे रुबलेव गुरुवार को एटीपी हांगकांग ओपन के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गए हैं। रुबलेव को हंगरी के फैबियन मरोजसन से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी रुबलेव को विक्टोरिया पार्क में खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में 58वीं रैंकिंग के मरोजसन से 5-7, 6-3, 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह मैच एक घंटे और 58 मिनट तक चला। क्वार्टर फाइनल में मारोजसन का सामना चीन के शांग जुनचेंग से होगा। 19 वर्षीय शांग ने सातवें वरीय स्पेन के पेड्रो मार्टिनेज को 6-3, 6-1 से हराकर आसानी से अगले दौर में प्रवेश किया। दिन के अन्य मैचों में दूसरी वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेटी ने कनाडा के क्वालीफायर गेब्रियल डायलो पर जीत हासिल की, जबकि स्पेन के जाउम मुनार ने पांचवीं वरीयता प्राप्त पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को 6-3, 7-5 से हराया।

जंपिंग स्पर्धा

कुवैत में एक घुड़सवार अंतरराष्ट्रीय शो जंपिंग स्पर्धा में भाग लेते हुए।

भारत-पाक मैचों का इंतजार सभी को रहता है : वाटसन

चैम्पियंस ट्रॉफी से फार्म हासिल करेंगे रोहित, विराट

सिडनी, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है भारतीय टीम का चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाना निराशाजनक है पर इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा।

भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी। वाटसन ने यहां चैम्पियंस ट्रॉफी टूर के दौरान कहा, 'यह बदकिस्मती की बात है कि ऐसे हालात बने हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत-पाकिस्तान मैचों का सभी को इंतजार रहता है। जब भी वे एक दूसरे के खिलाफ खेलते हैं तो उन मुकाबलों में जबरदस्त रोमांच रहता है। भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जा रही है पर इसमें कोई कुछ नहीं कर सकता है।

वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है।

उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक बार होता है। यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है। । एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है। वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं , इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी अहम है। इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है। इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है। भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्मू में थे। अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं। वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा। दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे। कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं। । वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है। ।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा संस्करण आज से, लद्दाख करेगा मेजबानी

लेह, 03 जनवरी (एजेंसियां)।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा संस्करण 4 जनवरी, 2025 से 13 जनवरी, 2025 तक लेह के नवांग दोरजे स्टोबडान स्टेडियम में शुरु होगा। इस साल की लीग का उद्देश्य पहले संस्करण की सफलता को आगे बढ़ाना और एक बार फिर से पूरे क्षेत्र के स्थानीय प्रतिभाओं को एक साथ लाना है।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग 2025 में कुल 30 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 23 पुरुषों की श्रेणी और 10 महिलाओं की श्रेणी के होंगे। पुरुषों का टूर्नामेंट 10 टीमों को दो समूहों में विभाजित करके आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। महिलाओं का टूर्नामेंट भी राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित होगा, जिसमें तीन और दो टीमों के दो समूह होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 12 जनवरी (महिलाओं का फाइनल) और 13 जनवरी (पुरुषों का फाइनल) को खेले जाएंगे।

लोसार त्योहार के बाद आयोजित होने वाली यह लीग खिलाड़ियों को सर्दियों के महीनों में सक्रिय बनाए रखने के साथ-साथ सामुदायिक जुड़ाव का अनुभव प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। यह पहल रॉयल एनफील्ड के लद्दाख में सामाजिक मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और आइस हॉकी को क्षेत्रीय स्तर पर एक प्रमुख खेल के रूप में विकसित करना है।

इस लीग की तैयारी के तहत रॉयल एनफील्ड ने लद्दाख के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे द्रास, जांस्कर, नुब्रा, कारगिल, शकर चिखतन, लेह और चांगथांग में व्यापक प्रशिक्षण और स्काउटिंग शिविर आयोजित किए।

खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए कोचों ने दिसंबर 2024 में दिल्ली में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण ड्ढ्ढ।स्न-प्रमाणित कोच और प्रशिक्षक डैरिल ईसन के मार्गदर्शन में हुआ, जिन्होंने पहले यूके और हंगरी की राष्ट्रीय टीमों को प्रशिक्षित किया है।

रॉयल एनफील्ड की लद्दाख में आइस हॉकी के विकास के लिए चल रही प्रतिबद्धता में कई हस्तक्षेप शामिल हैं, जिनमें जमीनी स्तर पर खेलने के लिए सीखने के कार्यक्रम और ट्रेन-द-ट्रेनर पहल से लेकर आवश्यक उपकरण समर्थन तक शामिल हैं। रॉयल एनफील्ड ने आइस हॉकी एसोसिएशन ऑफ लद्दाख को दो स्केट-शार्पनिंग मशीनें भी प्रदान की हैं, जो खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण आवश्यकता को पूरा करती हैं। इससे पहले, ऐसी सुविधाएं केवल लेह में ही उपलब्ध थीं, जिससे खिलाड़ियों को लॉजिस्टिकल समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमें इस प्रकार हैं-

पुरुष टीमें: चांगला ब्लास्टर्स, कंग्स सिंग, जांस्कर चादर टेमर्स, मर्यूल स्पावो, शकर चिखतन रॉयल्स, शम वूल्व्स, पुरिग वॉरियर्स, चांगथांग शान्स, यूनाइटेड नुब्रा, हुमास वॉरियर्स।

महिला टीमें: मर्यूल स्पामो, शम ईगल्स, चांगला लामो, स्करा चिखतन क्वींस, हुमास क्वींस।

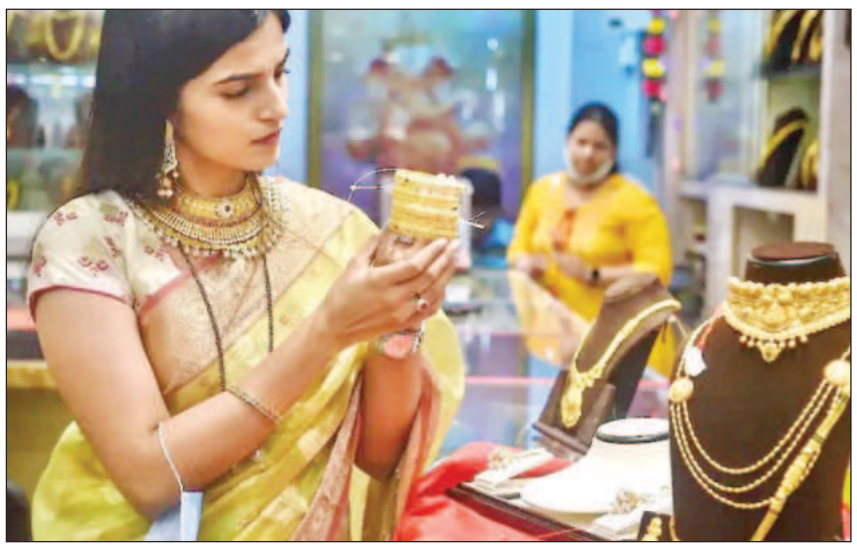

नए साल में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली,03 जनवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में नए साल पर लगातार दूसरे दिन सोना महंगा हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये से लेकर 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,950 रुपये से लेकर 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत लगातार दूसरे दिन 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दक्षिण एशिया...

मुर्सी का नेतृत्व मिस्र को जल्दी ही विनाश की ओर ले गया, क्योंकि वह देश को क्षेत्रीय आतंकवाद के लिए लॉन्चपैड में बदलना चाहता था। 2013 में, मिस्र को बर्बादी से बचाने के लिए, अब्देल फत्ताह अल-सिसी ने तख्तापलट के माध्यम से मुर्सी को हटा दिया। इस झटके ने ओबामा और क्लिंटन को डीप स्टेट को संगठित करने के लिए प्रेरित किया ताकि अल-सिसी को तानाशाह और मुस्लिम ब्रदरहुड के खिलाफ उनके कार्यों को मानवता के खिलाफ अपराध करार दिया जा सके। एक दशक से अधिक समय बाद, विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि यदि मिस्र को मुर्सी की पकड़ से मुक्त नहीं किया गया होता, तो यह संभवतः एक विफल राज्य बन जाता। मिस्र को बचा लिया गया। लेकिन अरब स्प्रिंग ने लीबिया, ट्यूनीशिया और यमन जैसे देशों को बर्बाद कर दिया। ये देश ओबामा, क्लिंटन और उनके सहयोगियों द्वारा पैदा की गई अराजकता में बुरी तरह फंसे हुए हैं, और उन्हें ठीक होने में दशकों लग सकते हैं।

ओबामा का अस्थिरता फैलाने का एजेंडा 2013 में क्लिंटन के विदेश मंत्री पद से हटने के बाद भी जारी रहता। घरेलू चुनौतियों के कारण उनके प्रयासों में बाधा आई। 2016 के चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हिलेरी क्लिंटन को हराने के बाद डेमोक्रेट्स की विदेशी अस्थिरता फैलाने की परियोजनाएं रुक गई थीं। विश्लेषकों का मानना है कि अगर क्लिंटन जीत जाती, तो लीबिया, ट्यूनीशिया और यमन जैसी स्थिति और भी देशों को झेलनी पड़ती। हालांकि, जब जो बाइडेन ने 2020 का चुनाव जीता, तो इस परियोजना को फिर से शुरू किया गया, जिसका समर्थन ओबामा, बिल क्लिंटन, हिलेरी क्लिंटन और धनपशु जॉर्ज सोरोस ने किया। बाइडेन का प्रशासन उनके एजेंडे को लागू करने का माध्यम बन गया। बाइडेन के राष्ट्रपति पद के उत्तरार्ध में, बांग्लादेश चौकड़ी के निशाने पर आ गया। क्योंकि भारत के साथ मिल कर बांग्लादेश विश्व पटल पर अपनी शिनाख्त कायम करने लगा था। यह अमेरिकी षडयंत्रकारी चौकड़ी को कतई पसंद नहीं थी।

बाइडेन-ओबामा-क्लिंटन-सोरोस धुरी ने शेख हसीना को सत्ता से हटाने और अपने सहयोगी मोहम्मद यूनुस को सरकार का मुखिया बनाने की साजिश रची। उनका लक्ष्य बंगाल की खाड़ी में 24 तेल ब्लॉकों सहित बांग्लादेश के प्राकृतिक और खनिज संसाधनों का दोहन करना, अफीम की खेती को बढ़ावा देकर पूरे क्षेत्र को ड्रग्स के धंधे का नया हब बनाना और बांग्लादेश को अल-कायदा, आईएसआईएस और हेफ़ाज़त-ए-इस्लाम जैसे इस्लामी और जेहादी समूहों के लिए एक आश्रय स्थल में बदलना था। इसे हासिल करने के लिए, बाइडेन प्रशासन ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के साथ सहयोग किया, जिसका अमेरिकी हितों की सेवा करने का इतिहास रहा है। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान को अमेरिकी परियोजनाओं के लिए एक उपठेकेदार के रूप में अपनी भूमिका से बहुत लाभ हुआ है, जिससे कई अधिकारियों को आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए धन का दुरुपयोग करके महत्वपूर्ण सम्पत्ति अर्जित करने में सक्षम बनाया गया है।

बांग्लादेश में, बाइडेन प्रशासन का एजेंडा आईएसआई के तीन गुना उद्देश्यों से मेल खाता है, नकली भारतीय मुद्रा का प्रचलन, भारत और क्षेत्र में आतंकवाद फैलाना और बांग्लादेश को अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के केंद्र के रूप में इस्तेमाल करना। आईएसआई अपने ड्रग व्यापार को चलाने के लिए बांग्लादेश में पैर जमाकर अरबों डॉलर कमाने की कोशिश कर रही थी। इसके अलावा, आईएसआई समर्थित मानव अंग तस्करी नेटवर्क ने 2017 से देश में शरण लिए हुए गरीब ग्रामीण बांग्लादेशियों और 1.2 मिलियन से अधिक रोहिंग्या शरणार्थियों का शोषण करने की योजना बनाई थी।ये चिंताजनक घटनाक्रम बांग्लादेश के भविष्य के बारे में गंभीर सवाल खड़े करते हैं। क्या बांग्लादेश का हश्र लीबिया या ट्यूनीशिया जैसा होगा या फिर उसे मिस्र की तरह मुक्ति मिलेगी? डोनाल्ड ट्रंप के जाने-माने विरोधी के रूप में मोहम्मद यूनुस की अनिश्चित स्थिति मामले को और जटिल बना रही है। यूनुस ने हिलेरी क्लिंटन के 2016 के अभियान में भारी निवेश किया था और पिछले चार साल में ट्रंप को कमजोर करने का काम किया।

ट्रंप प्रशासन मानवता के खिलाफ अपराधों का हवाला देते हुए यूनुस और उनके सहयोगियों पर प्रतिबंध लगा सकता है, जिसमें पुलिस, हिंदुओं, धार्मिक अल्पसंख्यकों और अवामी लीग के सदस्यों की कथित हत्याएं शामिल हैं। अमेरिका और यूरोप में यूनुस के व्यापारिक उपक्रमों की जांच से उनकी स्थिति और जटिल हो सकती है। ऐसी कार्रवाइयां बांग्लादेश के नागरिक-सैन्य प्रशासन के प्रमुख लोगों तक भी पहुंच सकती हैं, और उन्हें यूनुस का सहयोगी करार दिया जा सकता है।बांग्लादेश ख़तरनाक रूप से रसातल के किनारे पर खड़ा है और आंतरिक कमजोरियों और बाहरी चालबाजियों दोनों का सामना कर रहा है जो इसकी संप्रभुता और स्थिरता को खतरे में डालते हैं। अरब स्प्रिंग द्वारा किए गए विनाश के भयावह परिणामो को नज़रअंदाज़ करना असंभव है। पाकिस्तान की आईएसआई और उसके खतरनाक गठबंधनों के साथ बाइडेन प्रशासन की गुप्त मिलीभगत का उद्देश्य न केवल बांग्लादेश के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करना है, बल्कि देश को आतंकवाद, जालसाजी और मानव शोषण के लिए एक क्षेत्रीय केंद्र में बदलना भी है। ये ताकतें दशकों की प्रगति को खत्म करना चाहती हैं और बांग्लादेश को अराजकता और निराशा के भंवर में डालना चाहती हैं।

10 वर्षों से ...

इसलिए केंद्र की भाजपा सरकार शहरों में रहने वाले हर परिवार को क्वालिटी ऑफ लाइफ देने में जुटी है।

पीएम मोदी ने कहा, देश भली-भांति जानता है कि मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं बनाया। लेकिन बीते 10 वर्षों में चार करोड़ से अधिक गरीबों को घर देकर उनका सपना पूरा किया है। मैं भी कोई शीश महल बना सकता था, लेकिन मेरे लिए तो मेरे देशवासियों को पक्का घर मिले यही एक सपना था। मैं आप सबको भी कहता हूं कि आप जब भी लोगों के बीच जाएं लोगों से मिलें और अभी भी जो लोग झुग्गी झोपड़ी में रहते हैं, मेरे तरफ से उनको वादा करके आना, मेरे लिए आप ही मोदी हैं, आप वादा करके आना आज नहीं तो कल उनके लिए पक्का घर मिलेगा।

पीएम मोदी ने स्वाभिमान अपार्टमेंट योजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैट की चाबी देने के बाद कहा कि यह आपकी नई शुरुआत है। किराए की जगह अपना घर यह शुरुआत ही तो है। यह आत्मसम्मान का घर है। यह नई आशाओं और नए सपनों का घर है। मैं सभी की खुशियों में आपके उत्सव का हिस्सा बनने ही मैं आज यहां आया हूं। आज जब यहां आया तो काफी पुरानी यादें ताजा होना बहुत स्वाभाविक है। आप में से शायद कुछ लोगों को पता होगा जब आपातकाल का समय था, देश इंदिरा गांधी के तानाशाही रवैये के खिलाफ लड़ रहा था। उस समय मेरे जैसे बहुत साथी अंडरग्राउंड मूवमेंट का हिस्सा थे। उस समय अशोक विहार मेरे रहने का स्थान हुआ करता था। पीएम मोदी ने कार्यक्रम के दौरान स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबी सौंपी। दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मंत्री तोखन साहू आदि नेता मंच पर मौजूद रहे।पीएम मोदी ने कहा कि ये वर्ष विश्व में भारत में अंतरराष्ट्रीय छवि को और सशक्त करने का होगा। ये वर्ष भारत को दुनिया का बड़ा मैनुफैक्चरिंग हब बनाने का वर्ष होगा। ये वर्ष युवाओं को नए स्टार्टअप और एंटरप्रेन्योरशिप में आगे बढ़ाने का होगा। ये वर्ष कृषि क्षेत्र में नए कीर्तिमानों का होगा। ये वर्ष ईज ऑफ लिविंग और क्वालिटी ऑफ लाइफ बढ़ाने का होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने लोगों की नववर्ष की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि साल 2025 अनेक संभावनाओं को लेकर आ रहा है। दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ हमारी यात्रा इस वर्ष और तेज होने वाली है। आज भारत दुनिया में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बना है। 2025 में भारत की यह भूमिका और सशक्त होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एलजी वीके सक्सेना ने कहा यह पहला मौका नहीं है। 2022 में भी पीएम मोदी ने दिल्ली के कालका जी एक्सटेंशन में जहां झुग्गी वहां मकान योजना के तहत लाभार्थियों को चाबियां सौंपी थीं। आज दो साल के अंतराल में एक बार और ऐतिहासिक पलों के साक्षी बन रहे हैं। आज कई परिवारों को बहुमंजिला इमारतों के फ्लैट्स की चाबियां मिलेंगी।। इन फ्लैट्स में लिफ्ट, बच्चों के लिए पार्क तथा सभी प्रकार की नागरिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी।प्रधानमंत्री मोदी ने अशोक विहार स्थित स्वाभिमान अपार्टमेंट में झुग्गी-झोपड़ी पुनर्वास परियोजना के तहत लाभार्थियों को फ्लैटों की चाबी सौंपी। लाभार्थियों ने कहा, मोदी जी जो कहते हैं, वो करते हैं। मोदी जी ने जहां झुग्गी वहीं मकान का वादा किया था और उन्होंने वादा पूरा किया! इस दौरान पीएम मोदी ने लाभार्थियों से बातचीत भी की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जनवरी को दिल्ली के अशोक विहार में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कई सरकारी योजनाओं की शुरुआत की और दिल्लीवासियों को कई सौगातें दीं। खासतौर पर, जेलर वाला बाग में रहने वाले परिवारों को 1675 नए फ्लैट्स की चाबी सौंपी गई। ये फ्लैट्स स्वाभिमान अपार्टमेंट के नाम से जाने जाएंगे और इन्हें वहां के पुराने झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में ही बनाया गया है। यह कदम दिल्ली के शहरी पुनर्विकास की दिशा में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर वर्चुअली दो बड़े शहरी पुनर्विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इनमें नौरोजी नगर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर और सरोजिनी नगर में जीपीआरए टाइप-2 के साथ-साथ द्वारका में सीबीएसई के एकीकृत कार्यालय परिसर का उद्घाटन शामिल है। इसके अतिरिक्त, पीएम मोदी ने नजफगढ़ के रोशनपुरा में वीर सावरकर कॉलेज की आधारशिला भी रखी, जो दिल्ली की शिक्षा प्रणाली को और मजबूत करेगा।दिल्ली के नागरिकों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने 2025 को भारत के विकास के लिए एक नया साल बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक ताकत बनकर उभरेगा और भारत की राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बनेगा। मोदी ने यह भी कहा कि 2025 में भारत की भूमिका और सशक्त होगी और देश को नई संभावनाओं से भरपूर किया जाएगा।

डीयू में बन ...

यह कॉलेज प्रधानमंत्री की उन तीन प्रमुख परियोजनाओं का हिस्सा है, जो डीयू को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बनाई गई हैं। इनमें सूरजमल विहार में पूर्वी परिसर, द्वारका में पश्चिमी परिसर और वीर सावरकर कॉलेज शामिल हैं। इन परियोजनाओं का कुल निवेश 600 करोड़ रुपए से अधिक है।वीर सावरकर कॉलेज दिल्ली के नजफगढ़ में बनाया जा रहा है। यह स्थान यूईआर हाइवे के पास है और द्वारका के पश्चिमी परिसर से महज पांच मिनट की दूरी पर स्थित है। 18,816.56 वर्ग मीटर में फैले इस कॉलेज में आधुनिक सुविधाएं होंगी। इनमें 24 क्लासरूम, 8 ट्यूटोरियल रूम, 40 फैकल्टी रूम, एक कैंटीन, लाइब्रेरी और एक कॉन्फ्रेंस रूम शामिल हैं। वीर सावरकर कॉलेज के निर्माण पर लगभग 140 करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। यह निवेश न केवल बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा बल्कि छात्रों को आधुनिक और समृद्ध शिक्षा के लिए भी प्रेरित करेगा। छात्रों के लिए यह नया कॉलेज और अन्य परियोजनाएं डीयू के शैक्षणिक और बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी।डीयू का यह विस्तार न केवल छात्रों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाएगा। आधुनिक सुविधाओं और नई पाठ्यक्रम योजनाओं के साथ, यह कदम भारत के शैक्षणिक क्षेत्र में एक नई दिशा तय करेगा। वीर सावरकर कॉलेज और डीयू की अन्य परियोजनाएं एक बड़े और सकारात्मक बदलाव का संकेत हैं। राजनीतिक विवादों के बीच भी, यह कदम छात्रों और शिक्षा जगत के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

लद्दाख के ...

तथाकथित काउंटियों के कुछ हिस्से लद्दाख में आते हैं और भारत इस क्षेत्र में चीनी कब्जे का कड़ा विरोध करता है। चीन को अपना यह प्रोजेक्ट रोकना ही होगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमने चीन के होटन प्रांत में दो नए काउंटी की स्थापना की घोषणा देखी है, जो कि भारतीय केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि नए देशों के निर्माण से न तो क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के संबंध में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है।इस मामले में चीनी सरकारी मीडिया द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक हीआन की काउंटी सीट हांगलिउ टाउनशिप है, जबकि हेकांग की काउंटी सीट ज़ेयिडुला टाउनशिप है लेकिन भारत इसके लद्दाख में दखल देने के मामले को लेकर विरोध जता रहा है।यह पहली बार नहीं है जब बीजिंग ने अपने नक्शे में भारतीय क्षेत्रों पर दावा किया हो। 2017 में चीन ने अरुणाचल प्रदेश में छह स्थानों के लिए मानकीकृत नामों की प्रारंभिक सूची जारी की थी। 2021 में इसने 15 स्थानों वाली दूसरी सूची जारी की, जिसमें 2023 में जारी की गई 11 अतिरिक्त स्थानों के नामों वाली एक और सूची शामिल थी। भारतीय क्षेत्रों पर दावा करने के चीन के प्रयास को भारत ने खारिज करते हुए कहा कि खुद से खोजे गए नाम देने से वास्तविकता नहीं बदलती है।भारत सरकार ने चीन द्वारा तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर बनाए जा रहे बांध को लेकर भी अपना विरोध दर्ज कराया है और कहा है कि बांध से भारत के निचले हिस्सों के राज्यों को कोई नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। भारत सरकार ने कहा, हम अपने हितों की रक्षा के लिए लगातार निगरानी रख रहे हैं। हम लगातार निगरानी रखते हुए अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। मंत्रालय ने चीन से अपील की है कि ब्रह्मपुत्र नदी के निचले हिस्से के राज्यों (अरुणाचल प्रदेश और असम) के हितों को ऊपर होने वाली गतिविधियों से नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। निचले हिस्से के राज्य के रूप में हमें नदी के जल का उपयोग करने का अधिकार है। हम लगातार विशेषज्ञ स्तर और कूटनीतिक चैनलों के जरिए अपने विचार और चिंताएं चीन के सामने रख चुके हैं। चीन के समक्ष यह चिंताएं बार-बार उठाई गई हैं। चीन को पारदर्शिता और निचले हिस्से के देशों के साथ परामर्श सुनिश्चित करना चाहिए।विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के मुद्दे पर कहा, हमें बांग्लादेशी अधिकारियों की ओर से शेख हसीना के प्रत्यर्पण के संदर्भ में एक संचार मिला था। इस मुद्दे पर कुछ और बात जोड़ने की जरूरत नहीं है।

मालदीव और पाकिस्तान पर अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हाल ही में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट्स के संबंध में हम इतना ही कहना चाहते हैं कि यह अखबार और रिपोर्टर दोनों ही भारत के प्रति एक शत्रुतापूर्ण रवैया रखते हैं। इसको आप उनकी गतिविधियों और रिपोर्ट्स के एक पैटर्न में देख सकते हैं। ऐसे में उनकी विश्वसनीयता कितनी है, इसके आकलन का काम हम आप पर छोड़ते हैं। जहां तक हमारा सवाल है, हमको उनमें कोई विश्वसनीयता नजर नहीं आती।विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के मसले पर कहा, हिलेरी क्लिंटन ने कभी कहा था कि अगर आप अपने घर में सांप पालते हैं तो यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वे केवल आपके पड़ोसियों को ही काटेंगे। यमन में केरल की निमिषा प्रिया को मिली फांसी की सजा के मसले पर विदेश मंत्रालय ने कहा, हम निमिषा प्रिया की सजा को लेकर हो रहे घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। सरकार इस मामले में निमिषा की हर संभव मदद कर रही है।

भारतवर्ष में तेजी...

और वित्त वर्ष 2012 के 25.7 प्रतिशत से काफी कम है। इसी तरह, वित्त वर्ष 2024 में शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत रह गई है। वित्त वर्ष 2023 में यह 4.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2012 में 13.7 प्रतिशत थी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा था कि पिछले दस वर्षों में 23 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं। अगर 2021 की जनगणना हो जाती है और ग्रामीण-शहरी आबादी के अपडेटेड डेटा प्रकाशित हो जाते हैं, तो गरीबी के अनुमान में मामूली संशोधन हो सकते हैं। हालांकि, एसबीआई रिसर्च का मानना है कि आने वाले सालों में शहरी गरीबी के स्तर में और कमी आ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है, यह संभव है कि 2021 की जनगणना पूरी होने और ग्रामीण-शहरी आबादी के नए हिस्से के प्रकाशित होने के बाद गरीबी के आंकड़ों में मामूली संशोधन हो सकता है।

हमारा मानना है कि शहरी गरीबी और कम हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार आंकड़ों की गणना 2011-12 में परिभाषित गरीबी रेखा के अनुसार की गई है और इसे पिछले एक देश की महंगाई और राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसए-सओ) के आंकड़ों के साथ समायोजित किया गया है।2023-24 में निर्धारित की गई नई गरीबी रेखा में ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 1,632 रुपए और शहरी क्षेत्रों के लिए 1,944 रुपए की आय को आधार माना गया है। आंकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी का अनुपात वित्त वर्ष 24 के लिए 4.86 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 4.09 प्रतिशत पर आंका गया है।

रिपोर्ट में ग्रामीण इलाकों में गरीबी घटने का कारण आबादी के निचले पांच प्रतिशत लोगों में उपभोग बढ़ने को बताया गया है, इससे गरीबी रेखा में बदलाव आया है।

ये आंकड़े आबादी के सबसे गरीब तबके के लिए बेहतर आर्थिक स्थिति का संकेत देते हैं। गरीबी के स्तर में यह तेज कमी जीवन स्तर में सुधार और असमानता को दूर करने में देश की प्रगति दर्शाती है। निरंतर आर्थिक विकास और लक्षित नीतियों के साथ, विशेषकर शहरी क्षेत्रों में गरीबी में और अधिक कमी आने का अनुमान है।

पांच साल में दिल्ली...

उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के लिए 1200 करोड़ रुपए के अतिरिक्त सीआरआईएफ फंड का भी ऐलान किया।

गडकरी ने बताया कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय कौन-कौन सी परियोजनाएं शुरू करेगा। उन्होंने कहा, दिल्ली वायु प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से बहुत परेशान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सड़क निर्माण मंत्रालय ने दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त करने और भीड़भाड़ कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं और उन्हें लागू किया है। उन्होंने कहा कि नई सड़क परियोजनाओं से दिल्ली में प्रवेश करने वाले वाहनों का दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

गडकरी ने दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए स्वच्छ ईंधन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार इलेक्ट्रिक बसें, कार और स्कूटर लेकर आई, क्योंकि दिल्ली का 40 प्रतिशत प्रदूषण जीवाश्म ईंधन से होता है। हम सीएनजी (वाहन) भी लेकर आए और हम 5 साल में दिल्ली को प्रदूषण से मुक्त कर देंगे। केंद्र ने आईजीआई एयरपोर्ट के आसपास शहर में ट्रैफिक का बोझ कम करने के लिए द्वारका एक्सप्रेस-वे का निर्माण पहले ही कर दिया है। शहरी विस्तार सड़क (यूईआर) परियोजना के तहत, गडकरी का मंत्रालय कुंडली मानेसर पलवल एक्सप्रेस-वे या वेस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे के जरिए दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे के साथ कनेक्टिविटी प्रदान करने वाले चरण 2 को भी अंतिम रूप दे रहा है।गडकरी ने यह भी कहा कि महिपालपुर और रंगपुरी इलाके में रोजाना लगने वाले ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए 5 किलोमीटर लंबी सुरंग बनाने की योजना है। इस सुरंग का निर्माण 3,500 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। और यह सुरंग वसंत कुंज में शिव मूर्ति और नेल्सन मंडेला मार्ग को जोड़ेगी।

स्विट्जरलैंड में लगा...

स्विट्जरलैंड में चेहरा ढकने पर बैन लगाने का प्रस्ताव दक्षिणपंथी स्विस पीपुल्स पार्टी (एसवीपी) लेकर आई थी। इस प्रस्ताव को लाने के साथ ही पार्टी ने कट्टरवाद रोकने का नारा भी दिया था।स्विट्जरलैंड में 2021 में जनमत संग्रह में सार्वजनिक स्थलों पर चेहरा ढकने पर बैन लगाने के पक्ष में वोटिंग की गई। इसके तहत कहा गया कि सार्वजनिक स्थलों पर मुस्लिम महिलाओं के नकाब पहनने पर पाबंदी लगाने का फैसला हुआ। इसके बाद जनमत संग्रह में 51.21 प्रतिशत नागरिकों ने चेहरा ढकने पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में वोट किए, वहीं, 48.8 फीसदी लोगों ने इसके विरोध में वोट दिए। 2021 की ही एक रिसर्च के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में कुल आबादी 86 लाख है, जबकि इनमें से लगभग 5 फीसदी ही मुस्लिम है। ऐसे में स्विट्जरलैंड में न के बराबर ही नकाब या बुर्के पहने जाते हैं।गौरतलब है कि बुर्के में छिपकर अपराध किए जाने की घटनाओं और इस्लामी कट्टरपंथ को देखते हुए स्विट्जरलैंड की सरकार ने वर्ष 2021 में एक जनमत संग्रह किया था। मार्च 2021 में हुए जनमत संग्रह के दौरान 51.21 फीसदी मतदाताओं ने बुर्का बैन के पक्ष में वोटिंग की थी। इसके बाद ये तय हुआ था कि 1 जनवरी 2025 से यह कानून देश में प्रभावी हो जाएगा और एक तारीख से यह देश में प्रभावी हो गया है। अब से सार्वजनिक स्थानों पर बुर्का पहनने वाली मुस्लिम महिलाओं या किसी और पर 1000 स्विस फ्रैंक (1144 डॉलर) यानी कि भारतीय रुपए में 98,000 रुपए का जुर्माना लग सकता है।

स्विट्जरलैंड ही...

इस नियम का उल्लंघन करने वालों पर 1000 क्रोन यानी करीब 11 हजार रुपए तक का जुर्माना लगाया जाता है। अगर कोई बार-बार इस कानून को तोड़ता है तो यह जुर्माना 10 गुना बढ़ जाता है। नीदरलैंड में जून, 2018 में सार्वजनिक जगहों पर चेहरा ढंकने पर पाबंदी लगा दी गई थी। यह कानून सिर्फ स्कूल, कॉलेज, दफ्तर, रेस्टोरेंट या दुकानों जैसी सार्वजनिक जगहों के लिए बनाया गया था। वहां सड़कों पर चेहरे पर नकाब ओढ़ने की छूट मिली हुई है।एशियाई देश श्रीलंका में वर्ष 2019 में ईस्टर पर हुए हमले के बाद से ही वहां चेहरा ढंकने पर बैन लगा दिया गया था। इसके अलावा चीन के शिनजियांग में भी सार्वजनिक जगहों पर बुर्का पहनने और दाढ़ी बढ़ाना प्रतिबंधित है। कई अफ्रीकी देशों में भी हिजाब पर प्रतिबंध लागू है। खासतौर पर एक के बाद एक हो रहे आत्मघाती हमलों के बाद इन नियमों को वक्त के साथ और सख्त किया गया। अल्जीरिया में 2018 से ही कार्यस्थलों पर चेहरा ढंकना बैन कर दिया गया था।

घर में सुख समृद्धि के लिए अपनाएं वास्तु उपाय

हिंदू धर्म में वास्तु को बहुत महत्व दिया गया है। खासतौर पर बात जब घर की होती है तो वास्तु का ध्यान रखना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। दरअसल, घर से जुड़े कई वास्तु दोष होते हैं। अगर इन पर ध्यान न दिया जाए तो घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश होने लगता है। यह नकारात्मक ऊर्जाएं आपके घर में अशांति, आर्थिक तंगी, बीमारियां और दुख को न्योता देती हैं। आप इन नकारात्मक ऊर्जाओं को देख तो नहीं सकते मगर महसूस अच्छे से कर सकते हैं। यदि आपको लगता है कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जाएं हैं जो आपको परेशान कर रही हैं तो आप कुछ आसान सी वस्तु टिप्स को अपना कर उन्हें अपने घर से दूर भगा सकते हैं। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तुशास्त्र के अनुसार आजकल सभी अपने घर में सुख-समृद्धि और शांति बनाए रखने के लिए उपाय करते हैं या फिर उसके नियमों का पालन करते हैं। क्योंकि वास्तु के अनुसार यदि हमारे आसपास कुछ वास्तुदोष होते हैं तो व्यक्ति के जीवन में उथल-पुथल बनी रहती है। घर में वास्तुदोष होने के कारण घर में नेगेटिव एनर्जी आ जाती है, जिसके कारण व्यक्ति डिप्रेशन में चला जाता है। लेकिन वास्तुशास्त्र के अनुसार घर से नकारात्मकता यानी नेगेटिविटी दूर करने के लिए बहुत ही आसान उपाय बताए गए हैं।

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि हर एक व्यक्ति के लिए उसका घर सबसे सुकून देने वाली जगहों में से एक होती है। व्यक्ति अपने फुर्सत के क्षणों में परिवार के सदस्यों के बीच घर पर ही रहकर समय बिताना पसंद करता है। ऐसे में घर पर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का वास होना बहुत ही जरूरी है। अगर घर में नकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है तो परिवार के सदस्यों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े की संभावना ज्यादा होती है। वास्तु शास्त्र में कुछ उपाय बताए गए हैं जिनकी मदद से हम अपने घरों से नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगा सकते हैं। घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने का सबसे आसान तरीका घर की खिड़कियों को दिन में कुछ समय के लिए जरूर खोलें। ऐसा करने से घर में रौशनी और हवा आती है जिस कारण नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकल जाती है। घर के उत्तर दिशा में आप तुलसी का पौधा जरूर लगाएं। इसके अलावा घर के मुख्य द्वार पर भगवान गणेश की मूर्ति, स्वास्तिक और ऊं का निशान बनाएं। जिन घरों में नियमित रूप से सुबह और शाम के वक्त घी का दीपक जलाया जाता है वहां पर नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती।

घर में बने मंदिर की रोज साफ सफाई करनी चाहिए। देवी-देवताओं पर चढ़ाए गए फूल और माला दूसरे दिन हटा देना चाहिए। घर पर सूख चुके फूलों का गुलदस्ता परिवार के सदस्यों के बीच नकारात्मकता का भाव पैदा करते हैं। ऐसे में इन्हें घर से बाहर कर देना ही उचित है। अगर घर के कुछ विद्युत उपकरण सही ढ़ग से काम नहीं कर रहे है तो उन्हें फौरन सही करा लेना चाहिए। घर की दीवारों में सीलन और दरारें नहीं होनी चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने लिए नमक को किसी पात्र में रखकर पूर्व दिशा रखना शुभ होता है। नमक नकारात्मक ऊर्जा को दूर भागता है और सकारात्मक ऊर्जा को अपनी तरफ खींचता है।

नेगेटिव एनर्जी घर में ना आए

एक बाल्टी पानी में 5 नींबू निचोड़कर, एक कप नमक और लगभग चौथाई कप सफेद सिरका डालकर, इस मिश्रण से घर के सभी खिड़की और दरवाजों को साफ कर दें। इस उपाय से आपके घर में कभी नेगेटिव एनर्जी प्रवेश नहीं करेगी।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए

आपके घर की किचन पर घर के सदस्यों का स्वास्थ्य निर्भर करता है। गैस चूल्हा गंदा ना छोड़े, इसे गंदा रखने से आपके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। इसके अलावा यह चीज़ आपकी आर्थिक तरक्की को भी प्रभावित करती है।

बेडरूम में करें उपाय

बेडरूम में चारों कोनों पर थोड़ा-थोड़ा नमक छिड़क दें। 48 घंटे के बाद चारों कोनों में फिर से नमक छिड़क दें। इससे पूरे कमरे की नेगेटिव एनर्जी खत्म हो जाएगी। यहां तक कि कोई व्यक्ति बीमार भी उस कमरे में रह चुका होगा तो उसका असर भी खत्म हो जाएगा।

टॉयलट

घर के सभी टॉयलेट के दरवाजों को हर वक्त बंद रखना चाहिए और सभी टॉयलट के ढक्कन भी बंद रखने चाहिए। ऐसा करने से नेगेटिव एनर्जी के प्रभाव से आप दूर रहते हैं।

घर के सभी हिस्सों में बजाएं घंटी

आप अपने घर में निष्क्रिय पड़े ऊर्जा के स्रोतों को फिर से जागृत करने के लिए रोजाना कम से कम 3 बार घर के सभी हिस्सों में घंटी बजाएं। इस उपाय से लाभ अवश्य होगा।

कमरों में रखें ताजे फूल

कमरों में ताजे फूलों के गुलदस्ते रखने से हर प्रकार की खराब ताकतों का नाश होने लगता है। फूलों की महक मन को खुश करने के साथ ही आत्मिक तौर पर भी शांति का एहसास कराती है।

मुख्य द्वार को रखें साफ

वास्तु के अनुसार, सभी सकारात्मक ऊर्जा मुख्य द्वार से ही अंदर आती हैं, तो घर का मुख्य द्वार सबसे साफ-सुथरा रहना चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

जनवरी और फरवरी में बना रहे हैं घर खरीदने की योजना

जान लें शुभ मुहूर्त

हिंदू धर्म में सभी मांगलिक कार्यों को करने से पहले मुहूर्त का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है, जिनमें से एक घर बनाने व खरीदने भी शामिल है, क्योंकि यह व्यक्ति का जीवन का सबसे अहम और महत्वपूर्ण समय होता है। कहते हैं कि इसमें का बहुत बड़ा महत्व होता है। पंचांग के अनुसार, जनवरी और फरवरी के लिए घर खरीदने के शुभ मुहूर्त यहां पर दिए गए हैं, जो इस प्रकार हैं।

घर खरीदने के शुभ मुहूर्त

जनवरी में घर खरीदने के कुल पांच शुभ मुहूर्त हैं। माना जा है कि इस महीने की 16, 17, 23, 24 और 31 तारीख बहुत ही अच्छी है। अगर आप घर खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो इस दिन आप खरीद सकते हैं।

फरवरी 2025

फरवरी में घर खरीदने के कुल 6 शुभ मुहूर्त हैं। इस महीने की 7, 13 20, 21 और 28 तारीख को आप घर खरीद सकते हैं, क्योंकि ये दिन बहुत ही अच्छे माने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन तारीख पर अपने नए घर का सपना पूरा कर सकते हैं।

घर खरीदते समय रखें इन 4 बातों का ध्यान

* घर समय इस बाद का पूरा ख्याल रखें कि वहां सूर्य की रोशनी प्रयाप्त मात्रा में आनी चाहिए।
* वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर हमेशा उत्तर पूर्व दिशा में ही लेने का प्रयास करना चाहिए।
* घर खरीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टॉयलेट पश्चिम दिशा में हो।
* वास्तु शास्त्र अनुसार, घर के मुख्य द्वार के सामने कोई बड़ा पेड़, टंकी या नल आदि भी नहीं होना चाहिए।

बिना तोड़-फोड़ के ऐसे दूर करें सीढ़ियों का वास्तु दोष, नहीं आएगी कोई परेशानी

अपने दैनिक जीवन में वास्तु शास्त्र के नियमों का ध्यान रखने से जीवन में पॉजीटिव एनर्जी का प्रवाह बना रहता है। वहीं इन नियमों की अनदेखी करने पर वास्तु दोष का भी सामना करना पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र में घर के हर हिस्से को जरूरी माना गया है। इसी तरह घर की सीढ़ियों में भी वास्तु नियमों का जरूरी रूप से ध्यान रखना चाहिए।

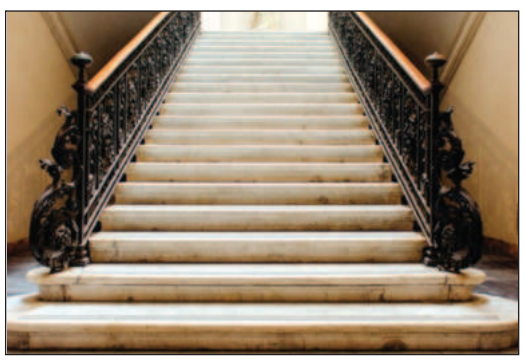

कहां होनी चाहिए सीढ़ियां – वास्तु के अनुसार, सीढ़ियों को हमेशा दक्षिण-पश्चिम में बनवाना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि सीढ़ी को उत्तर दिशा से शुरू होकर दक्षिण दिशा में खत्म करना चाहिए। भूलकर भी ईशान कोण में सीढ़ी नहीं बनवानी चाहिए। इसी के साथ घर के ब्रह्म स्थान यानी कि घर के बीचों-बीच सीढ़ी नहीं बनवाना चाहिए। ऐसा करने से भी वास्तु दोष उत्पन्न हो सकता है।

रखें इन बातों का ध्यान – सीढ़ियों के नीचे मंदिर, स्टोर रूप या फिर शौचालय नहीं बनवाना चाहिए और न ही जूते-चप्पल या बेकार सामान रखना चाहिए। इसी के साथ सीढ़ियों के नीचे का स्थान खुला और साफ-सुथरा होना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कभी भी घर की सीढ़ियों का निर्माण अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। इस बातों का ध्यान न रखने पर भी वास्तु दोष पैदा हो सकता है।

करें ये उपाय – यदि आपने अपने घर की सीढ़ियां वास्तु के अनुसार नहीं बनवाई हैं, तो ऐसे में आप बिना तोड़-फोड़ किए भी वास्तु दोष से बच सकते हैं। इसके लिए आप सीढ़ियों के बीच में एक घंटी या शीशा लगा सकते हैं। इसी के साथ वास्तु में सीढ़ी के दोनों छोरों पर गेट बनवाना भी शुभ माना गया है। वास्तु दोष से बचाव के लिए आप सीढ़ी के नीचे कपूर को एक डिबिया में डालकर रख दें। ध्यान रखें कि उस डिबिया को बंद न करें, ताकि कपूर की महक से वातावरण में पॉजिटिविट एनर्जी का संचार हो सके।

घर में शमी का पौधा लगाने से मिलते हैं कई फायदे

ऐसे कई पेड़-पौधे हैं, जिन्हें घर में लगाने से आपको सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं। हिंदू धर्म में शमी के पौधे का संबंध शनि देव और भगवान शिव से माना गया है। साथ ही वास्तु की दृष्टि से भी इस पौधे को काफी शुभ माना गया है। ऐसे में यदि आप इससे संबंधित कुछ बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको काफी समस्याओं से मुक्ति मिल जाती है।

मिलते हैं यह लाभ

यदि आप शमी का पौधा घर में लगाते हैं और नियमित रूप से इसकी पूजा करते हैं, तो इससे आपको भगवान शिव के साथ-साथ शनिदेव की भी प्राप्त होती है। साथ ही कुंडली में मिलने वाले अशुभ ग्रहों के प्रभाव से भी बचा जा सकता है। माना जाता है कि यदि किसी जातक पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है, तो उसे घर में शमी का पौधा जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपको काफी लाभ मिल सकता है। इतना ही नहीं, शमी का पौधा घर में लगाने से विवाह में आ रही बाधा से भी मुक्ति मिल सकती है।

करें ये उपाय

शमी के पत्तों को शिवलिंग पर भी अर्पित करना चाहिए। इससे जीवन में आ रहे कष्ट दूर होते हैं। साथ ही घर में बरकत आती है और धन की समस्या से मुक्ति मिलती है। इसी के साथ प्रत्येक शनिवार के दिन शमी के पेड़ का पूजन कर, इसके नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से शनिदशा का प्रभाव कम होता है।

कहां लगाएं पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, शमी के पौधे को कभी घर के अंदर नहीं लगाना चाहिए। आप इसे घर की बालकनी या फिर छत पर लगा सकते हैं। इसी के साथ शमी के पौधे को लगाने के लिए दक्षिण दिशा को सबसे बेहतर माना गया है। आप इसे शनि देव के दिन यानी शनिवार को लगाकर विशेष लाभ देख सकते हैं। इस बात का भी ध्यान रखें कि इस पौधे पर सीधी धूप न पड़े।

पूजा के बाद जली हुई बाती का क्या करें, इस भूल से लग सकता है दोष

पूजा-पाठ के दौरान दीपक जलाना भी एक जरूरी प्रक्रिया है, जिसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। हिंदू धर्म में दीपक को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है। कई बार यह समझ नहीं आता कि दीपक जलाने के बाद उसकी जली हुई बाती का क्या किया जाए और लोग इसे इधर-उधर फेंक देते हैं। लेकिन ऐसा करने बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता।

इस काम से मिलेगा लाभ

दीपक जलाने के बाद बची हुई को फेकने के स्थान पर आप उसे इकट्ठा कर सकते हैं। ध्यान रखें कि जली हुई बाती को हमेशा पवित्र स्थान पर ही रखें। आप पूजा घर में ही एक पात्र में बाती इकट्ठी करके रख सकते हैं। ऐसा आपको लगातार 10 दिनों तक करना है और 11वें दिन इन सभी बाती को एक साथ कपूर और चार लौंग डालकर जला दें। इसके बाद इसका धुआ पूरे घर में करें और दीपक को घर की छत पर रख दें। ऐसा करने से आपको नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिल सकती है।

राख का भी कर सकते हैं उपयोग

बची हुई बाती से यह उपाय करने के बाद आप उसकी राख का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आप इस राख का तिलक लगाते हैं, तो इससे आपको नजर दोष से छुटकारा मिल सकता है। वहीं अगर घर में किसी बच्चे को नजर लग गई है, तो इसके लिए बाती की बची हुई राख को उस बच्चे के ऊपर से सात बार घुमाएं औरृ किसी पेड़ में डाल दें।

नहीं लगेगा दोष

दोष से बचने के लिए आप पूजा में जली हुई बाती को किसी बहते हुए साफ जल स्त्रोत जैसे नदी, तालाब आदि में प्रभावित कर सकते हैं। अगर आपके लिए ऐसा करना संभव नहीं है, तो इस स्थिति में आप पूजा में इस्तेमाल बाती को मिट्टी में भी दबा सकते हैं। इससे आपको बाती को फेंकने का दोष नहीं लगता।

ऐसे शुरू हुई तिरुपति बालाजी में बालों को दान करने की परंपरा, रहस्यमयी है वजह!

तिरुपति मंदिर में बाल दान करने की परंपरा काफी पुरानी है। एक समय की बात है, एक बार भगवान वेंकटेश्वर नीलाद्रि पर्वत पर सो रहे थे। तब देवी नीलाद्रि वहां पहुंचीं और उन्होंने यह देखा कि वेंकटेश्वर जी के सिर पर एक धब्बा है, जिसे ढकने के लिए उन्होंने अपने बालों को खींच लिया और उसे भगवान के सिर पर लगा दिया ताकि उनकी सुंदरता और भी ज्यादा निखर सके। जब जगत के स्वामी उठे और उन्होंने देखा कि उनके उस स्थान पर बाल हैं, जहां एक धब्बा था। वहीं, दूसरी ओर नीलाद्री के सिर पर खून निकल रहा था। यह देखकर उन्होंने अपने बालों को वापस दे दिया, लेकिन नीलाद्रि ने उसे स्वीकार नहीं किया और कहा, ''भविष्य में भक्तों द्वारा बालों का दान किया जाएगा, जिससे उनके सभी पाप और कष्ट दूर हो जाएंगे। साथ ही उनकी सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होगी''।

इसलिए भी तिरुपति बालाजी में दान किए जाते हैं बाल

इसके अलावा एक दूसरी कथा के अनुसार, प्राचीन काल में भगवान बालाजी की मूर्ति पर चीटियों का एक पहाड़ बन गया था। उस पहाड़ पर रोजाना एक गाय आती थी। और दूध देकर वहां से चली जाती थी, जिससे गाय का मालिक गुस्से में आ गया और उसने कुल्हाड़ी से गाय को मार दिया। इस हमले के दौरान बालाजी के सिर पर भी चोट आ गई और उनके सिर के बाल भी गिर गए।

यह देखकर उनकी माता नीला देवी ने अपने सिर के बालों को वेंकटेश्वर जी के सिर पर रख दिया। इससे उनकी चोट तुरंत ही सही हो गई है।

साथ ही ऐसा करने वेंकटेश्वर भगवान बहुत प्रसन्न हो गए और उन्होंने कहा, ''जो बाल व्यक्ति के शरीर की सुंदरता को पूर्ण करते हैं और आपने उसे मेरे लिए उनका बिना सोचे त्याग कर दिया। आज से अगर कोई भक्त मेरे लिए अपने बालों का त्याग करेगा, मैं उसे मनचाहा फल प्रदान करूंगा।'' तभी से आज तक बालाजी मंदिर में बाल दान करने की परंपरा चली आ रही है।

वहीं, यहां मंदिर में दान किए गए बालों से हेयर विग और हेयर एक्सटेंशन बनाए जाते हैं, जिसे बेच दिया जाता है और इससे मिली कमाई को मंदिर की चैरिटेबल चीजों में लगाया जाता है और लोगों की मदद की जाती है।

इस मूलांक के जातकों को करियर में मिलेगी सफलता

साल 2025 की शुरुआत हो चुकी है। अंक ज्योतिष के अनुसार, नया साल मूलांक 03 के जातकों के लिए बेहद खास रहने वाला है। इस मूलांक के जातकों को करियर में सफलता मिलेगी और परिवार के लोगों से रिश्ते मजबूत होंगे। ऐसे में अंक ज्योतिष और टैरो विशेषज्ञ पल्लवी एके शर्मा से चलिए जानते हैं कि मूलांक 03 के जातकों के लिए साल 2025 कैसा रहने वाला है।

मूलांक के 03 के लिए साल 2025 की भविष्यवाणियां

मूलांक 3 के व्यक्ति दूसरों को प्रेरित करने की क्षमता के लिए मशहूर होते हैं। सामाजिक परिस्थितियों में सहायक और अनुकूल होते हैं। इस साल विकास का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा, लेकिन धैर्य रखने की सलाह दी जाती है।

करियर और वित्त की दृष्टि से – इस साल करियर में सफलता पाने के लिए कई अवसर मिलेंगे। बिजनेस में बढ़ोतरी होगी। बिजनेस के लिए योजना बना सकते हैं। बजट को बनाने के लिए ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

प्रेम, रिश्ते और विवाह – साल 2025 में रिश्तों में खुशहाली आएगी। वैवाहिक जीवन के रिश्ते को मजबूत करने के लिए ध्यान देना चाहिए।

परिवार और सामाजिक जीवन – इस साल नए दोस्त बन सकते हैं। मूलांक 03 के लोग सामाजिक कामों में बिजी हो सकते हैं। परिवार के लोगों से रिश्ते मजबूत करें।

शिक्षा के क्षेत्र में – मूलांक 03 के जातकों को पढ़ाई को लेकर लेकर कई चुनौतियो का सामना करना पड़ सकता है। परीक्षा में सफल होने संभावना है। टीचर और दोस्त से मदद लेनी चाहिए।

2025 में सफलता के लिए उपाय – गुरु के आशीर्वाद पाने के लिए अपने पास हल्दी की गांठ रखें। सुख-समृद्धि पाने के लिए पर्स में चांदी रखें।

घर में शांति और सुकून के लिए गुलाब जल का प्रयोग करें।

शुभ तत्व – आपके लिए पीला और लाल रंग शुभ है। संख्या 03 और 09 आपके लिए शुभ है उत्तर-पूर्व में यात्रा करना आपके लिए फलदायी होगी। आपके लिए दिन गुरुवार और मंगलवार का दिन अच्छा है।

92 साल पहले इस फिल्म में हुआ था बॉलीवुड का पहला किसिंग सीन

एक्ट्रेस ने 4 मिनट तक हीरो से किया था लिप-लॉक, लग गया था बैन

बड़े पर्दे पर किसिंग सीन नजर आना अब बहुत आम सी बात लगने लगी है। ओटीटी पर क्रिएटिविटी को मिली छूट के नाम पर सिजलिंग सीन्स भी जमकर परोसे जा रहे हैं। लेकिन एक दौर में क्रिएटिविटी पर सेंसर बोर्ड की कैंची भारी हुआ करती थी। तब इस बात का खास ध्यान भी रखा जाता था कि फिल्मों में दिखाए गए सीन किसी भी व्यक्ति या समाज पर क्या असर डाल सकते हैं। वो ऐसा दौर था, जब किस करना, एक दूसरे के पास आना तो दूर की बात हीरो हीरोइन बहुत नजदीक भी नहीं जाया करते थे। उसी दौर में एक एक्ट्रेस ऐसी भी थी, जिसने ऐसे सारे नियम कायदे को ताक पर रख कर एक लंबा किसिंग सीन दिया था। वो भी आज से करीब 92 साल पहले।

किस एक्ट्रेस ने दिया था किसिंग सीन?

बड़े पर्दे पर पहला लिप किस वाला सीन देने वाली एक्ट्रेस थीं देविका रानी। जो ब्लैक एंड व्हाइट दौर की पहली लेडी सुपर स्टार मानी जाती थीं। देविका रानी ने फिल्म कर्मा में ये किसिंग सीन दिया था। आपको बता दें कि फिल्म कर्मा साल 1933 में रिलीज हुई थी, जिसमें देविका रानी के अपोजिट थे हिमांशु रॉय। कहा जाता है कि हिमांशु रॉय उस वक्त देविका रानी के प्यार में दीवाने थे। उन्हें देखते ही हिमांशु रॉय ने उन्हें फिल्म ऑफर की थी। देविका रानी के साथ उन्हीं पर हिंदी फिल्मों का पहला किसिंग सीन फिल्माया गया, जो करीब चार मिनट तक चला।

बैन कर दी गई थी फिल्म

हिमांशु रॉय की दीवानगी इतने पर ही नहीं ठहरी। पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया। जिसके बाद हिमांशु रॉय ने देविका रानी से शादी भी कर ली। हालांकि इस सीन के बाद देविका रानी की काफी आलोचना भी हुई। उस दौर की नजाकत को समझते हुए फिल्म को प्रतिबंधित भी कर दिया गया था।

बी ग्रेड फिल्मों में काम करने वाली यह ईरानी लड़की कैसे बनी बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस?

एक ऐसी अभिनेत्री जो किसी डॉल की तरह बेहद खूबसूरत थीं। बात अभिनय की हो या डांस या उनके चुलबुले अंदाज की, अपने समय में उन्होंने लोगों को अपना दीवाना बना दिया। उनका स्टारडम कुछ ऐसा था कि उस दौर के सुपरस्टार्स उनके साथ काम करने के लिए हमेशा तैयार रहते थे। हिंदी सिनेमा में इस अदाकारा को सुपरस्टार का दर्जा हासिल था। लेकिन कम ही लोगों को पता होगा कि इस एक्ट्रेस के जीवन में एक दौर ऐसा भी था। जब इस खूबसूरत अभिनेत्री ने बी ग्रेड फिल्मों में काम किया। सेट पर उन्होंने नौकरानी समेत कई छोटे मोटे रोल किए। उस दौर के बड़े स्टार्स उनसे बात तक करना पसंद नहीं करते थे।

दरअसल एक्ट्रेस मुमताज के पिता अब्दुल सलीम अस्कारी ईरान से थे। उनकी मां हबीब आगा और उनके पिता का वर्ष 1947 में मुमता के जन्म के ठीक एक साल बाद तलाक हो गया। ऐसे में मुमताज की मां उन्हें लेकर अपने पिता के घर चली गईं, जहां मुमताज का पालन पोषण हुआ। लंबे समय तक उनके परिवार को वित्तीय संकट का सामना करना पड़ा, जिसके चलते मुमताज और उनकी बहन मल्लिका ने सिनेमा में काम करने का फैसला लिया। मुमताज ने 13 साल की उम्र में फिल्म सोने की चिड़िया में काम किया। यह फिल्म 1958 में रिलीज हुई। इस फिल्म में उनका रोल इतना छोटा था कि किसी ने नोटिस तक नहीं किया।

बाद में वह पहलवान से अभिनेता बने दारा सिंह के साथ फिल्म फौलाद में नजर आईं। यह फिल्म 1963 में रिलीज हुई थी। यह एक बी ग्रेड फिल्म थी। एक इंटरव्यू में मुमताज ने कहा था कि कुछ हद तक,मैं कह सकती हूं कि मेरे करियर को दारा सिंह ने बनाया है। वह 16 एक्शन फिल्मों में बतौर लीड रोल मे नजर आईं, जिसमें फौलाद, वीर भीमसेन, टार्जन कम्स टू देल्ही, सिकंदर-ए-आजम, रूस्तम-ए-हिंद, राका और डाकू मंगल सिंह शामिल हैं। इन सब में उन्होंने दारा सिंह के साथ काम किया। कहा जाता है कि साथ काम करते हुए दारा सिंह और उनसे प्यार हो गया था। हालांकि मुमताज को इसके बाद एक के बाद एक फिल्में मिलती चली गईं और वह दारा सिंह से दूर होती गईं। बाद में दारा सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा था कि बॉलीवुड ने मुमताज को उनसे छीन लिया।

उस दौर में वह 2 से ढाई लाख रुपए लेती थी। तब फिल्मों में उनकी भूमिका कुछ रोमांटिक दृश्यों और कुछ गानों के लिए होती थी। लीड रोल में वह राजेश खन्ना के साथ फिल्म दो रास्ते में नजर आईं। यह फिल्म 1969 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनकी भूमिका छोटी थी, लेकिन उन पर फिल्माए गए गाने बेहद पसंद किए गए। राज खोसला की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म से वह स्टार बन गईं। उस साल राजेश खन्ना के साथ उनकी फिल्में दो रास्ते और बंधन सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्म बनी।

मुमताज ने 'दो रास्ते', 'आप की कसम', 'प्रेम कहानी', 'दुश्मन', 'रोटी', 'फौलाद', 'आंधी और तूफान', 'टार्जन एंड किंगकॉन्ग', 'बॉक्सर', 'जवान मर्द' जैसी करीब 100 से अधिक फिल्मों में काम किया और इनमें से अधिकतर सफल रहीं।

राजेश खन्ना के साथ वह कुल 10 फिल्मों में नजर आईं। दोनों की जोड़ी को दर्शक बेहद पसंद करते थे। कहा जाता है कि मुमताज की शादी पर राजेश खन्ना खूब रोए थे। मुमताज ने वर्ष 1974 में कारोबारी मयूर माधवानी से शादी कर ली। उन्होंने सिनेमा इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया और लंदन चली गईं। राजेश खन्ना मुमताज को काफी पसंद करते थे। राजेश खन्ना मुमताज के इंडस्ट्री छोड़ने और पति के साथ लंदन में बसने के फैसले से आहत थे। दशकों बाद, पिंकविला के साथ एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि काका के करीबी लोगों ने उन्हें बताया कि मयूर माधवानी से शादी करने के बाद वह बेहद दुखी थे। मैं तब भारत में नहीं थी, लेकिन बाद में उनके करीबी लोगों ने मुझे बताया कि जब मैंने शादी की और भारत छोड़ दिया,तो काका ने कहा, मैंने अपना दाहिना हाथ खो दिया है।

उनकी दो बेटियां नताशा और तान्या हैं। उनकी एक बेटी नताशा की शादी एक्टर फिरोज खान के बेटे फरदीन खान से हुई है। आपको बता दें कि मुमताज को साल 2002 में 52 साल की उम्र में ब्रेस्ट कैंसर हो गया था। इलाज के बाद वह ठीक हो गईं। वह अब अपने हेल्थ और फिटनेस पर काफी ध्यान देती हैं। सोशल मीडिया एप्प इंस्टाग्राम पर वह अपने फैंस से रूबरू होती रहती हैं। अब भी वह बेहद खूबसूरत और फीट दिखती हैं। वह अब लंदन में अपने पति के साथ रहती हैं, लेकिन वह अक्सर इंडिया भी आती रहती हैं।

फिल्म थंडेल का दूसरा गाना नमो नमः शिवाय 7 फरवरी को होगा रिलीज

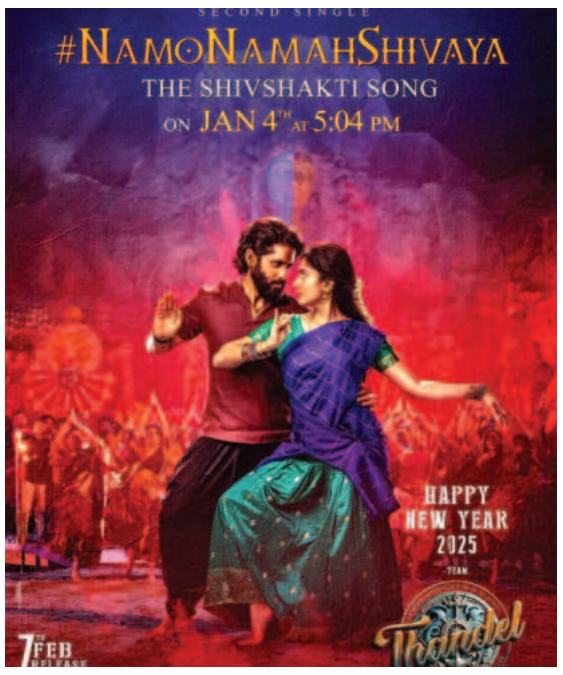

नागा चैतन्य और साई पल्लवी अपनी आगामी मनोरंजक फिल्म थंडेल के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने और उन्हें मंत्रमुग्ध करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। कार्तिके य की प्रसिद्धि के चंदू मोंडेती द्वारा निर्देशित यह फिल्म 7 फरवरी 2025 को एक शानदार रिलीज के लिए दौड़ रही है।फिल्म का प्रचार सभी को आकर्षित कर रहा है और अब निर्माताओं ने फिल्म के नए गाने के बारे में अपडेट दिया है। निर्माताओं ने साझा किया कि शिव शक्ति गीत नमो नमः शिवाय 4 जनवरी 2025 को शाम 5.04 बजे रिलीज़ किया जाएगा। विवरण साझा करते हुए, निर्माताओं ने फिल्म प्रेमियों को प्रसन्न करने के लिए नए साल पर इसका खुलासा किया।निर्माताओं ने इस गाने को क्रिसमस के दौरान काशी में रिलीज़ करने की योजना बनाई थी, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण इसे अंतिम समय में स्थगित कर दिया गया। फिल्म का संगीत देवी श्री प्रसाद ने तैयार किया है और अल्लू अरविंद इसे प्रस्तुत कर रहे हैं, जबकि बनी वास जीए2 पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण कर रहे हैं।

साउथ की हसीना मालविका मोहनन ने इंटरनेट का चढ़ाया पारा

साउथ एक्ट्रेस मालविका मोहनन आए दिन अपने ग्लैमरस और लुक्स से सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड और कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं, जिसमें उनका गॉर्जियस लुक देखकर फैंस एक बार फिर से तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं।तमिल सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस मालविका मोहनन अपने शानदार और ग्लैमरस लुक्स के लिए जानी जाती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान व्हाइट कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और लाइट कर के एक्ट्रेस मालविका मोहनन ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि एक्ट्रेस को फिल्म युद्धा में देखा गया था। इस फिल्म में एक्ट्रेस ने अहम किरदार निभाया था। दर्शकों ने इस मूवी में उनकी एक्टिंग को भी काफी पसंद किया था।मालविका मोहनन सोशल मीडिया पर काफी रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

श्रीलीला के हाथ लगी करण जौहर की फिल्म, मिला कार्तिक आर्यन का साथ

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 जब से रिलीज हुई है, यह बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। फिल्म में जहां अल्लू की तारीफ हुई, वहीं श्रीलीला की एंट्री ने भी दर्शकों की धड़कनें बढ़ा दीं।इस फिल्म के आइटम नंबर किसिक में श्रीलीला ने अपने डांस से लोगों को अपना दीवाना बना दिया है।उनकी खूबसूरती का हर कोई मुरीद हो गया है।श्रीलीला की बढ़ती लोकप्रियता देख अब उन्हें बॉलीवुड से फिल्म का प्रस्ताव आया है।रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलीला को धर्मा प्रोडक्शंस की नई फिल्म का प्रस्ताव आया है। फिल्म का नाम है तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी। यह वही फिल्म है, जिसके हीरो कार्तिक आर्यन हैं।खबर है कि इस फिल्म के लिए करण जौहर ने श्रीलीला से संपर्क किया है। बातचीत का सिलसिला जारी है। श्रीलीला ने फिल्म में दिलचस्पी दिखाई है और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा हो सकती है।कार्तिक ने इसी साल दिसंबर के अंत में अपनी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी का ऐलान किया था। क्रिसमस के मौके पर उन्होंने इस फिल्म का टीजर रिलीज किया था।साल 2026 में उनकी यह फिल्म रिलीज होगी। समीर विद्वंस इसके निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं, जिन्होंने सत्यप्रेम की कथा का निर्देशन किया था।बता दें कि करण और कार्तिक पहले दोस्ताना 2 के लिए साथ आने वाले थे, लेकिन बात नहीं बन पाई थी।किसिक में अल्लू के साथ श्रीलीला की जोड़ी ने दर्शकों के बीच अपना खूब जादू चलाया। जहां श्रीलीला ने अपने डांस से लोगों का ध्यान खींचा, वहीं अल्लू के जोश को प्रशंसकों ने फायर बताया।कुछ ने तो यह तक कह डाला कि इस गाने ने पुष्पा में सामंथा रुथ प्रभु के गाने ऊ अंटावा... को भी पीछे छोड़ दिया।किसिक को खबर लिखे जाने तक यूट्यूब पर 2 करोड़ 60 लाख लोग देख चुके हैं।कायदे से देखा जाए तो श्रीलीला का करियर सिर्फ 5 साल पुराना है। 2017 में उन्होंने बतौर बाल कलाकार तेलुगू फिल्म चित्रांगदा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।साल 2019 में उन्हें बतौर लीड हीरोइन कन्नड़ फिल्म किस में साइन किया गया। फिल्म में श्रीलीला की बड़ी तारीफ हुई।नतीजा ये हुआ कि बीते 5-6 साल में वह 11 फिल्मों में छोटे-बड़े रोल निभा चुकी हैं। पुष्पा 2 के बाद उनकी झोली में आगे 3 फिल्में और हैं।

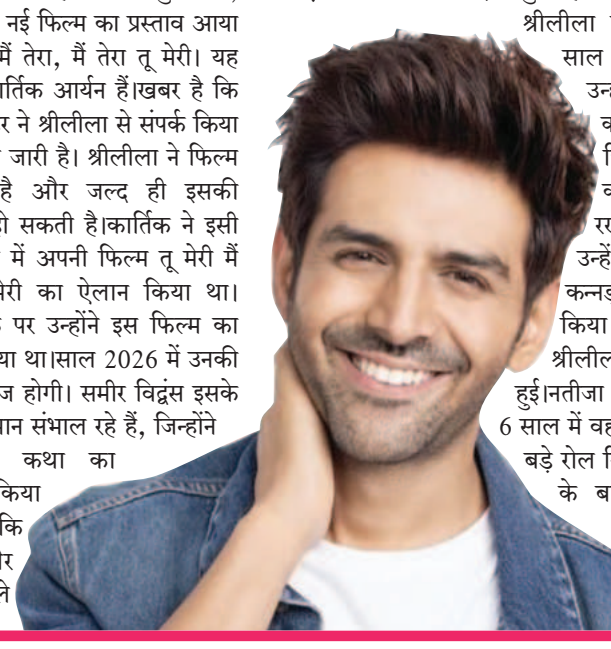

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुकसानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूँस–ठूँस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकेंगें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 04 जनवरी 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पोष , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 10:03 तक
नक्षत्र : शतभिषा रात्रि 09:24 तक
योग : सिद्धि प्रातः 10:07 तक
करण : बव प्रातः 10:53 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:47 , सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:43 , सूर्यास्त 06:06 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 05:47 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है , पंचक चालू है

पांडित्य विषय में सम्पर्क करें
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : भजनलाल

जयपुर,03 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को सड़क, पानी, बिजली, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न विकास कार्यों के माध्यम से अंत्योदय के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विकास कार्यों को पूरा करने की टाइमलाइन निर्धारित कर इन्हें समय से पूरा करें।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। समीक्षा बैठक के दौरान ऊर्जा विभाग, पीडब्ल्यूडी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, राजस्व, पीएचईडी, स्वायत्त शासन, जल संसाधन एवं नगरीय विकास विभाग से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी विभागों को आपस में समन्वय बना कर कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विभाग अपने प्रोजेक्ट्स की नियमित मॉनिटरिंग करें ताकि आमजन को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को प्रतापनगर में 132 केवी जीएसएस का निर्माण तथा विद्युत लाइनों को भूमिगत करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी एवं एनएचएआई आपस में समन्वय बनाते हुए भांकरोटा फ्लाईओवर को शीघ्र पूरा करें जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके। उन्होंने पीडब्ल्यूडी को 200 फीट चौराहे पर बनने वाले फ्लाईओवर, अंडरपास एवं बीलवा फ्लाईओवर के गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रीको पुलिया से रेलवे फाटक मालपुरा तक सड़क चौड़ाईकरण का कार्य शीघ्र पूरा करें जिससे यातायात सुगम हो।

शर्मा ने कहा कि पृथ्वीराज नगर परियोजना के अंतर्गत अभियान चलाकर जल कनेक्शन के लंबित आवेदनों को समयबद्ध निस्तारित करें। उन्होंने अमृत 2.0 के अंतर्गत जयपुर नगर निगम क्षेत्र में पेयजल वितरण प्रणाली के सुदृढीकरण एवं सुधार कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पेयजल कनेक्शन प्राप्त करने की प्रक्रिया का सरलीकरण हो जिससे आमजन को सुगमता से कनेक्शन मिल सके। उन्होंने कहा कि सांगानेर स्टेडियम का विकास एवं सौंदर्यीकरण एवं सिटी बस स्टैण्ड सर्किल पर कियोस्क हटाकर सुलभ शौचालय बनाने का कार्य समय से पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पुराने नियमों में वर्तमान आवश्यकता एवं परिस्थितियों के अनुसार संशोधन किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग सांगानेर विधानसभा क्षेत्र के सभी विकास कार्यों को इंगित करते हुए कार्ययोजना तैयार करें। जिसमें सड़क, अस्पताल, सीवरेज लाइन तथा विकसित होने वाली अन्य जन–सुविधाएं दर्शायी गई हों। जिससे कार्यों की समीक्षा आसानी से त्वरित की जा सके। उन्होंने कहा कि सांगानेर में पुरा–तत्व महत्व के दरवाजों के आसपास अतिक्रमण को हटाया जाए तथा इनके सौन्दर्यीकरण कार्य परकोटे के दरवाजों के अनुरूप किये जाएं। साथ ही, इनकी बुकलेट बनाकर भी प्रकाशित करें। शर्मा ने कहा कि जयपुर की बढ़ती आबादी के चलते एक उचित नगरीय प्लानिंग करें, जिससे बढ़ते संसाधनों के दवाब का समाधान हो सके।

दत्तात्रेय ने सावित्रीबाई फुले की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की

चंडीगढ़,03 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शुक्रवार को माता सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें सामाजिक न्याय, समानता और सभी के लिए शिक्षा के लिए एक अथक योद्धा के रूप में याद किया।

श्री बंडारू दत्तात्रेय ने माता सावित्रीबाई फुले की स्थायी विरासत पर प्रकाश डालते हुये कहा कि उन्होंने जाति–आधारित भेदभाव के खिलाफ बहादुरी से लड़ाई लड़ी और समाज के कमजोर वर्गों के पुरुषों और महिलाओं के अधिकारों की वकालत की।

उन्होंने कहा कि माता सावित्रीबाई फुले न केवल भारत की पहली महिला शिक्षिका थीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए आशा और सशक्तिकरण की किरण भी थीं। शिक्षा और सामाजिक सुधार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आज हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

जीरो पेंडेन्सी के साथ राजस्थान विधानसभा को देश की आदर्श विधानसभा बनाए : देवनानी

जयपुर,03 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विधानसभा आमजन की समस्या के समाधान का सशक्त प्लेटफार्म है। विधायकों द्वारा जन समस्याओं के संबंध में उठाये गये मुद्दों के निराकरण विधानसभा के पवित्र सदन में होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अधिकारीगण समस्याओं के निराकरण करने में सहयोगी बने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन समय सीमा में करना सुनिश्चित करें। देवनानी का मानना था कि मिशन के रूप में कार्य करने से ही राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों का परिणाम धरातल पर दिखाई दे सकेगा। देवनानी ने कहा कि विधानसभा से संबंधित प्रश्नों के जवाब के मामले में उल्लेखनीय सुधार हुए है, लेकिन अभी और अधिक बेहतर किये जाने की आवश्यकता है। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी शुक्रवार को यहां विधानसभा में लम्बित प्रश्नों, ध्यानाकर्षण प्रस्तावों, विशेष उल्लेख प्रस्तावों, आश्वासनों एवं याचिकाओं के संबंध में राज्य सरकार के मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

देवनानी ने कहा कि प्रश्नों के जवाब लम्बे समय तक विधानसभा को प्राप्त नहीं होना चिन्ता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि विधानसभा के प्रश्नों के जवाब समय सीमा में भेजा जाना सुनिश्चित करें। यह महत्वपूर्ण कार्य है। सोलहवीं राजस्थान विधानसभा के तीसरे सत्र से पहले 20 जनवरी तक सभी प्रश्नों के जवाब विधानसभा को आवश्यक रूप से भेजे। देवनानी ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्वायत्त शासन विभाग, शिक्षा विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास विभाग और गृह विभाग का नाम प्रमुखता से लेकर कहा कि इन विभागों में विधानसभा के प्रकरण अधिक संख्या में लम्बित है। देवनानी ने कहा कि अधिकारी विधानसभा से संबंधित मामलों में इस तरह की मॉनिटरिंग करें की लम्बित प्रश्नों के मामले में उन्हें भविष्य में अन्य बैठक बुलाने की आवश्यकता ही ना हो। जनहित के मामलों का निस्तारण विधानसभा में समय सीमा में कराया जाना सशक्त लोकतंत्र के लिये आवश्यक है। देवनानी ने कहा कि विधानसभा से संबंधित प्रश्नों के मामले में विभाग के अधिकारियों के साथ कैम्प लगाकर युद्ध स्तर पर कार्य निस्तारण की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि यह गभीर मामले है इन्हें समय से निर्णित किया जाना आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि यदि इन मामलों में कोई समस्या है तो बताये और उसके साथ ही समस्या के निराकरण के मार्ग भी सुझाये, ताकि परिणामदायक कार्य हो सके।

शिमला–मनाली से भी ठंडा रहा हिसार

चंडीगढ़,03 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में इन दिनों सर्दी अपने चरम पर है। ठंड का आलम यह है कि हरियाणा का हिसार हिमाचल प्रदेश के ठंडे पर्यटन स्थलों शिमला और मनाली से भी आगे निकल गया है। गुरुवार को हिसार का न्यूनतम तापमान 2.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो शिमला (9.6 डिग्री) और मनाली (2.8 डिग्री) से भी कम रहा। यह ठंड उत्तर–पश्चिमी सर्द हवाओं और पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण है, जिससे मैदानी इलाकों में भी ठंड का प्रकोप बढ़ गया है।

हरियाणा में ठंड का मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ है, जो इन दिनों सक्रिय है। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी हो रही है, जिसका असर मैदानी इलाकों में साफ दिखाई दे रहा है। उत्तर–पश्चिमी हवाओं के कारण न सिर्फ ठंड बढ़ी है, बल्कि सुबह और रात में घने कोहरे ने लोगों की परे-शानी और बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार 5–6 जनवरी को हरियाणा के कई इलाकों में बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. चंद्र मोहन के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण हरियाणा के उत्तरी और पूर्वी इलाकों में बूंदाबांदी और गरज के साथ हल्की बारिश हो सकती है। इससे ठंड और बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा 4 जनवरी तक घने कोहरे का प्रकोप जारी रहेगा।

सड़कों की दुर्दशा का जिम्मा कांग्रेस पर

दिया कुमारी का कांग्रेस पर तीखा हमला

सुपोषित मां अभियान में 1500 महिलाओं को बांटी पोषण किट

कोटा,03 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को कोटा में कांग्रेस सरकार पर खराब सड़कों के लिए गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सड़कों की दुर्दशा के लिए पिछली कांग्रेस सरकार की लापरवाही जिम्मेदार है। उनके मुताबिक, कांग्रेस शासन के दौरान सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता की अनदेखी की गई, जिससे आज आम जनता को परेशानी उठानी पड़ रही है।

दिया कुमारी ने यह बयान कोटा के नयापुरा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिया। भाजपा विधायक संदीप शर्मा और जिला अध्यक्ष राकेश जैन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और माली समाज के लोगों को संबोधित किया। पत्रकारों से बातचीत में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा, कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सड़कों का निर्माण बिना गुणवत्ता पर ध्यान दिए किया गया, जिसके कारण प्रदेशभर में सड़कें टूट–फूट का शिकार हो गईं। मौजूदा भजनलाल सरकार इन समस्याओं को सुलझाने और प्रदेश को बेहतर सड़कें देने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। अधिकारियों को फील्ड में सक्रिय किया गया है और निर्माण कार्यों की कड़ी निगरानी की जा रही है।

अरायण में जंगली बिलाव का आतंक

दस दिन बाद फिर हुई सक्रियता, वन विभाग अलर्ट

श्रीगंगानगर,03 जनवरी (एजेंसियां)। केसरीसिंहपुर क्षेत्र के गांव 32 एफ अरायण में शुक्रवार को जंगली बिलाव की सक्रियता ने फिर से दहशत फैला दी। इस बिलाव ने पिछले दस दिनों से क्षेत्र में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, जहां उसने कुत्तों को मार दिया और मुर्गों पर हमला किया।

गुलाबेवाला गांव में 22 दिसंबर को पहली बार इस बिलाव की गतिविधि नोटिस की गई थी। इसके बाद से यह कई जगहों पर देखा गया, लेकिन पिछले दस दिनों से कोई नई घटना सामने नहीं आई थी। शुक्रवार को पूर्व सरपंच तिलोकाराम ने इसे अपने खेत में देखा और इसकी तस्वीरें भी लीं। तिलोकाराम ने पुष्टि की कि यह वही बिलाव है, जो पहले देखा गया था।

बिलाव को पकड़ने के लिए वन विभाग पहले से सक्रिय है। रेंजर मोहनलाल के अनुसार, पहले भी पिंजरा लगाया गया था, लेकिन सफलता नहीं मिली। अब दोबारा पिंजरा लगाकर इसे पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। गांव के लोग इस जंगली बिलाव की वजह से दहशत में हैं। कुत्तों की मौत और खेतों में बिलाव की गतिविधि ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। वन विभाग ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और बिलाव की सूचना तुरंत देने की अपील की है। क्या यह जंगली बिलाव पकड़ा जाएगा? वन विभाग की कोशिशें जारी हैं, लेकिन इस अनचाहे मेहमान ने गांववालों की नींद उड़ा दी है।

6.30 लाख के 21 मोबाइल बरामद, 5 आरोपी गिरफ्तार

अजमेर,03 जनवरी (एजेंसियां)। अजमेर के उर्स में जायरीनों की भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी करने वाली गैंग को पुलिस ने धर दबोचा। दरगाह थाना पुलिस ने इस गैंग के 5 सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 6.30 लाख रुपए की कीमत के 21 मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

दरगाह थाना प्रभारी नरेंद्र जाखड़ ने बताया कि अजमेर एसपी वंदिता राणा के निर्देश पर एक विशेष टीम गठित की गई थी। यह टीम उर्स में सक्रिय चोरी करने वाली गैंग्स की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और मुखबिरों के माध्यम से होटल संचालकों से संदिग्धों की जानकारी जुटाई गई।

इस जांच के दौरान पुलिस को एक अहम सुराग मिला। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने इमरान अली उर्फ पटेल, सलमान पुत्र मोहम्मद जहांगीर, शाहिद पुत्र मोहम्मद शरीफ, मोहम्मद आमिर पुत्र मोहम्मद सलीम और मोहम्मद शफीक पुत्र मोहम्मद हसन को गिरफ्तार किया। आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर जायरीनों के मोबाइल चोरी करते थे। बरामद किए गए 21 मोबाइल फोन की कीमत करीब 6 लाख 30 हजार रुपए बताई जा रही है।

घने कोहरे से जनजीवन प्रभावित

फसलों के लिए साबित हो रहा वरदान

चंडीगढ़,03 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत में सर्दी अपने चरम पर है। हरियाणा में ठंड और घने कोहरे ने जनजीवन को प्रभावित किया है। शुक्रवार को नए साल का पहला दिन रहा, जब घने कोहरे ने लोगों की दिनचर्या को अस्त–व्यस्त कर दिया। ग्रामीण इलाकों में दृश्यता शून्य पर पहुंच गई, जबकि शहरी इलाकों में यह मात्र पांच मीटर रह गई।

हालांकि, दोपहर में हल्की धूप निकलने से कुछ राहत मिली, लेकिन सर्द हवाओं ने लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। लोग अलाव जलाकर ठंड से बचने का प्रयास करते नजर आए। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में ठंड और घने कोहरे का दौर जारी रहने का अनुमान जताया है।

शुक्रवार की सुबह घने कोहरे और कड़ाके की ठंड के साथ शुरू हुई। ग्रामीण इलाकों में दृश्यता शून्य रही, जबकि शहरी इलाकों में यह काफी सीमित रही। वाहन धीमी गति से और लाइट जलाकर चलते नजर आए। यातायात में देरी के कारण ऑफिस जाने वाले और अन्य लोग प्रभावित हुए। सुबह का समय लगभग ठिठुरन भरा रहा और लोग जरूरी कामों के लिए भी घरों से देर से निकले। दोपहर में हल्की धूप खिलने से लोगों को कुछ राहत मिली, लेकिन शाम होते ही सर्द हवाओं और कोहरे ने एक बार फिर अपना शिकंजा कस लिया। किसानों के लिए कोहरे का फायदा ठंड और घने कोहरे ने जहां जन–जीवन को प्रभावित किया, वहीं किसानों के लिए यह वरदान साबित हो रहा है।

सावित्री बाई फुले केवल नाम नहीं, बल्कि नारी सशक्तिकरण की कहानी : सैनी

चंडीगढ़,03 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज सावित्री बाई फुले जयंती के अवसर पर बहादुरगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने सावित्री बाई फुले को नमन करते हुए कहा कि सावित्री बाई फुले न सिर्फ भारत की पहली महिला शिक्षिका थी, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व और महिलाओं के अधिकारों की प्रणेता थी। मुख्यमंत्री ने समारोह के दौरान घोषणा करते हुए कहा कि माता सावित्री बाई फुले की जयंती को सरकारी स्तर पर मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सावित्री बाई फुले के सम्मान में हरियाणा सरकार ने राजकीय महिला कॉलेज, लोहारू, भिवानी का नाम माता सावित्री बाई फुले के नाम पर रखा है।

नायब सिंह सैनी ने बहादुरगढ़ हल्कावासियों को सौगात देते हुए कहा कि बहादुरगढ़ से आसौदा तक मेट्रो के विस्तार के प्रस्ताव पर राज्य सरकार द्वारा तीव्र गति से कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बहादुरगढ़ नगर परिषद को मानदंड पूरा होने पर नगर निगम बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाइन पार फाटक पर अंडरपास के निर्माण, बहादुरगढ़ सड़क के नवीनीकरण, पुरानी कोर्ट के साथ लगती खाली पड़ी जमीन पर पार्क विकसित करने और पुराने बस अड्डे के साथ लगती खाली जमीन पर व्यायामशाला–योगशाला बनाने के संबंध में फिजिबिल्टी चैक करवाकर इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधूरे पड़े उत्तरी बाईपास के निर्माण तथा नई अनाज मंडी के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनधिकृत कॉलोनियों को सरकार द्वारा नियमित किया जा चुका है और उनमें मुलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। यदि ऐसी अनधिकृत कॉलोनियों की जानकारी मिलती है तो उन्हें भी मानदंड पूरा करवाकर नियमित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वार्ड– 7 और 10 में छठ पूजा घाट बनाए जायंगे।

पटवारी और सरपंच पति रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

जयपुर,03 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई को और मजबूत करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने शुक्रवार को जयपुर ग्रामीण इकाई की टीम के साथ एक बड़ी सफलता हासिल की। पटवारी कुलदीप सिंह और सरपंच पति रामस्वरूप को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया।

एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि शिकायतकर्ता ने 1064 हेल्पलाइन पर सूचना दी थी कि कृषि भूमि के नामांतरण के लिए आरोपी 9,000 रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। शिकायत के आधार पर कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को 5,000 रुपये रिश्वत लेते हुए धर दबोचा गया।

बागवानी महोत्सव 2025 : बिहार की अर्थव्यवस्था में बागवानी की अहम भूमिका : कृषि मंत्री

पटना (एजेंसियां)।

सूबे के कृषि मंत्री मंगल पाण्डेय ने गांधी मैदान पटना में आयोजित तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संजय कुमार अग्रवाल, सचिव, कृषि विभाग, बिहार ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में कृषि मंत्री पांडेय ने कहा कि रंग-बिरंगे फल, फूल, सब्जी एवं अन्य बागवानी उत्पादों से सुसज्जित बागवानी महोत्सव 2025 कृषकों के उत्साह का गवाह है।

उन्होंने कहा, कृषि बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों का आधार है। बिहार की अर्थव्यवस्था में बागवानी खासकर फल, फूल, सब्जी, मसाला आदि की भूमिका अहम साबित हो रही है। 2005 के समय राज्य में प्रतिव्यक्ति आय सात हजार 500 के करीब थी।

वहीं, आज इस राज्य की प्रति व्यक्ति आय 66 हजार हो गई है। 20 वर्षों में माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में लगभग आठ गुना से अधिक प्रतिव्यक्ति आय बढ़ी है, जिसमें किसानों की बढ़ी आय का बड़ा योगदान रहा है। यदि हम सभी राज्य को सुखी व समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो बागवानी के माध्यम से किसानों को समृद्ध कर उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

इस मौके पर कृषि मंत्री ने एक अहम घोषणा की है कि बिहार में शहद के उत्सादन एवं प्रोत्साहन नीति कृषि विभाग शीघ्र बनाएगी, जिसे सरकार राज्यभर में बढ़ावा देगी।

खासकर भूमिहीन किसानों को शहद उत्पादन से जोड़ने की पहल को लेकर नीति बनायी जाएगी। भूमिहीन किसाना मधुमक्खी पालन कर खुद को सशक्त बनाएंगे। सूर्यमुखी, सहजन, सरसों, लीची जैसे फल- फूलों के शहद का उत्पादन करने की नीति बनेगी।

मंत्री पांडेय ने कहा कि महोत्सव में सिर्फ बागवानी उत्पादों का प्रदर्शनी ही नहीं, बल्कि फल, फूल, सब्जी के बीज, बीचड़ा, पौधा, बागवानी उपकरण, मधु, मखाना, मशरूम, चाय आदि की बिक्री की भी व्यवस्था की गई है। बिहार में कुल 13.50 लाख हेक्टेयर में बागवानी की फसलों की खेती की जाती है, जिससे करीब 286.45 लाख मीट्रिक टन फल, फूल, सब्जी आदि बागवानी उत्पाद का उत्पादन होता है, जिसे आने वाले समय में और बढ़ाने का लक्ष्य है। कृषि रोडमैप के लक्ष्य से आगे बढ़कर भी सोचने की जरुरत है।

मंत्री ने कहा, सालाना लक्ष्य निर्धारित करने की दिशा में भी हम सोच सकते हैं। हमें 2025 में बागवानी का लक्ष्य बढ़ाकर 18 लाख हेक्टेयर एवं 2026 में इसे बढ़ाकर 20 लाख हेक्टेयर पर ले जाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। राज्य बागवानी के क्षेत्र में बिहार लगातार आगे की ओर बढ़ रहा है। आज हमारे कृषक पारंपरिक बागवानी फसलों के साथ-साथ उच्च बाजार मूल्य वाले एक्जोटिक फल, ड्रैगन फ्रूट्स, स्ट्रॉबेरी आदि की खेती कर रहे हैं।

पांडेय ने कहा कि इन उत्पादों का उचित भंडारण हो, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन हो, बाजार की सुलभ उपलब्धता हो, कृषि विभाग इस दिशा में तीव्र गति से कार्य कर रही है। इस कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा कृषि विभाग के अन्तर्गत कृषि विपणन निदेशालय का गठन किया गया है। जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य उपलब्ध करवाना, किसानों को बाजार की व्यवस्था उपलब्ध करवाना, किसानों के उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन करवाना, भंडारण की सुविधा, बेहतर पैकेजिंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है। बागवानी महोत्सव में सभी जिलों से करीब 1500 कृषकों ने 14 हजार से ज्यादा प्रदर्शों के साथ भाग लिया है। बागवानी महोत्सव में प्रदर्शनी में लगभग 60 स्टॉल लगाये गये हैं, जहां से दर्शक बंधु मनपसन्द फल, फूल, सब्जी के बीज/बिचड़ा, पौधा, गमला, मधु, मखाना, मशरूम आदि खरीद भी सकते हैं।

विभाग के सचिव संजय अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के आयोजन का उद्देश्य बाजारोन्मुख बागवानी उत्पादों के गुणवत्तायुक्त उत्पादन हेतु कृषकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाना है। वहीं बागवानी के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी उपकरण से रूबरू कराना तथा कृषकों को उनके उत्पादों का सही मूल्य प्राप्त हो इसके लिए निर्यात प्रोत्साहन हेतु कृषकों एवं व्यापारियों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर इनके अलावे अभिषेक कुमार, निदेशक उद्यान, आलोक रंजन घोष, एमडी, बिहार राज्य बीज निगम, अमिताभ सिंह, आप्त सचिव, स्वास्थ्य मंत्री, संतोष कुमार उत्तम, निदेशक पीपीएम, वीरेंद्र प्रसाद यादव, विशेष सचिव,कृषि विभाग, पद्मश्री से सम्मानित किसान चाची राजकुमारी देवी, मनोज कुमार, संयुक्त सचिव समेत कई अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जयनगर से मुंबई जाने वाली पवन एक्सप्रेस में लगी आग मौके पर पहुंचे रेलवे कर्मी

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के मधुबनी जिले के जयनगर से मुंबई जा रही पवन एक्सप्रेस ट्रेन में अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। यह घटना राजनगर स्टेशन के पास नरकटिया गुमटी के निकट हुई। ट्रेन के चक्के में जाम लगने के बाद आग लगने की सूचना मिली, जिससे ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों में घबराहट फैल गई, लेकिन गनीमत यह रही कि किसी प्रकार का कोई हताहत नहीं हुआ।

पवन एक्सप्रेस ट्रेन जयनगर से लोकमान्य तिलक, मुंबई जा रही थी और लगभग आधे घंटे की देरी से रवाना हुई थी। अचानक आग लगने के बाद गार्ड ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेन को रोका और तुरंत आग पर काबू पा लिया। इससे एक बड़े हादसे से बचाव हुआ। ट्रेन में सवार यात्रियों ने राहत की सांस ली, क्योंकि समय रहते आग को बुझा लिया गया और कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

इस घटना में सबसे बड़ी समस्या गुमटी के पास यातायात जाम का था। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। हालांकि, घटना की गंभीरता को देखते हुए आग पर काबू पाने के बाद स्थिति सामान्य हो गई। यह घटना यह सिद्ध करती है कि कभी-कभी सूझबूझ और तत्परता से बड़े संकटों को टाला जा सकता है। गार्ड और ड्राइवर की सतर्कता ने एक बड़े हादसे से बचा लिया और सभी यात्री सुरक्षित रहे

बच्चा चोरी के आरोप में युवक की जमकर हुई पिटाई, फिर लोगों ने किया पुलिस के हवाले

गया (एजेंसियां)।

बिहार के गया जिले में बच्चा चोरी के आरोप में एक युवक को लोगों ने पकड़ कर जमकर पीटा। पिटाई करने के बाद लोगों ने स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, गया शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के स्वराजपुरी रोड स्थित मखलौटगंज मोहल्ले में एक बच्ची अपने घर से निकलकर सामान लेने के लिए पास के दुकान गई थी। सामान लेकर वापस आ रही थी, उसी दौरान अचानक एक युवक बच्ची को पकड़कर अपने साथ ले जा रहा था। बच्ची युवक से छोड़कर भागने का प्रयास की, लेकिन भागने नहीं दिया, जिसके बाद बच्ची चीखने चिल्लाने लगी।

बच्ची के चीखने चिल्लाने की आवाज को सुनकर आसपास के लोग एकजुट हो गए और युवक को पकड़कर जमकर पिटाई कर दिया। उसके बाद घटना की सूचना डायल 112 की टीम को दिया गया। सूचना प्राप्त होते ही डायल 112 की टीम घटना स्थल पर पहुंची और आरोपी युवक को हिरासत में लेते हुए स्थानीय थाना को सुपुर्द कर दिया। वहीं, हिरासत में लिए गए आरोपी युवक से स्थानीय थाना पूछताछ कर रही है। पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी है। वहीं, बच्ची के परिजनों के द्वारा कोतवाली थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया जा रहा है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि कई दिनों से कुछ युवकों को घूमते हुए देखा जा रहा था और आज उसमें से एक युवक को बच्ची को पकड़कर ले जाते हुए रंगे हाथ धरदबोचा गया। उक्त युवक की पहचान मो. इरसाद खान के रूप में किया गया है।

पटना में प्रशांत किशोर का आमरण अनशन जारी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं पीटी परीक्षा रद्द कर री-एग्जाम लेने की मांग लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी इस प्रदर्शन में शामिल हैं। हालांकि वह पटना के गांधी मैदान में धरना पर बैठे हैं। उन्होंने दो जनवरी से आमरण अनशन का एलान किया था। आज उनके अनशन का दूसरा दिन है। पीके के साथ सैकड़ों अभ्यर्थी भी प्रदर्शन कर रहे हैं। गांधी मैदान में बापू की मूर्ति के नीचे बैठकर सभी लोग री-एग्जाम की मांग कर रहे हैं। अभ्यर्थियों ने इस दौरान नारेबाजी भी की। वह री-एग्जाम..हम लेकर रहेंगे के नारे लगा रहे।

प्रशांत किशोर की टीम की ओर से कहा गया है कि आज हमलोगों के प्रदर्शन का दूसरा दिन है। जब तक नीतीश सरकार हमारी मांगों को मान नहीं लेती तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। आंदोलन का माहौल इतना गर्म हो चुका है कि आयोग अब खुद को अभ्यर्थियों और प्रशांत किशोर की चुनौती के सामने घिरा महसूस कर रहा है। मैदान में डटे सैंकड़ों युवा यह साफ कर रहे हैं कि अब न्याय की लड़ाई किसी भी सूरत में रुकेगी नहीं।

पीके की ओर से कहा कि बीपीएससी अभ्यर्थियों के साथ बिहार की ध्वस्त शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ 5 मांगों को लेकर लगातार दूसरे दिन पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं।

नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष की हत्या तेज धारदार हथियार से किया था हमला

पटना (एजेंसियां)।

खगड़िया में बेखौफ अपराधियों ने नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्ष की तेज धारदार हथियार से हत्या कर दी। घटना महेशखूंट थाना क्षेत्र के समसपुर जवाहर उच्च विद्यालय के बीच सलीमनगर चौक की है। मृतक पैक्स अध्यक्ष की पहचान महेशखूंट राजधाम निवासी महेशखूंट पंचायत के नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष वरुण सिंह के रूप में हुई है। इधर घटना के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

मृतक पैक्स अध्यक्ष के परिजनों का कहना है कि वरुण सिंह का किसी से दुश्मनी नहीं था। बताया जा रहा है कि वे अपने घर से जरूरी कार्य कह निकले थे। परिजनों ने बताया कि घटना जहां घटित हुई वहां अंधेरा था, जिसका फायदा उठाकर अपराधियों ने उनपर हमला कर दिया। इधर पुलिस का कहना है कि घटना को लेकर छानबीन की जा रही है। हत्या में जिसकी भी संलिप्तता होगी उसे बक्शा नहीं जाएगा। घटना के बाद जिप अध्यक्ष कृष्णा देवी यादव मृतक पैक्स अध्यक्ष वरुण सिंह के घर पहुंची और उनके परिजनों का ढाढस बढ़ाया।

घटना के संबंध में लोगों का कहना है कि पैक्स अध्यक्ष वरुण सिंह की बाइक पर उनके साथ एक अन्य आदमी भी सवार था, जो घटना के बाद से फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है। पुलिस को शक है कि उस शख्स की गिरफ्तारी से इस हत्या की गुत्थी सुलझ सकती है। फिलहाल पुलिस उस क्षेत्र के आसपास लगे सीसीटीवी को खंगाल रही है। पुलिस का यह भी कहना है कि यह मामला पैक्स चुनाव को लेकर रंजिश में घटना को अंजाम दिया जाने का शक है, लेकिन फिलहाल कोई ठोस आधार नहीं मिलने के कारण पुलिस हर एंगिल से मामले की तफ्तीश कर रही है। पुलिस का यह भी कहना है कि परिजनों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का दावा है कि बहुत जल्द मामले को सुलझा लिया जायेगा।

बर्थडे पार्टी में खाने-पीने को लेकर हुआ विवाद, गुस्से में एक युवक को गोली मार दी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के भोजपुर में बर्थडे पार्टी का जश्न देखते ही देखते खून-खराबे में बदल गया। आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र के बाबू बाजार स्थित होटल के पास बर्थडे पार्टी में हुए विवाद को लेकर एक युवक पर फायरिंग कर दी गई, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। परिजनों द्वारा युवक को अनन-फानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, जख्मी युवक टाउन थाना क्षेत्र के महादेव रोड निवासी सिद्धनाथ चौरसिया का 18 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार है। उधर, घटना की सूचना मिलते ही टाउन थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ सदर अस्पताल पहुंच गए।

जहां पुलिस को देख वहां मौजूद लोग आक्रोशित हो गए और दोनों के बीच नोक-झोंक भी हो गई। हंगामे की वजह से सदर अस्पताल में काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही।

वहीं, सूचना पर एएसपी परिचय कुमार आरा सदर अस्पताल पहुंचे और जख्मी युवक के परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली। मामले को लेकर एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि बर्थडे पार्टी के दौरान खाने को लेकर विवाद हुआ था, जिसमें गोली चली है। इस फायरिंग में आशीष कुमार घायल हो गए हैं। गोली किसने और क्यों चलाई, अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है।

पटना जंक्शन पर बम मिलने की सूचना से मची सनसनी! प्लेटफॉर्म नंबर आठ को किया गया सील

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना जंक्शन पर बम मिलने की सूचना से सनसनी मच गई। प्लेटफॉर्म संख्या 8 पर बम होने की सूचना मिलते ही आरपीएफ, जीआरपी के साथ-साथ बम स्कॉड की टीम स्टेशन पर पहुँच गई और एक सिरे से पूरे पलटफॉर्म की जांच की। पुलिस की टीम प्लेट फॉर्म पर पहुंचते ही सबसे पहले प्लेटफॉर्म संख्या आठ को सील कर दिया। बम स्कॉड की टीम के साथ पटना पुलिस के अधिकारी और जीआरपी पूरे प्लेटफॉर्म जांच की।

इस संबंध में में लॉ एंड ऑर्डर कोतवाली डीएसपी कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि प्रारंभिक सूचना जीआरपी थाना को मिली थी कि प्लेटफार्म नंबर 8 पर खड़े इंजन के नीचे बम रखा हुआ है। सूचना मिलते ही पूर्वी एसपी, कोतवाली डीएसपी, आरपीएफ, जीआरपी थानेदार और बम स्कॉड की टीम घटनास्थल पर पहुंचे। इस दौरान सबसे पहले प्लेटफार्म संख्या 8 को खाली करवाया गया। फिर तुरंत हर स्तर से जांच शुरू हो गई। जांच के दौरान बम की शक्ल में बच्चों के खेलने वाला गेंद बरामद हुआ। ऐसे लगता है कि किसी शरारती बच्चे ने गेंद को रस्सी से लपेटकर इंजन के नीचे फेंक दिया था। हालांकि इससे पहले भी कई बार जंक्शन को बम से उड़ाने और जंक्शन पर बम होने की अफवाहें उडाई गयीं, लेकिन इस तरह की सूचना हमेशा गलत साबित हुई है।

प्लेटफॉर्म पर बम होने की सूचना से न सिर्फ पुलिस प्रशासन में बल्कि प्लेटफॉर्म और पटना जंक्शन के पास जमा हुए यात्रियों में भय की स्थिति बन गई थी। प्लेटफॉर्म और जंक्शन पर अचानक भरी संख्या में पुलिस्ब्म और बम निरोधी दस्ता को देखकर यात्री भी अचंभित हो रहे थे। पूछने पर पता चला कि किसी ने फोनकर प्लेटफॉर्म संख्या 8 पर बम होने की सूचना दी है, तो यह सुनकर यात्री जंक्शन और प्लेटफॉर्म से अपना-अपना सामान लेकर बाहर की ओर भागने लगे। प्लेटफॉर्म पर लगभग एक घंटे तक जांच पड़ताल चली और तब जाकर जांच टीम और यात्रियों ने राहत की सांस ली।

खाना बनाने के दौरान सिलेंडर ब्लास्ट, भीषण आग में झुलसे दो बच्चों समेत 11 लोग

सारण (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले के बरौली थाना क्षेत्र के सुरवल गांव स्थित चिमनी पर मजदूरों द्वारा खाना बनाते समय अचानक गैस सिलेंडर में आग लग गयी। मजदूर आग बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन वह नहीं बुझी और सिलेंडर ब्लास्ट कर गया। सिलेंडर फटते ही गैस तेजी से हवा में फैल गयी और आग की लपेटे में 11 लोग आ गये। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई।

स्थानीय लोगों ने फौरन दो बच्चों समेत 11 लोगों को इलाज के लिए बरौली अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉ. आफताब आलम ने प्राथमिक उपचार के बाद स्थिति को गंभीर देखते हुए सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। ईंट भट्ठा के मालिक ने सदर अस्पताल के बदले सीवान के किसी प्राइवेट अस्पताल में इलाज के लिए लेकर चले गये।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ईंट भट्टे पर खाना बन रहा था। उसी के करीब कुछ मजदूर अलाव जलाकर बैठे थे। इस विस्फोट में आग ताप रहे मजदूर भी लपेटे में आ गये और झुलस गए। आग लगने से चिमनी पर चीख-पुकार मच गयी।

झुलसने वालों में नितिन कुमार, अंकित कुमार, अजय राम, सुशील कुमार, सुशील सिंह तथा प्रमिला देवी आदि शामिल हैं। इनका इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। बाकी करीब आधा दर्जन घायलों का इलाज अलग अलग-जगह पर कराया गया। इस मामले में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विनोद यादव ने बताया की सभी को गंभीर स्थिति में सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com